धनबाद, शुक्रवार
25 अप्रैल 2025
वर्ष : 10 अंक : 325
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

ब्रीफ न्यूज

गर्मी को लेकर स्कूलों के समय में बदलाव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची, : राज्य में लगातार बढ़ रही गर्मी को देखते हुए राज्य के सभी सभी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। राज्य में संचालित सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में अगले आदेश तक के लिए वर्ग केजी से वर्ग आठ तक की कक्षाएं सुबह सात बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे चलेगी। साथ ही वर्ग नौ से वर्ग 12 तक की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक संचालित की जायेंगी। इस संबंध में झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने गुरुवार को अधिसूचना जारी कर दी है। **शेष पृष्ठ-4.....**

लातेहार में तीन इनामी नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

लातेहार : लातेहार एसपी कुमार गौरव के समक्ष गुरुवार को झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) नक्सली संगठन के तीन इनामी नक्सलियों ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया। एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेंट याद राम बुनकर ने तीनों नक्सलियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों में पालिंदर भोक्ता प्रमोद गंझु और तुलसी गंझु शामिल है। तीनों बालूमाथ के लक्ष्पुर के रहने वाले हैं। इनके ऊपर सरकार ने एक -एक लाख रुपए इनाम घोषित किया था। **शेष पृष्ठ-4.....**

मुख्यमंत्री हेमंत, विधायक कल्पना और डीजीपी को लेकर अभद्र टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची,: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन और डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए और सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है।पुलिस की टीम ने गुरुवार को सुमन सौरभ नाम के युवक को मोरहाबादी मैदान से गिरफ्तार किया है। इसके बाद रांची पुलिस ने उस युवक को रामगढ़ पुलिस को सौंप दिया है। सुमन सौरभ ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन और डीजीपी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था। इसके बाद इसकी शिकायत पुलिस से की गयी थी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। **शेष पृष्ठ-4.....**

भारत की आत्मा पर हमला, सोचा नहीं होगा ऐसी सजा मिलेगी: पीएम मोदी

मधुबनी(एजेंसी) : पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिले के झंझारपुर में अपनी पहली सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी के मंच पर आते ही रैली स्थल पर मौजूद लोगों ने जोरदार नारों से आतंकवाद के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए।

पीएम मोदी ने रैली की शुरूआत से पहले पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभी लोगों से दो मिनट का मौन रखने की अपील की। उन्होंने कहा, ह्लयह हमला केवल हमारे निहत्थे पर्यटकों पर नहीं था, बल्कि यह भारत की आत्मा पर हुआ दुस्साहसी वार था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्लजिन्होंने यह हमला किया है, उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।

इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी आतंकी घटना की तीखी आलोचना की और मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा, हम पहलगाम हमले की निंदा करते हैं, पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर मधुबनी में विकास कार्यों का शुभारंभ किया। सीएम नीतीश कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। पहलगाम आतंकी हमले के कारण कार्यक्रम को सदागी से मनाया गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री सहित किसी भी गेस्ट का स्वागत और सम्मान नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने मधुबनी में करीब 13,500 करोड़ की लागत वाली कई बुनियादी और कल्याणकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सबसे पहले पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इतना ही नहीं रैली में आए हजारों लोगों से कुछ पल का मौन रखने कहा। पीएम मोदी ने कहा, मैं अपनी बात प्रारंभ करने से पहले आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप जहां हैं, वहीं पर बैठकर 22 तारीख को जिन परिवार जनों को हमने खोया है, उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ पल मौन रखें।

सरकार ने सर्वदलीय बैठक में बताया आगे का प्लान

नयी दिल्ली (एजेंसी) : पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर गुरुवार को सर्वदलीय बैठक हुई. सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजनीतिक पार्टियों को ब्रीफ किया.आज की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने माना कि चूक हुई. उन्होंने कहा कि अगर कुछ नहीं हुआ होता तो हम यहां क्यों बैठे होते?

ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इंटेलिजेंस फेलियर और वहां पर प्रॉपर सुरक्षा डेप्लॉयमेंट की बात उठाई. राहुल गांधी ने भी पूछा कि उपर जहां घटना हुई वहां सुरक्षाकर्मी क्यों नहीं थे? जिस पर सरकार का कहना था कि जनरली इस रूट को जून के महीने में खोला जाता है. जब अमरनाथ यात्रा शुरू होती है, क्योंकि अमरनाथ यात्रा के यात्री इस जगह पर रेस्ट करते हैं.

लेकिन इस बार लोकल टूर ऑपरेटर्स ने सरकार को बिना जानकारी दिए हुए वहां पर टूरिस्ट की बुकिंग लेनी शुरू कर दी और 20 अप्रैल से वहां पर टूरिस्ट को ले जाना शुरू कर दिया. जिस बात की जानकारी लोकल अथॉरिटीज को नहीं थी. इस वजह से वहां पर डेप्लॉयमेंट नहीं किया गया, क्योंकि इस जगह पर डेप्लॉयमेंट हर साल जून के महीने में अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से पहले होता है.

घटना कैसे हुई और कहां चूक हुई? अधिकारियों ने दी जानकारी

सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ह्सभी ने इस बात पर सहमति जताई है कि भारत को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी चाहिए. भारत ने पहले भी आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है और आगे भी करता रहेगा. सरकार की तरफ से सर्वदलीय बैठक में इस पर चर्चा की गई है.

पहलगाम हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय की अर्थी को मां-बहन ने दिया कांधा

करनाल,(एजेंसी) : पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए हरियाणा के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का बुधवार शाम को उनके करनाल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। सैन्य सम्मान के साथ विनय नरवाल को विदाई गई। इस दौरान उनकी बहन ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। विनय के अंतिम संस्कार में सीएम नायब सैनी भी शामिल हुए।जानकारी के मुताबिक बुधवार का विनय का शव श्रीनगर से दिल्ली लाया गया और फिर वहां से करनाल ले जाया गया। शाम छह बजे के करीब विनय का पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो चीख पुकार मच गई। इस दौरान परिजनों ने अपने लाल के अंतिम दर्शन किए। वहीं, विनय को अंतिम विदाई देने पूरा शहर उमड़ पड़ा। फिर मां और बहन ने अपने लाड़ले की अर्थी को कांधा दिया। अंतिम संस्कार में शामिल सीएम नायब सिंह सैनी ने पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए हरियाणा के वीर सपूत भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की अंतिम यात्रा को देखकर हम सबकी आंखें नम थीं इससे पहले नई दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय नौसेना के अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने तिरंगे में लिपटे अपने पति के ताबूत को गले लगाकर अंतिम विदाई दी। विनय और हिमांशी का विवाह 16 अप्रैल को हुआ था और दोनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में ह्यहनीमूनह्ल बनाने गए थे। पहलगाम के बैसरन में आतंकवादियों ने हिमांशी के सामने ही विनय की निर्मम हत्या कर दी। गुरुग्राम की रहने वाली हिमांशी पीएचडी कर रही हैं। हिमांशी ने कहा कि भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। हमें उन पर हर तरह से गर्व होना चाहिए और हम उन्हें हर तरह से गौरवान्वित करेंगे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने हवाई अड्डे पर नरवाल (26) को श्रद्धांजलि दी और हिमांशी को सांत्वना देने की भी कोशिश की। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बुधवार सुबह नरवाल के दादा को ह्यवीडियो कॉलह्ल किया, जिसमें उनके दादा ने अपराधियों को कड़ी सजा देने और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए कड़ी कार्रवाई किए जाने की पीएम नरेन्द्र मोदी से मांग की है। उन्होंने सीएम सैनी से कहा कि आज मैंने अपना पोता खोया है, ऐसे ही कल किसी और के साथ यह सब बीत सकता है।

राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई भी फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं : स्वास्थ्य मंत्री

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची:स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई भी फजीर्वाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंसारी नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएस) सभागार में गुरुवार को आयोजित बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि दवा एक अति आवश्यक और संवेदनशील सामग्री है। इसके गलत या नकली प्रयोग से मरीज की जान जोखिम में पड़ सकती है, तथा उपचार में भी लाभ नहीं मिल पाता। अतः दवाओं की खरीद-बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी नजर है।

स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य की जनता को पारदर्शी और सुलभ तरीके से सही एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया गया है। वे

नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) सभागार में राज्य औषधि नियंत्रण निदेशालय के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

इस बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डॉ. चंद्र किशोर शाही, औषधि निदेशक रितु सहाय, संयुक्त निदेशक सुमन तिवारी सहित सभी जिलों के औषधि निरीक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला और मानव संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी मिली है कि राज्य में कुछ फर्जी दवा कंपनियां सक्रिय हैं। इस पर गंभीरता दिखाते हुए उन्होंने अधिकारियों को तत्काल जांच और छापेमारी करने का निर्देश दिया है।

एक क्लिक में मिले दवाओं की जानकारी

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे सभी मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध दवाओं की जानकारी एक क्लिक में मिल सके। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिना डॉक्टर की लिखित **शेष पृष्ठ-4.....**

धनबाद के बिग बाजार शॉपिंग मॉल में फायरिंग, एक व्यक्ति घायल

घटनास्थल पर डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर व थाना प्रभारी पहुंचे

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : शहर एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा है। ताजा घटना सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत बिग बाजार के शॉपिंग मॉल ओजोन गैलेरिया मॉल के पास की है, जहां गुरुवार की देर शाम एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घायल व्यक्ति का नाम सुनील कुमार बर्णवाल है। हमलावरों ने मॉल के चौथे फ्लोर पर स्थित इनॉक्स के बाहर उन्हें निशाना बनाकर तीन राउंड फायरिंग की। गोलियों की तरह तड़तड़ाहट से मॉल में अफरा- तफरी का माहौल हो गया। घायल सुनील कुमार को तत्काल इलाज के लिए असर्फी हॉस्पिटल भेजा गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सरायढेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानेदार नूतन मोदी और डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम मौके पर मौजूद हैं और पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया गया। मॉल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।फिलहाल मॉल में मौजूद सभी लोगों को वहीं रोका गया है और किसी को भी बाहर या अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है और पूरे मॉल को घेर लिया गया है।

Page 2_Page 3.qxd 4/24/2025 10:51 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : चंद्रवंशी समाज के लोगों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या के प्रति संवेदना एवं मौन धारण करते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त की।जिला संरक्षक अजीत कुमार पप्पू ने कहा, चंद्रवंशी समाज के विकास के प्रति हमेशा तत्पर रहेंगे। इस दौरान उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हत्या की कड़ी निंदा की। कहा कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द दोषियों पर कार्रवाई करे।

चंद्रवंशी समाज का संगठन मजबूत करने एवं अध्यक्ष चयन को लेकर बैठक की गई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह बरमसिया स्थित चंद्रवंशी भवन में जिला अध्यक्ष अरविंद चंद्रवंशी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।बैठक का मुख्य उद्देश्य चंद्रवंशी समाज का संगठन मजबूत करने एवं सामाजिक कार्यों के रुके हुए कार्य को पूरा करने चैताडीह में निमार्णाधीन धर्मशाला एवं बाउंड्री वॉल बनाने हेतु चर्चा की गई। साथ ही सर्वसम्मति से रूपेश चंद्रवंशी को नगर अध्यक्ष चयन किया गया। इस दौरान रूपेश चंद्रवंशी ने कहा, हमें समाज को बेहतर मजबूत करने की जिम्मेदारी शीर्ष नेतृत्व के द्वारा दी गई है। उसके लिए तहे दिल से धंयवाद कि हम नगर विकास के लिए अहम भूमिका किस प्रकार से निभाएंगे। इसके लिए हम लोग पूरी प्लानिंग कर रहे हैं। हमारा समाज कैसे हर एक प्रखंड में आगे रहे इसके लिए हमेशा प्रयासरत थे और रहेंगे।इस दौरान चंद्रवंशी समाज के जिला उपाध्यक्ष अनूप चंद्रवंशी ने कहा, समाज संगठित रहे यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। चंद्रवंशी समाज के प्रदेश अध्यक्ष भीम रवानी ने कहा, सामाजिक कार्य हमेशा रहे यही हम सब लगातार प्रयास कर रहे हैं। बैठक में जिला सचिव सतीशचंद्रवंशी, समाजसेवी रमेश राम, समाजसेवी विनोद राम, प्रदोष चंद्रवंशी, वासुदेव चंद्रवंशी, दुर्गा राम, अनिल चंद्रवंशी, बबलूचंद्रवंशी, मंटू चंद्रवंशी दीपक चंद्रवंशी आदि लोगों की अहम उपस्थिति रही।

झारखंड विधानसभा की क्रियान्वयन समिति ने सर्किट हाउस में बैठक की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीहः झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने गिरिडीह परिसदन भवन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में समिति के अध्यक्ष सुरेश पासवान ने ग्रामीण विकास, सड़क, जल संसाधन, स्वास्थ्य, विद्युत, पंचायती राज, पर्यटन, भूमि संरक्षण व विशेष प्रमंडल समेत कई विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।सभी संबंधित विभागों से कार्य प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। साथ ही कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी ली गयी। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पेयजल और विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। जिले में निमार्णाधीन सड़कों की प्रगति की जानकारी लेते हुए समिति के अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि तय समय सीमा में कार्य पूरा करवायें। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं को धरातल पर उतारा जाय और ग्रामीणों को लाभान्वित किया जाय। इसके अलावा उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तत्परता बरती जाय। जिससे किसी भी प्रकार की कोताही नहीं हो। बैठक में अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, श्रम अधीक्षक समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

धनवार थाना में वाहनों की सघन जांच की गई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :अनुमण्डल पदाधिकारी, खोरीमहुआ के निदेर्शानुसार मोटरयान निरीक्षक के द्वारा धनवार थाना में वाहनों की सघन जांच की गई। जिसमे 43 वाहनो से 77,800 ऑनलाइन - 53,800, ऑफलाइन- 24,000 जुमार्ना वसूला गया ।वाहन जांच में हेलमेट,इंश्योरेन्स, फिटनेस,ड्राइविंग लाइसेंस के तहत जुमार्ना किया गया। सभी से यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया।

विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों से लिए जा रहे फीस का विस्तृत विवरणी उपलब्ध कराएं: एसडीओ

एसडीओ ने विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधनों के साथ की बैठक, दिया जरूरी दिशा-निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले के विभिन्न निजी विद्यालयों के प्रबंधनों के साथ बैठक किया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे समेत संबंधित विद्यालयों के अभिभावक, विभिन्न अभिभावक संघों, मंच के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

अनुमंडल पदाधिकारी ने क्रम वार विद्यालय प्रबंधनों से अभिभावकों से विभिन्न मदों में ली जा रही फीस की जानकारी ली। फीस से प्राप्त राशि को विद्यालय किन मदों में और कितना खर्च कर रहा है। इसकी विस्तृत विवरणी विद्यालय प्रबंधन को समर्पित करने का निर्देश दिया। विद्यालय प्रबंधन को री-एडमिशन, एनुअल चार्जेस, कंप्यूटर, खेलकूद से संबंधित ही कीट, स्टेशनरी खर्च बिजली खर्च आदि की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा।

अनुमंडल पदाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन द्वारा विभिन्न कक्षाओं के लिए जारी पुस्तक एनसीआरटी से संबंधित हैं या नहीं। इसकी जानकारी ली, पुस्तक कहीं किसी एक बुक स्टोर में या विद्यालय में तो उपलब्ध नहीं होती है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को कम से कम पांच दुकानों में पुस्तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसी तरह, अभिभावकों को प्रति वर्ष बच्चों का स्कूल ड्रेस बदलने को लेकर दबाव नहीं देने को कहा। साथ ही,स्कूल प्रबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि स्कूल ड्रेस किसी एक दुकान में नहीं बल्कि कई दुकानों में खरीदारी को उपलब्ध होगा।

बैठक में बच्चों को विद्यालय आने- जाने में इस्तेमाल होने वाले स्कूल वाहन परिवहन नियमों की अनदेखी नहीं करें। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उन्होंने बैठक में उपस्थित जिला परिवहन पदाधिकारी को स्कूल बसों के फिटनेस आदि का जांच का निर्देश दिया। इससे पूर्व, पदाधिकारियों ने दी पेंटा कोस्टल स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 04, एमजीएम स्कूल द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रतिवेदन के अनुसार फीस संरचना, पुस्तकों की सूची, ड्रेस इत्यादि की गहनता के साथ जांच की। हर बिंदु पर विचार-विमर्श कर विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

जानकारी हो कि, अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास ने बुधवार को भी दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर 4, चिन्मया विद्यालय सेक्टर 5 एवं सेंट जेवियर विद्यालय सेक्टर 1 के विद्यालय प्रबंधन, संबंधित विद्यालयों के अभिभावक एवं विभिन्न अभिभावक संघों, मंच के प्रतिनिधि आदि के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया था।

बीमा कर्मचारी संघ ने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई हिंसा की कड़ी निंदा की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए वीभत्स आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। इस भयावह आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जिनमें भारतीय जीवन बीमा निगम के एक अधिकारी भी शामिल हैं। संघ ने मीडिया को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि हम इस असहनीय समय में पीड़ित परिवारों के साथ अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

यह कायरतापूर्ण हिंसक कृत्य शांति, मानवता और हमारे मूल्यों पर सीधा हमला है। हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि इस अमानवीय कृत्य के दोषियों को शीघ्र और निर्णायक रूप से न्याय के कठघरे में लाया जाए। यह भयावह हमला इस दावे की सच्चाई को झुठलाता है कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है और वहां शांति बहाल हो चुकी है। सरकार को चाहिए कि वह कश्मीर समस्या के स्थायी राजनीतिक समाधान पर ध्यान केंद्रित करे।

बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल के संयुक्त सचिव दिलीप कुमार झा ने कहा कि हम शोक में एकजुट हैं और यह संकल्प लेते हैं कि ऐसे आतंकी कृत्य हमारे समुदायों को बांट नहीं सकते और न ही हमारे सामूहिक मनोबल को हिला सकते हैं।

बोकारो जनरल अस्पताल के सौजन्य से संत निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : गुरुवार को संत निरंकारी मिशन, बोकारो के द्वारा मानव एकता दिवस के अवसर पर, सेक्टर 04 स्थित बौद्ध बिहार के प्रांगण में बोकारो जनरल अस्पताल के सौजन्य से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संत निरंकारी मिशन बोकारो के सदस्यों के द्वारा 24 यूनिट रक्त का रक्तदान किया गया। इस अवसर पर बीजीएच के ब्लड बैंक के प्रभारी डा सुरेन्द्र कुमार (एसीएमओ) ने कहा कि रक्तदान का मुख्य उद्देश्य, थैलेसिमीया, सिकल सेल एनीमिया के मरीजों को रक्त मुहैया कराना तथा रक्त की कमी से लोगों की जान न जाए इसलिए लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है।

एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है।

ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि 18 वर्ष से 60 वर्ष तक का कोई भी स्वस्थ पुरूष स्वेच्छा से एक वर्ष में चार बार तथा एक स्वस्थ महिला एक वर्ष में तीन बार रक्तदान कर सकती है। रक्तदान करने से शरीर के किसी भी अंग में कोई कमजोरी नहीं आती है। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए रक्त केन्द्र, बोकारो जेनरल अस्पताल के काउन्सलर कविता कुमार (झारखण्ड सरकार), नर्सिंग सिस्टर रजिता एक्का, विनिता, लैब टेकनीशियन महेन्द्र प्रसाद, अंकिता एवं कौशल कुमार का अहम योगदान रहा।

विद्यालय के संचालन समय में हुआ बदलाव

सुबह सात से 11.30 बजे एवं 12.00 बजे तक होगा संचालन, 26 अप्रैल से लागू

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : राज्य सरकार ने गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव करने को लेकर आदेश जारी कर दिया है। शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव नंदकिशोर लाल की ओर जारी इस आदेश को सभी स्तर के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और सभी निजी विद्यालयों के समय में बदलाव कर दिया है। इसके तहत केजी क्लास से लेकर 8वीं क्लास तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से सुबह 11.30 बजे तक संचालित करने और कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12वीं तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित करने का आदेश दिया है। इस आदेश को 26 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है। वहीं, आदेश में यह भी कहा गया है कि निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप आरटीआइ अधिनियम और प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। उपायुक्त बोकारो ने जिला अंतर्गत विद्यालयों में उक्त आदेश को सुनिश्चित करने को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) एवं जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को निर्देशित किया है।

दिवंगत ठेका श्रमिक महेश सोरेन के परिजनों को ईएसएल की ओर से मिला 5 लाख का मुआवजा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : ईएसएल दिवंगत ठेका श्रमिक महेश सोरेन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ खड़ा है। ईएसएल की ओर से मीडिया को दी गई जानकारी के में बताया गया है कि मृतक के परिवार, प्रशासन और कंपनी के बीच हुई बातचीत के बाद ईएसएल ने मृतक के परिजन को 5 लाख रुपए मुआवजा राशि दी है। इसके अलावा चूंकि आश्रित 2 साल तक वयस्क नहीं होगा, इसलिए कंपनी मृतक की पत्नी को तब तक वेतन देने की बात कही है। ईएसएल की ओर से ठेका श्रमिक महेश सोरेन की मृत्यु पर डिप्टी सीईओ रविश शर्मा की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया था कि ठेका श्रमिक महेश सोरेन की मृत्यु प्लांट परिसर में नहीं हुई थी।

सियालजोड़ी थाना की रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 22 अप्रैल 2025 को महेश सोरेन ड्यूटी पर नहीं आए अपितु उनका शव भागाबांध आदिवासी टोला के जंगल में पाया गया।

ईएसएल में स्थापित फेस रिकग्निशन सिस्टम के अनुसार, महेश सोरेन ने अंतिम बार 20 अप्रैल को ड्यूटी जॉइन की थी, उसके बाद वे प्लांट परिसर में नहीं आए। कंपनी यह भी स्पष्ट करती है कि महेश सोरेन की मृत्यु किसी भी प्रकार से औद्योगिक दुर्घटना नहीं है।

तथापि ईएसएल दिवंगत ठेका श्रमिक महेश सोरेन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ खड़ा है। कंपनी परिवार को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीसीएस चुनाव के लिए चितरंजन में चुनावी सरगर्मी तेज

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : रेल इंजन कारखाना रेल नगरी में आगामी 29 अप्रैल को सीसीएस डेलीगेट प्रतिनिधि चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव का समय नजदीक आते ही शहर में चुनावी सर गर्मी तेज हो गई है। विभिन्न रेल यूनियन और पार्टी के प्रतिनिधि प्रत्याशी कार्यालय में पहुंचकर वोटर कर्मचारियों से अपने पक्ष में वोट की अपील कर रहे हैं। प्रत्याशी द्वारा परिवर्तन और कर्मचारियों के हित में सेवा को चुनावी मुद्दा बताया जा रहा है। प्रत्येक कर्मचारी के पास पहुंचकर चुनाव मैदान में उतरे महिला और पुरुष प्रत्याशी अपने-अपने मुद्दों पर वोट करने की अपील कर रहे हैं। चुनावी आचार संहिता के तहत यह चुनाव संपन्न कराया जाएगा इसके लिए रेल प्रशासन द्वारा भी तैयारी की जा रही है। यहां वोट का केंद्र भी चयन कर लिया गया है। जहां निर्धारित समय और चुनाव आचार संहिता के मानदंड का पालन करते हुए 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

विश्व मलेरिया दिवस के पूर्व दिवस पर जिला मलेरिया कार्यालय के सभागार में कार्यशाला आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 25 अप्रैल 2025 को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाना है। इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस का उद्देश्य है जन समुदाय को मलेरिया से सुरक्षा एवं बचाव के प्रति जागरुक करना तथा बेहतर स्वास्थ्य के लिये उनका व्यवहार परिवर्तन किया जाना है। प्राप्त निदेशानुसार इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस की थीम है मलेरिया का अंत हमारे साथ, पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन। उक्त अवसर पर जन समुदाय को मलेरिया रोग के प्रति जागरुक करने एवं इस रोग से बचने की जानकारी देने हेतु जिला स्तर पर शहरी मलेरिया योजना के कर्मियों, शहरी सहिया एवं शहरी क्षेत्र के बीटीटी के लिए कार्यशाला गुरुवार को कैंप-2 स्थित जिला मलेरिया कार्यालय के सभागार में जिला मीबीडी पदाधिकारी डा रेणु भारती की अध्यक्षता में कार्यशाला का

आयोजन किया गया। कायार्शाला के माध्यम से उपस्थित सभी कर्मियों को मलेरिया से बचाय के प्रति लोगों को जागरुक करने, रक्त पट्ट संग्रह करने तथा इस रोग से बचाव की जानकारी दी गई। जिला भीबीडी पदाधिकारी डा रेणु भारती के द्वारा मलेरिया रोग के इतिहास, लक्षण, बचाव, जाँच एवं निदान के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को जागरुक करने हेतु ग्राम-गोष्ठी, विद्यालय जागरुकता कार्यक्रम आदि आईईसी गतिविधियां करने की जानकारी दी गई। पश्चात प्रयोगशाला प्रावैधिक द्वारा रक्त पट्ट संग्रह करने एवं आरडीके से जाँच करने एवं एमएफ-2 प्रपत्र भरने की जानकारी सभी प्रशिक्षणाथियों को दी गयी।

जागरूकता हेतु शपथ दिलायी गयी -जिला भीबीडी पदाधिकारी द्वारा सभी को शपथ दिलायी गयी कि सभी लोग जिले से मलेरिया रोग को समाप्त करने में अपना पूर्ण सहयोग देंगे, अपने घर के आस-पास जल जमाव नहीं होने देंगे, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करेंगे एवं बुखार होने की स्थिति में अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल जाकर चिकित्सक के परामशार्नुसार अपना पूर्ण उपचार करायेंगे तथा अपने क्षेत्र के लोगों को भी रोग के बारे में जानकारी देते हुए जागरुक करेंगे एवं निर्देश दिया गया कि शुक्रवार, दिनांक 25 अप्रैल, 2025 को सिविल सर्जन कार्यालय से पूर्वाहन 07:00 बजे आयोजित रैली में सभी प्रशिक्षणार्थी सहित सभी कर्मी भाग लेंगे तथा दिनांक 15.04.2025 से 25.04.2025 तक किये जा रहे फिवर सर्वे का प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को उपलब्ध करायेंगे। कार्यशाला में अशीष कुमार, सलाहकार भीबीडी, तनवीर अंसारी, प्रयोगशाला प्रवैधिक तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मी एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

Page 3_Page 3.qxd 4/24/2025 10:57 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

पंचायती राज दिवस पर मुखियाओं को प्रशस्ति-पत्र पत्र देकर सम्मानित किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमकाः रानीश्वर बृहस्पतिवार प्रखंड कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय पंचायती दिवस के अवसर पर बिशेष कार्यक्रम आयोजित हुई हैं ।पंचायत समिति के प्रमुख मर्शिला बास्की एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू किया । कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के बेहतर कार्य करने के लिये रांगालिया पंचायत के मुखिया जिशु बास्की,साल तला के मुखिया एवं बिलकांदी सादीपुर, कुमिरदहा , गोबिंदपुर के पंचायत के पंचायत के सचिव को प्रसस्ति पत्र भेंट किया हैं ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आतंकवादियों का पुतला दहन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमकाः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा संताल परगना महाविद्यालय के मुख्य मार्ग में पहलगाम में पर्यटक पर किए गए हमले से आक्रोशित संगठन के कार्यकर्ता द्वारा आतंकवादियों का पुतला दहन किया गया । हामले में शहीद लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा। कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह ने कहा यह हमला केवल भारत के बहुसंख्यक पर नहीं, बल्कि हमारे देश की आत्मा पर किया गया क्रूर प्रहार है। पहलगाम कश्मीर की वादियों में शांति और सौंदर्य का प्रतीक रहा है, वहाँ से खून और दर्द की खबर आती है।

हम सभी को यह समझना होगा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, उसका कोई चेहरा नहीं होता। वह केवल विनाश चाहता है। हमें एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करना होगा। हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि देते है एवं हम उनके परिवारों के साथ हैं, उनके दुख में सहभागी हैं, और उनके साहस को सलाम करते हैं।भारत माता के इन वीर सपूतों को नमन भी करते है। जिला कार्यकारिणी सदस्य रॉकी जी कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले से हम सभी भारत वासियों को यह सीख लेनी चाहिए कि हम सभी भारतीय जातिवाद के नाम पर बंट रहे हैं और लड़ रहे हैं। धर्म के नाम पर कट्टरपंथी आतंकवादियों के खिलाफ हम सरकार से यही मांग करते हैं कि इनको ईट का जवाब पत्थर से देना चाहिए । मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता, सह नगर मंत्री गणेश मुर्मू, कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह, विवेक धर, मणिलाल,राज साह, सन्यासिस कुमार , अमन सेन, सुमन कुमार ,अमन साह,रॉकी पाल,विकास कुमार ,गणेश कुमार शामिल थे।

पिटाई के विरोध में रेल कर्मियों का डीआरएम कार्यालय पर प्रदर्शन

वाटर सप्लाई विवाद में दो रेलकर्मी की आपसी भिड़ंत में वाल्ब मैन हुआ था घायल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : रेलकर्मी की पिटाई के विरोध में रेलवे आईडब्ल्यू-1 कर्मियों ने डीआरएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, साथ ही पिटाई करनेवाले आरोपी रेलकर्मी पर विभागीय कार्रवाई करने की मांग की गई. आईडब्ल्यूए- 1के कर्मचारी रंजीत कुमार यादव ने बताया कि बीते रात बेकारबांध में वाटर सप्लाई विभाग में कार्यरत वाल्व मैन रंजन कुमार के साथ रेलवे के ही कर्मी मनोज कुमार ने पानी सप्लाई को लेकर मारपीट की थी. जिसमें रंजन कुमार को बुरी तरह से पीटा गया था. रंजन कुमार गंभीर स्थिति में रेलवे अस्पताल में इलाजरत है. इस मारपीट का विरोध करते हुए सभी कर्मी डीआरएम से यह मांग किया ह कि मारपीट कर जख्मी करनेवाले रेलकर्मी मनोज कुमार पर विभागीय कार्रवाई किया जाए.

पहलगाम हमले के दोषी गद्दार का सफाया जरूरी : झामुमो

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सुप्रियो भटटाचार्य ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के दोषी गद्दार का सफाया होना सबसे पहले जरूरी है। पुलवामा हमले की तरह पहलगाम हमले का जिम्मेवार भी जरूर कोई होगा। सुप्रियो भटटार्चाय गुरुवार को पार्टी के हरमू स्थित कार्यालय में प्रेस वार्त्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले को लेकर पूरा देश शोक में डूबा है और सभी देशवासी केंद्र सरकार के साथ खडे हैं। केंद्र सरकार स्वतंत्र रूप से आतंकवाद का समूल नाश करे।

उन्होंने कहा कि ऐसा संयोग है कि जब भी देश में कोई संवेदनशील मामलों पर उलझा होता है उसी समय ऐसी घटनाएं होती हैं। उन्होंने बताया कि पुलवामा हमले में भी आर्तकियों ने उसी बस को निशाना बनाया जो बूलेट प्रूफ नहीं थी। उन्होंने कहा कि धरना-प्रदर्शन जैसे कार्यक्रमों में भी कोई न कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद रहता है, जबकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन पिक पर है और ऐसे समय में घटनास्थल पर कोई भी सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। जबकि एक सप्ताह के बाद ही पहलगाम अमरनाथ यात्रा को लेकर बेस कैंप बनाया जाएगा। ऐसे कई सवाल हैं जो देशवासियों के मन में कौंध रहे हैं।

हुसैनाबाद कैंप कार्यालय में 70 से अधिक आवेदन आए, उपायुक्त ने सुनी फरियाद

पलामू(**एजेंसी**)। जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय भवन में गुरूवार को जिला स्तरीय कैंप कार्यालय लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनी गई। उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मियों ने आमलोगों की समस्यायों को सुना और उसका निदान किया। कैंप कार्यालय को लेकर अनुमंडल कार्यालय भवन में चहल-पहल रही। समस्या समाधान को लेकर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

समस्याओं को लेकर 70 से अधिक आमलोगों ने उपायुक्त शशि रंजन से सीधा मुलाकात की। उपायुक्त ने भी पूरी गंभीरता से उनकी समस्याओं को सुना। समस्या से संबंधित उनके आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को स्थानांतरित किया और प्राथमिकता के

तहत समाधान का निदेश दिया। कई मामलों में अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर स्थल का भौतिक सत्यापन कर आवेदकों को यथोचित लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। कैंप कार्यालय में हुसैनाबाद लंबी गली निवासी दिव्यांग प्रह्लाद ठाकुर ने उपायुक्त के समक्ष बैटरी वाली गाड़ी उपलब्ध कराने की मांग की। उपायुक्त ने जिला में गाड़ी की उपलब्धता के बाद उन्हें प्राथमिकता के तहत उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हैदरनगर निवासी रजी अहमद खॉ ने सरकारी भूमि की बंदोबस्ती से संबंधित आवेदन दिया। उपायुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को जांच का आदेश दिया। पुणार्डीह के सरोज राम ने पूर्वजों की ओर से बंटवारा की गयी भूमि को जबरन हड़पने का प्रयास करने से संबंधित समस्याओं को रखा। अनिका कुमारी ने बेदौलिया आंगनबाड़ी केंद्र के लिए सेविका चयन को रद्द करने संबंधी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखी।

अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से पहुंचे 70 से अधिक लोगों ने सीधा उपायुक्त के समक्ष अपनी समस्याएं रखी और उससे संबंधित आवेदन दिए। इन सभी पर गंभीरता दिखाते हुए उपायुक्त ने उनकी समस्याएं दूर करने की पहल की।

उपायुक्त के कैंप कार्यालय में जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों से जुड़े प्राप्त आवेदनों के आलोक में कई मामलों का त्वरित निष्पादन करते हुए संबंधित व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। कैंप कार्यालय के तहत लोगों की समस्या सुनते हुए विभिन्न सेवाओं का लाभ लोगों को दिया गया। कैंप कार्यालय के माध्यम से मुख्य रूप से परियोजनाओं एवं योजनाओं की भूमि चिन्हित, हस्तकत एवं विवाद समाधान किया गया। वहीं वन भूमि के बदले अन्य भूमि-सरकारी भूमि स्थानांतरण, बिजली बिल माफी संबंधी शिकायतों का समाधान, पेयजल समस्याओं का निराकरण किया गया।

पहलगाम में हुए हमले के विरोध में मैथन के दुकानदारों ने निकाला कैंडल मार्च

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मैथन : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में घूमने गए हिंदू पर्यटकों पर आतंकवादियों के द्वारा धर्म पूछ कर किए गए कायराना हमले के विरोध में गुरुवार को संध्या पुराना बाजार कमेटी के सदस्यों ने मैथन स्थित पुराना बाजार एरिया नंबर 4 से मैथन टेंपो स्टैंड के रस्ते पुराना बाजार स्थित महावीर मंदिर तक कैंडल मार्च निकाला.

इस दौरान लोगों में आतंकवादियों एवं पाकिस्तान के प्रति काफी गुस्सा दिखा. लोग इस तरह के घटना में सामिल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने एवं कश्मीर से आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के लिए सरकार द्वारा कारगर कदम उठाने के लिए आह्वान किया गया. कैंडल मार्च में विपिन शर्मा,विकास अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, मनजीत सिंह, विश्वनाथ प्रसाद, अमित कुमार, नटवर विश्वकर्मा, बच्चन ठाकुर, जीतू विश्वकर्मा, प्रमोद झा, उदय कुमार , सत्या यादव सहित पुराना बाजार कमेटी से जुड़े दर्जनों सदस्य शामिल हुए.

आम लोगों की समस्याओं का ससमय निष्पादन करें कर्मचारी : सीओ बलियापुर

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : अंचल कार्यालय बलियापुर में सभी अंचलकर्मियों के साथ साप्ताहिक बैठक में अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने सभी अंचल कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी अपने-अपने कार्यों को सही तरीके से निर्वहन करें. क्योंकि आए दिन देखा जा रहा है कि अंचल कर्मी ससमय कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं,जिस कारण से आम लोगों की समस्याओं का समाधान ससमय नहीं हो पाता है और लोग परेशान रहते है.बैठक में लंबित नामांतरण वाद, लोक शिकायत, जमीन मापी के मामलों के साथ-साथ न्यायालय में लंबित मामलों की समीक्षा की गई. सेवा के अधिकार अधिनियम का सख्ती से पालन करने का निर्देश

दिया. एक हल्का कर्मचारी को एक ही दिन में किया पांच स्पष्टीकरण

ज्ञात हो कि अंचल के एक हल्का कर्मचारी को एक ही दिन में अलग-अलग कार्यों में रुचि न दिखाने एवं ससमय लोगों की समस्याओं का निष्पादन नहीं करने के कारण अंचल अधिकारी के द्वारा पांच मामलों में स्पष्टीकरण किया गया है. अंचल अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। ज्ञात हो कि अंचल कर्मी मनमाने समय में कार्यालय आते हैं एवं मनमाने समय में क्षेत्र भ्रमण करते हैं, जो सही नहीं है. इसीलिए सभी कर्मियों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि सभी कर्मी ससमय कार्यालय आएंगे और अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन करेंगे.

रांची पुलिस ने एक वर्ष में 32.55 करोड़ की ड्रग्स की बरामद

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । नशे के कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 32.55 करोड़ का नशीला पदार्थ बरामद किया है। साथ ही मामले में एनडीपनीएस एक्ट के तहत 255 लोगों पर मामला दर्ज कर इसमें शामिल 280 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई 2024 से 2025 के अप्रैल महीने के दौरान हुई है।

डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस मादक पदार्थों के खरीद बिक्री और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर रही है। इस कारोबार में संलिप्त अपराधकर्मियों को चिह्नित किया

गया है। रांची पुलिस ने अब तक जो मादक पदार्थ बरामद किये हैं, उनमें ब्राउन शुगर, गांजा, अफीम डोडा, हेरोइन, मार्फिन, ऑनेरेक्स कफ सिरप, मादक कैप्सूल सहित अन्य शामिल है। रांची पुलिस ने 6843.7 एकड़ में लगी अफीम की खेती को भी नष्ट किया है। साथ ही सीसीए के तहत एक अपराधी के खिलाफ जिला बदर और पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत पांच अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। इसके अलावा 30 अपराधियों को दागी और 58 अपराधियों के खिलाफ गुंडा पंजी में नाम दर्ज किये गये हैं। डीआईजी ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सकूल कॉलेजों में जागरुकता अभियान भी चलाया गया है।

गर्मी में झल्लाएंगे नागरिक, लेकिन ट्रैफिक जवान ना खोए संयम : एसपी

रामगढ़ (**एजेंसी**)। बढ़ती गर्मी के कारण लोगों की परेशानियां बढ़ने वाली है। लेकिन ऐसे माहौल में भी पुलिस सड़क पर मुस्तैदी से डटी है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने गर्मी के इस मौसम में ट्रैफिक जवानों को कूल रखने के लिए बड़ा अनोखा तरीका निकाला है। उन्होंने ट्रैफिक जवानों को टोपी, छाता, गमछा और गॉगल्स उपलब्ध कराया, ताकि वे भरी दुपहरी में भी कूल रहे और संयम ना खोए। गुरुवार को कोर्ट मोड़ के पास एसपी अजय कुमार खुद पहुंचे और ट्रैफिक जवानों से मिले। उन्होंने कहा कि जिस तरह मौसम का पारा चढ़ रहा है, धूप में आम नागरिकों में भी झल्लाहट हो सकती है। क्योंकि पुलिस हेलमेट और वाहनों के जांच के नाम पर उन्हें रोकेगी। नागरिक चिल्ला सकते हैं और हंगामा भी मचा सकते हैं। लेकिन किसी भी जवान को नागरिकों के साथ बदसलूकी नहीं करनी है। जवान तभी संयमित रह पाएंगे, जब वह इस गर्मी में खुद को बचा पाएंगे। एसपी अजय कुमार ने ट्रैफिक जवानों को बताया कि आप संयम में रहकर कार्रवाई करें। अगर इस दौरान किसी भी व्यक्ति के द्वारा आपके साथ बदसलूकी की जाती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जरूर होगी। सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ित को अविलम्ब प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में पहुंचाये, आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें, बूढ़े, बुजुर्ग, बच्चों एवं असहाय व्यक्ति जिनको किसी भी प्रकार की समस्या हो उनकी हर संभव सहयोग करने का प्रयास करें। एसपी ने रामगढ़ की जनता से अपील कर कहा है कि वह हेलमेट और दस्तावेजों के साथ ही गाड़ी निकालें। वाहन चलाते समय हेलमेट, ड्राईविंग लाईसेंस, ऑनर बुक, सीट बेल्ट आदि यातायात नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करें । अभिभावक अपने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमती ना दें ।

चिरकुंडा में युवा राजद ने पहलगाम की घटना पर जताया शोक, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

युवा राजद जिलाध्यक्ष ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आगामी 4 मई को होगी सेमिनार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : चिरकुंडा नेहरू रोड स्थित सेलिब्रेशन हॉल में युवा राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पहलगाम आतंकी हमले की घोर निंदा करते हुए निर्दोष लोगों की गई जान के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया.साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया. तत्पश्चात बताया गया कि युवा राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा 4 मई को युवाओं का कार्यशाला चिरकुंडा सेलिब्रेशन हॉल में लगाया जा रहा है.

युवा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि इस

कार्यशाला से राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकताओं का सेमिनार होगा, साथ ही संगठन का भी विस्तार की जाएगी. कार्यशाला क्षेत्र में संगठन को मजबूती देगा और आने वाले समय में संगठन और भी व्यापक रूप लेकर के पूरे धनबाद जिला में उभरने का काम करेगा. प्रदेश कमेटी की एक टीम ने सेलिब्रेशन हाल चिरकुंडा आकर के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर कार्यक्रम का जायजा लिया. इस कार्यशाला से राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकताओं में काफी उत्साह है. इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ने का काम करेंगे. प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 4 मई को अपने पूर्व राजद के झारखंड प्रभारी जयप्रकाश यादव के साथ-साथ झारखंड के श्रम एवं नियोजन और उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव और देवघर विधायक सुरेश पासवान के साथ ही युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव अपने पूरे टीम के साथ चिरकुंडा में उपस्थित रहेंगे.इस मौके पर राजद के पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रदेव प्रसाद यादव, प्रदेश प्रधान महासचिव सुनीता सिंह श्रम प्रकोष्ठ, प्रदेश प्रधान महासचिव अनुसूचित जाति नवल किशोर पासवान, प्रकाश चंद्रवंशी युवा जिला उपाध्यक्ष, उपेंद्र यादव, नगर अध्यक्ष, बिट्टू साव, युवा नगर अध्यक्ष बबलू शर्मा, युवा जिला मीडिया प्रभारी दीपक सिंह युवा जिला सचिव, लाला गिरी, युवा जिला कोषाध्यक्ष, एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष गोविंद प्रसाद, मो. नौशाद अख्तर, सुनील रजक, मो. गुलजार अंसारी, लक्ष्मण यादव, अजीत वर्मा, हरप्रीत सिंह, देवेंद्र यादव आदि कार्यकर्ता करता उपस्थित थे.

जन जागरूकता से मलेरिया की रोकथाम संभव : सिविल सर्जन

सदर सीएचसी से सिविल सर्जन कार्यालय तक निकाली जाएगी जागरूकता रैली

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : जन जागरूकता व जन सहयोग से मलेरिया की रोकथाम संभव है। मलेरिया की रोकथाम एवं उसके बचाव के लिए अपने आसपास पानी को जमा न होने दें। जमे हुए पानी में कीटनाशक, जला हुआ मोबिल, केरोसिन तेल डालें। जिससे मच्छर प्रजनन न कर सके। पानी की टंकी को ढक कर रखें। फ्रिज, कूलर, फूलदानी व अन्य बर्तनों का पानी सप्ताह में एक दिन अवश्य सुखा लें। घरों के अंदर कीटनाशक का छिड़काव करें एवं मच्छरदानी का प्रयोग करें।उपरोक्त बातें सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानू प्रतापन ने विश्व मलेरिया दिवस को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में

आयोजित प्रेस वार्ता में कहीं।उन्होंने कहा कि 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस दिन मलेरिया को नियंत्रित करने, उसके उन्मूलन के वैश्विक प्रयास के बारे में और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए इसका आयोजन किया जाता है।उन्होंने कहा कि कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है। छोटे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं में इस रोग के प्रति प्रतिकार क्षमता अत्यंत कम होती है। इसके कारण माता मृत्यु, मृत शिशुओं का जन्म, नवजात शिशुओं का वजन अत्यधिक कम होना एक प्रमुख समस्या है। इसे रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व मलेरिया की जांच अनिवार्य की गई है।उन्होंने बताया कि ठंड के साथ बुखार आना, उल्टी होना या उल्टी जैसा लगना, शरीर में ऐठन एवं दर्द, सिर दर्द, चक्कर आना तथा थोड़ी देर में पसीने के साथ बुखार आना मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। ऐसा होने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लेना हितकारक है।उन्होंने कहा कि मलेरिया की जांच एवं उपचार की सुविधा प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्वास्थ्य कर्मियों (सहिया, एम.पी.डब्लू., ए.एन.एम.) के पास निःशुल्क उपलब्ध है। गम्भीर मलेरिया के रोगियों की जांच एवं पूर्ण उपचार की सुविधा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सदर अस्पताल एवं एसएनएमएमसीएच में उपलब्ध है।सिविल सर्जन ने बताया कि 25 अप्रैल, विश्व मलेरिया दिवस के अवसर, सुबह 9:30 बजे सदर सीएचसी से सिविल सर्जन कार्यालय तक जन जागरूकता रैली निकाली जाएगी। इसमें सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाहन कर मलेरिया को नियंत्रित व रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानू प्रतापन, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार, जिला मलेरिया सलाहकार रमेश कुमार सिंह, मलेरिया इंस्पेक्टरउत्तम कुमार सिन्हा मौजूद थे.

पंचायतों के सशक्त होने से गांवों का होगा विकास : उपायुक्त

खूंटी(**एजेंसी**) । राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर गुरुवार को समाहरणालय खूंटी के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त लोकेश मिश्रा शामिल हुए। कार्यक्रम में उपायुक्त ने सभी को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं दी और पंचायती राज व्यवस्था को लोकतंत्र की नींव बताते हुए इसके सशक्तीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाती हैं और इनके सशक्त होने से ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को लेकर सम्मानित किया गया।

रनिया प्रखंड की प्रमुख नेली डहंगा, रनिया प्रखंड की बनई पंचायत की मुखिया वरदानी कंडुलना तथा कर्रा प्रखंड के जरिया पंचायत सहायक राहुल कुमार को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने पंचायती राज विभाग के सभी सदस्यों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, जिला पंचायत राज पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक, डिस्ट्रिक्ट को ऑर्डिनेटर, पंचायत सहायक सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अप्रैल के अंतिम तिथि तक मई माह का शत प्रतिशत होगा पीडीएस अनाज का उठाव

डीएम के दिये गए निर्देश पर एसएफसी ने अनाज उठाव की कार्रवाई तेज

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गयाः जिले में पीडीएस लाभुकों को सरकारी स्तर पर मिलने वाले अनाज की सुविधा को सही समय पर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन हर सम्भव तैयारी कर रही है। निर्धारित तौल मात्रा में ही अनाज देने का निर्देश पीडीएस डीलरों को दिया गया है। इसी के तहत अप्रैल के अंतिम तिथि तक मई माह का शत प्रतिशत पीडीएस अनाज का उठाव सुनिश्चित कराने के लिए

डीएम डॉ त्यागराजन एसएम ने निर्देश दिया है। निर्देश के आलोक में एसएफसी ने अनाज उठाव की कार्रवाई तेज की है और 20 अप्रैल से मई माह का अनाज का उठाव प्रारम्भ कर दिया गया है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि जिले में मई माह में करीब 1 लाख 37 हजार क्विंटल चावल व 35 हजार क्विंटल गेहूं का उठाव किया जाना है।

पीडीएस लाभुकों को समय पर और सही मात्रा में अनाज की सुविधा उपलब्ध कराने का सख्त फरमान डीएम ने जारी किया है। एसएफसी के जिला प्रबन्धक राजीव कुमार सिंह ने अनाज उठाव से सम्बंधित समीक्षा बैठक में एसएफसी के सहायक प्रबन्धको को निर्देश दिया कि समय पर गोदामो से डोर स्टेप डिलीवरी के माध्यम से पीडीएस दुकानों तक अनाज पहुंचवाने कार्य करेंगे। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अनाज की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान रखा जाय। एसएफसी के जिला प्रबन्धक के नेतृत्व में गोदामो का भी भौतिक सत्यापन किया गया।

आतंकी हमले और निर्दोष पर्यटकों के हत्या के विरोध में अधिवक्ताओं ने काला बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

अररिया,(एजेंसी) : फारबिसगंज सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने गुरुवार को कोर्ट परिसर में एक शोकसभा का आयोजन किया, जिसमें बार एसोसिएशन एवं एडवोकेट एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने कश्मीर के पहलगाम के बेसरन घाटी में आतंकी हमले का शिकार निर्दोष पर्यटकों के हत्या के विरोध में कैंडल जलाकर विरोध दर्ज कराया।

अधिवक्ताओं ने कहा कि निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा हत्या किया जाना बेहद निंदनीय है। यह केवल मानवता पर ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा पर आघात है। आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

वकीलों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक यूएई और एक नेपाल का पर्यटक और दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं।मौके पर बड़ी संख्या में वकील मौजूद थे।अध्यक्षता फारबिसगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की।

महायज्ञ समाज में शांति बहाली व ज्ञान के प्रचार का सबसे बड़ा माध्यम: विवेक ठाकुर

नवादा, (एजेंसी) : नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने कहा है कि महायज्ञ समाज में शांति बहाली तथा ज्ञान के प्रचार का सबसे बड़ा माध्यम है, जिसके लिए आयोजनकर्ता बधाई के पात्र हैं ।वे गुरुवार को रोह प्रखंड के कोशी गांव में आयोजित 1008 श्री शतचंडी यज्ञ में शामिल होकर पूजा अर्चना के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्र नवादा के गोविंदपुर विधानसभा अंतर्गत रोह के ग्राम कोशी में आयोजित श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ में शामिल होकर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करने का अवसर मेरा परम सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठानों से समाज में संस्कार पैदा होते हैं ,जिससे समाज के युवा तथा बच्चे के भीतर बेहतर सोच विकसित होगा ।तभी हमारा देश भारत एक बार फिर से विश्व का धर्म गुरु बनेगा ।उन्होंने नवादा के विकास के लिए भी बेहतर तथा धार्मिक भावनाओं का प्रचार प्रसार को जरूर बताया ।सांसद विवेक ठाकुर के महायज्ञ में पहुंचने पर हवन कुंड में हवन कराये जाने के साथ ही यज्ञ के प्रवचनकताओं ने उनका स्वागत कर उन्हें वेद मंत्र उच्चारण कराया ।इस अवसर पर आयोजन कताओं के साथही भारतीय जनता पार्टी के नेता रणजीत यादव ,अजीत यादव सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे ।इस महायज्ञ के बाद सांसद विवेक ठाकुर नेमदारगंज तथा अमवा गांव में भी ग्रामीणों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चुंन्नू,महामंत्री नंदकिशोर चौरसिया ,पैक्स अध्यक्ष पिंटू कुमार आदि उपस्थित थे।

गांजा के साथ सैफ जवान रामबालक सिंह गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, (एजेंसी) : जिले के हरसिद्धि थाना में 112 पर तैनात सैफ जवान के अर्धनिर्मित आवास से गांजा बरामद किया गया है। हरसिद्धि थाना में तैनात सैफ जवान को गलत आचरण को लेकर सेवा से हटाया गया था व एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर सैफ जवान पर निगरानी रखी गई थी। इस दौरान सैफ जवान रामबालक सिंह पर मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना मिली थी, जिसके बाद एसपी के निर्देश पर रक्सौल पुलिस व रामगढ़वा पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर रक्सौल स्थित गांधीनगर स्थित रामबालक सिंह के आवास पर छापेमारी कर आवास से 8 किलो 664 ग्राम गांजा के साथ सैफ जवान रामबालक सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान सभी प्रकिया को नियम के अनुसार दंडाधिकारी रवि कुमारी की उपस्थित में संपन्न कराया गया। एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार ने बताया कि रामबालक सिंह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त है और बिहार पुलिस ने डायल 112 के चालक के रूप में काम करता था। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बंधुबरवा निवासी रामबालक सिंह रक्सौल के गांधी नगर में एक अर्धनिर्मित मकान में गांजा को स्टॉक किया था।

टनकुप्पा में दून व गुरपा में जम्मूतवी का होगा ठहराव

गया-धनबाद ग्रैंडकार्ड सेक्शन संघर्ष समिति की मांग पर मंत्री जीतनराम मांझी की रही पहल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : धनबाद रेल मंडल के गया-कोडरमा रेल सेक्शन के टनकुप्पा और गुरपा स्टेशन(गया जिला क्षेत्र) पर कोरोना काल से बंद रहे 13010/13009 दून एक्सप्रेस तथा 13251/13152 जम्मूतवी एक्सप्रेस का जल्द ठहराव होगा। इन ट्रेनों का पुनः ठहराव के लिए रेलवे बोर्ड ने केंद्रीय मंत्री सह गया के सांसद जीतनराम मांझी को सूचना उपलब्ध कराया। कोरोना के कारण टनकुप्पा में हावड़ा देहरादून ट्रेन का ठहराव बंद कर दिया गया था लेकिन अब इसकी स्वीकृति मिलने की बात कही गई है। गया- धनबाद ग्रैंडकार्ड पैसेंजर्स संघर्ष समिति के अध्यक्ष नंदलाल मांझी ने बताया कि इन ट्रेनों का पुनः ठहराव की मांग पर केंद्रीय मंत्री सह गया सांसद जितना मांझी ने लगातार पहल किया। इसका परिणाम रहा कि यह ट्रेन का खराब सुनिश्चित किया गया

है। इन दोनों ट्रेनों का ठहराव बंद हो जाने के कारण काफी दिक्कत हो रही थी। टनकुप्पा में अंडर पास और हावड़ा देहरादून ट्रेन का ठहराव की मांग पूरी हुई।उन्होंने बताया कि गया के सांसद और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के प्रयासों से यह संभव हो पाया है। जल्द ही जीतन राम मांझी हरी झंडी दिखाकर ट्रेन का परिचालन शुरू करेंगे।इस अवसर पर, संघर्ष समिति के सदस्यों ने जीतन राम मांझी को धन्यवाद दिया है। नंदलाल मांझी ने कहा कि जीतन राम मांझी काम करने वाले नेता हैं और आगे भी जनहित का कार्य पूरा किया जाता रहेगा।संघर्ष समिति के संयोजक विजय यादव,सह संयोजक विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष झलक सिंह, राजकुमार साव,मनोज यादव,मो रिजवान ,कपिल यादव मोहम्मद फिरोज ,मोहम्मद इस्लाम आदि संघर्ष समिति के सदस्यों की ओर से जीतन राम मांझी को धन्यवाद दिया गया है।

सहरसा लोकमान्य तिलक टर्मिनल्स मुंबई अमृत भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ

सहरसा, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में रेल नेटवर्किंग के क्षेत्र में एक नई उड़ान भरी,जिसके अंतर्गत सहरसा लोकमान्य तिलक टर्मिनल्स मुंबई के लिए अमृत भारत रेल सेवा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। सहरसा जंक्शन पर मधुबनी में पंचायती राज दिवस कार्यक्रम पर वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच अमृत भारत ट्रेन का उद्घाटन किया। साथ ही अलौली से खगड़िया के रास्ते सहरसा और सुपौल के रास्ते सहरसा तक दो और नई ट्रेनों का उद्घाटन कर कोशी क्षेत्र को नई सौगात दी। ये ट्रेन बिहार की दूसरी और देश की तीसरी अमृत भारत ट्रेन हुई जो उस बदलाव की गति को और तेज करेगी, जिसकी मांग यहां के लोगों को लंबे समय से थी।जो बिहार की सांस्कृतिक राजधानी मिथिला और कोसी को भारत की आर्थिक राजधानी से जोड़ेगी। अमृत भारत ट्रेन परिचालन कोशी और मुंबई के लोगों को सिर्फ संवेदना ही नहीं बल्कि दो दिलों को भी जोड़ेंगे। सहरसा से लोकमान्य तिलक के लिए अमृत भारत ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 2 से रवाना हुई।प्रधानमंत्री ने मधुबनी से वर्चुअल तरीके से 12:.24 पर अमृत भारत ट्रेन का उद्घाटन किया।ट्रेन उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दिनेश चंद्र यादव भी मौजूद रहे।उन्होंने कहा कि कोसी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार होने से स्थानीय लोगों को काफी सहूलियत होगी। सहरसा से मुंबई कोलकाता दिल्ली जैसे महानगरों से सीधा संपर्क हो चुका है। आने वाले दिनों में देश के सभी महानगरों से सहरसा का सीधा संपर्क होगा। उन्होंने कहा कि कोसी प्रमंडल के अंतर्गत सभी समपार फाटक पर आर ओ बी का निर्माण किया जाएगा।अब तक 11 से अधिक आरोबी बनाने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अलौली एवं पिपरा से ट्रेन सेवा शुरू होने पर इस क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। कार्यक्रम में सहरसा को एक साथ 3 नई ट्रेनों की सौगात मिली।जिसमें सहरसा से लोकमान्य तिलक अमृत भारत ट्रेन,अलौली से खगड़िया के रास्ते सहरसा पैसेंजर ट्रेन,पिपरा से सुपौल के रास्ते सहरसा नई पैसेंजर ट्रेन चलाई जाएगी।इस ट्रेन के परिचालन में लोको पायलट पिंकू चौधरी, सहायक लोको पायलट कविराज के अलावा ट्रेन मैनेजर राजेश कुमार सिंह,गार्ड राजन सिन्हा सहरसा से मुजफ्फरपुर तक शामिल हुए।इस अमृत भारत ट्रेन में आगे पीछे दोनों और इंजन होने के कारण दो लोको पायलट और दो सहायक लोको पायलट ट्रेन में तैनात किए गए।

आशा कार्यकताओं ने मांगों को लेकर पीएचसी में किया प्रदर्शन

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को आशा कार्यकताओं ने वेतनमान सहित पांच सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।शांतिपूर्ण सत्याग्रह के तहत आशा कार्यकताओं ने यह प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मांगें पूरी नहीं होने पर स्वास्थ्य सेवाओं को ठप करने के साथ ही अनिश्चितकालीन आंदोलन करने का अल्टीमेटम भी प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शनकारियों ने दिया। धरना-प्रदर्शन को राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रधान महासचिव ई.आयुष अग्रवाल ने भी अपना समर्थन दिया।

मौके पर आशा कार्यकताओं ने कहा मानदेय की मांग को लेकर यह धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम है। पिछले कई साल से मानदेय की मांग की जा रही है,लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है।ऐसे में अब आर पार की लड़ाई के मूड में आशा कार्यकर्ता हैं।प्रदर्शनकारी आशा कार्यकताओं ने बताया कि वेतनमान सहित 5 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे है।आयुष्मान कार्ड व आभा कार्ड बनाने के निर्देश का बहिष्कार करते हैं।सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो निश्चित तौर पर आंदोलन को और धारदार करेंगे।

आशा कार्यकताओं ने बताया कि उन लोगों पर जबरन आयुष्मान कार्ड और आभा कार्ड बनवाने के लिए दबाव दिया जा रहा है।जिसे वह लोग कर पाने में असमर्थ हैं महज 5 रुपए प्रति कार्ड का प्रलोभन देकर सरकार आशा से जबरन कार्य करवाना चाहती है।

मोदी ने बिथान-समस्तीपुर रेल सेवा को दिखाई हरी झंडी, आजादी के बाद पहली बार रेल सेवा की शुरूआत

रेल सेवा शुरू होने से मिथिलांचल में भरेगा विकास रफ्तार

पटना/मधुबनी, (एजेंसी) :प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मधुबनी से बिथान-समस्तीपुर के बीच रेल सेवा को आज (गुरुवार) हरी झंडी दिखायी। आजादी के बाद पहली बार बिथान से ट्रेन सेवा की शुरूआत हुई है। इससे इलाके में जश्न का महौल है। उधर रेल लाइन के शुरू होने से मिथिलांचल में विकास रफ्तार भरेगा।

बिथान में आवागमन की सुविधा सुलभ नहीं होने के कारण इस इलाके के लोगों को बाढ़ के दौरान हसनपुर आने के लिए नाव ही एक मात्र सहारा था।

हसनपुर-सकरी के बीच 79 किलोमीटर रेल परियोजना पर पिछले 50 साल से काम चल रहा है। हाल ही में रेलवे ने पक्षी विहार के कारण 50वें साल में जाकर कुशेश्वर पक्षी विहार के पास रेलवे लाइन का रूट बदल दिया है।

हसनपुर से बिथान करीब 11 किलोमीटर रेल लाइन पिछले वर्ष ही बन कर तैयार हो गया था। सीआरएस ने निरीक्षण के दौरान ट्रेन चलाने की अनुमती भी प्रदान कर दी थी। लेकिन ट्रेन सेवा शुरू नहीं हो पाई थी।

बीथान-हसनपुर रेलवे लाइन की वर्ष 1951 में योजना के लिए जांच की गई थी। वर्ष 1953 में रेलवे बोर्ड ने कहा कि बाढ़ के इलाके में यह संभव नहीं हो सकेगा। वर्ष 1972 में तत्कालीन रेलमंत्री ललित नारायण मिश्रा ने सर्वे की घोषणा की थी। इसी बीच समस्तीपुर स्टेशन पर बम विस्फोट में ललित बाबू की हत्या हो गई। इसके बाद इस योजना की फाइल बंद कर दी गई। वर्ष 1997 में रेल मंत्री रहे रामविलास पासवान ने इस योजना को मिथिलांचल के विकास के लिये जरूरी बताते हुए पुनः फाइल खोली और फंड उपलब्ध कराकर शिलान्यास भी किया।

इस इलाके में रेलवे लाइन के बनने से आवागमन सुलभ होने से विकास की गति तेज होगी। चूंकि यह इलाका बाढ़ प्रभावित है। साल में छह महीना इस इलाके के लोग बाढ़ की पीड़ा झेलते हैं। लोगों के आवागमन की सुविधा सिर्फ नाव से ही रहती है। उधर रामविलास पासवान के रेल मंत्री से हटते ही कई वर्षों तक इस योजना को राशि नहीं मिली।

लालू प्रसाद के रेल मंत्री बनने पर इस योजना को फंड मिलना शुरू हुआ। लेकिन दिसंबर 2008 में दरभंगा के तत्कालीन डीएफओ दीगंबर ठाकुर द्वारा कुशेश्वर स्थान पक्षी विहार के पास रेलवे लाइन के निर्माण पर रोक लगा दी गई।

इस योजना के पूरा होने पर मिथिलांचल के इस इलाके में विकास के द्वारा खुलेंगे। वहीं कोसी व मिथिलांचल की दूरी घट जाएगी। रेलवे लाइन से समस्तीपुर के अलावा खगड़िया व दरभंगा के लोगों को लाभ मिलेगा। उधर दक्षिण बिहार के लोगों को मिथिलांचल में आना आसान होगा।

बिहार के अलौली में पहली बार ट्रेन दौड़ी, प्रधानमंत्री ने दिखायी हरी झंडी

तत्कालीन रेल मंत्री रामविलास पासवान का सपना 26 साल बाद हुआ पूरा

पटना/मधुबनी, (एजेंसी) : बिहार के खगड़िया जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिग्गज नेता स्व. रामविलास पासवान के गृह क्षेत्र खगड़िया के अलौली में पहली बार ट्रेन दौड़ने लगी। इस बहुप्रतीक्षित रेल सेवा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाकर किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल गुरुवार को मधुबनी से खगड़िया-अलौली रेलखंड का लोकार्पण किया। जिसके बाद स्पेशन ट्रेन अलौली स्टेशन से सहरसा के लिए रवाना की गई। तत्कालीन रेल मंत्री रामविलास पासवान ने 1998 में खगड़िया-कुशेश्वर रेलखंड की परियोजना की मंजूरी दी थी। इसी परियोजना के तहत खगड़िया-अलौली रेलखंड के बीच आज ट्रेन का परिचालन शुरू हुआ। हालांकि खगड़िया-कुशेश्वर के बीच 44 किलोमीटर लंबा रेलखंड बनना है, लेकिन अभी केवल 18 किलोमीटर तक ही काम पूरा हो पाया है। इधर इस ट्रेन के परिचालन शुरू होने से स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

रेल कनेक्टिविटी की यह सुविधा न केवल यातायात की दृष्टि से बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा परिवर्तन साबित हो रही है। स्थानीय लोगों में इस ऐतिहासिक पल को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। रामविलास पासवान के समर्थकों और ग्रामीणों के लिए यह एक सपने के सच होने जैसा है। इस रेल सेवा की शुरूआत से शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे। खासकर युवा वर्ग के लिए यह रेल लाइन एक नई उम्मीद लेकर आई है। यह कदम क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा और खगड़िया को देश के अन्य हिस्सों से बेहतर ढंग से जोड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि 26 साल पूर्व यानी 1998 में तत्कालीन रेल मंत्री रामविलास पासवान ने खगड़िया- कुशेश्वर रेल परियोजना की मंजूरी दिए थे। जो 26 साल बाद साकार हुआ है। हालांकि इस परियोजना के तहत खगड़िया से कुशेश्वर के बीच 44 किलोमीटर तक रेल ट्रैक बनना है। लेकिन अभी केवल 18 किलोमीटर तक का ही काम पूरा हुआ है। आज से अलौली से सहरसा के बीच ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया। इधर ट्रेन परिचालन शुरू होने की खबर से अलौली में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ट्रेन चालू होने से आवागमन में काफी सुविधा होगी।

युवक ने की आत्महत्या, प्रेम प्रसंग में आत्महत्या करने की आशंका

भागलपुर, (एजेंसी) : जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र स्थित एक निजी लॉज में ठहरे युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष है। वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला बताया जा रहा है। वह बीते कुछ समय से भागलपुर में जलेबी का ठेला लगाया करता था। गुरुवार सुबह जब घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को हुई तो लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जा रहा है कि युवक के आत्महत्या किए जाने से पहले एक युवती मिलने लॉज में आई थी। लॉज मालिक ने बताया कि यह युवती बीते तीन दिनों में चार बार युवक से मिलने आ चुकी थी। युवती शाहकुंड क्षेत्र की निवासी है। पुलिस इस मामले में प्रेम प्रसंग की आशंका जता रही है। हालांकि अभी तक आत्महत्या के पीछे की वजह को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं मिले हैं। लॉज मालिक का भी कहना है कि दोनों के बीच नजदीकी संबंध थे।

ललमटिया थाना की पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतक की पूर्ण पहचान की जा रही है और युवती से भी पूछताछ की तैयारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। घटना से इलाके में सनसनी का माहौल है।

पृष्ठ एक का शेष...

गर्मी को लेकर स्कूलों के समय ....

जारी आदेश में कहा गया है कि निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप आरटीआई अधिनियम और प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। यह आदेश 26अप्रैल से लागू होगा।

वहीं दूसरी ओर रांची जिले में बढ़ती गर्मी को देखते हुए रांची जिले के सभी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। नया समय 26 अप्रैल 2025 से सभी सरकारी, निजी और अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू होगा। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने गुरुवार को इससे संबंधित आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कक्षा केजी से कक्षा आठ तक सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक और कक्षा 9 से कक्षा 12 तक सुबह सात बजे से 12:00 बजे तक संचालित हो सकेंगे।

लातेहार में तीन इनामी नक्सलियों ने किया .....

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के द्वारा पिछले कुछ वर्षों से नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे छापेमारी अभियान से नक्सली संगठन काफी कमजोर हो गए हैं।

पुलिस के जरिये नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। इससे नक्सली भयभीत हैं। दूसरी और सरकार की ओर से जारी आत्म समर्पण नीति से भी नक्सली प्रभावित हो रहे हैं। सरकार के आत्म समर्पण नीति से प्रभावित होकर तीनों नक्सलियों ने लातेहार एसपी कुमार गौरव के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में एसपी ने तीनों नक्सलियों को माला बनाकर स्वागत किया और चेक प्रदान किया।

एसपी ने अन्य नक्सलियों से भी अपील किया है कि अभी भी समय है ,नक्सली आत्म समर्पण कर दें। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकारी प्रावधान के तहत कई प्रकार की सुविधा दी जाएगी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत, विधायक कल्पना और डीजीपी को लेकर.....

इस मामले में रामगढ़ में मामला दर्ज किया गया था, इसलिए रांची पुलिस ने युवक को रामगढ़ पुलिस को सौंप दिया।

राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई....

पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं या कफ सिरप देना कानूनन अपराध है, और इसे सख्ती से लागू किया जाए।

दवा दुकानों की नियमित जांच अनिवार्य

सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि वे नियमित रूप से दवा दुकानों का निरीक्षण करें, दवाओं की गुणवत्ता और स्टॉक की जांच करें। यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, लापरवाही बरतने वाले औषधि निरीक्षकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों को दिया गया निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री ने औषधि निरीक्षकों से उनके द्वारा अब तक की गई कार्रवाइयों, छापेमारी और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह के भीतर फिर से समीक्षा बैठक की जाएगी, जिसमें सभी अधिकारी अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होंगे।

राज्य में उपलब्ध दवाओं पर पूछी जानकारी

डॉ. अंसारी ने औषधि निदेशक रितु सहाय से यह जानकारी भी ली कि राज्य में किन-किन दवाओं की उपलब्धता है और उन पर सरकार का क्या नियंत्रण है। साथ ही, उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

नकली दवाओं के कारोबार पर सख्त कार्रवाई का आदेश

स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नकली दवाओं के सिंडिकेट की पहचान कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। इस अवैध धंधे पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

Page 5_Page 3.qxd 4/24/2025 10:46 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

बड़तल्ला पंचायत भवन में मनाया गया राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

काठीकुंड : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बड़तल्ला पंचायत भवन समेत सभी पंचायत भवनों में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पंचायत भवन पहुंचे विभिन्न गांव सें पहुंचे ग्रामीणों ने लाइव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना। मौके पर बड़तल्ला पंचायत भवन में प्रखंड पदाधिकारी नाजीर हेंब्रम, बड़तल्ला पंचायत मुखिया दूरबीन किस्कू, पंचायत सचिव प्रदीप दास, पंचायत रोजगारसेवक अनिल , प्रज्ञा केंद्र संचालक महफूज अली अंसारी, खुर्शीद आलम, सफीजुद्दीन अंसारी, समीम अंसारी समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

कंप्यूटर शिक्षा योजना के तहत सैकड़ों छात्रों ने नामांकन पत्र भरा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : नविन भारत एजुकेशन बेस ऑफ स्किल इंडिया एंड ट्रेनिंग काउंसिल द्वारा संचालित कंप्यूटर शिक्षा योजना के तहत न्यूनतम शुल्क पर अनिवार्य शिक्षा पाने के लिए सैकड़ों छात्रों ने नामांकन फॉर्म भरा है। हर उम्र के लोगों की इच्छा है कि कंप्यूटर सीखें ताकि बदलते दुनिया के साथ वह भी खुशहाल जीवन जी सके। नामांकन में उपस्थित छात्रों ने बताया कि हमलोगों ने सोचा भी नहीं था की हम कंप्यूटर शिक्षा ग्रहन कर पाएंगे। किन्तु संस्था के इस योजना के दौरान हमें कंप्यूटर चलाने का मौका मिला है। यहां कई महीने पहले हमलोगों ने अपना सीट बूकिंग कराया था और आखिरकार लंबे कतारों में लगने के बाद हमे नामांकन फॉर्म भरने का मौका मिला है। प्रबंधक दुर्गा शर्मा, अभय कुमार शर्मा ,अभिजीत कुमार शर्मा,अमित कुमार शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के आसपास व दूरदराज इलाके के गरीब एवं आर्थिक रुप से कमजोर छात्रों को न्यूनतम शुल्क पर कम्प्यूटर प्रशिक्षण उपलब्ध करने के उद्देश्य से संस्था को चलाया जा रहा है। सिर्फ मिहिजाम के ही छात्र नहीं बल्कि आसझपास के भी जगह जैसे जामताड़ा और नाला ,आसनसोल , चित्तरंजन,मधुपूर के भी छात्र कम्प्यूटर शिक्षा लेने आते हैं। गत वर्ष सीट की कमी रहने के कारणों से कई छात्रों को निराशा हाथ लगी थी। परंतु इस वर्ष एडवांस डीसीए जैसे नई कोर्स को बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है। मौके पर दुर्गा शर्मा, अमित कुमार, अभय कुमार, अभिजीत कुमार, आदित्य राज, सुकन्या कुमारी, पायल कुमारी, मनीषा चौहान, राजीव कुमार, अक्षय कुमार के अलावा काफी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद थे।

गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उपायुक्त ने किया स्कूलों के समय सारणी में बदलाव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : गर्मी के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा स्कूलों के समय सारणी में बदलाव का आदेश दिया गया है। उक्त निर्देश के आलोक में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुमुद सहाय द्वारा जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त,गैर सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में वर्ग केजी से कक्षा आठ की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं वर्ग 09 से वर्ग 12 तक की कक्षाएं सुबह 07:00 बजे से 12:00 मध्याह्न तक संचालित करने का निर्देश दिया गया है। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे।

पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति द्वारा विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक किया। जिसकी अध्यक्षता समिति के सभापति सह सारठ विधायक उदय शंकर सिंह ने की उन्होंने क्रमवार खनन विभाग, प्रदूषण बोर्ड, वन प्रमंडल, पथ निर्माण सहित कई विभागों एवं विभिन्न उद्योग प्रतिनिधियों पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण के दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी ली। समिति ने समीक्षा के क्रम में कहा कि जिले में संचालित औद्योगिक इकाईयों में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर तय मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सिविल सर्जन सभागार में मीडिया ब्रीफिंग का आयोजन

मीडिया ब्रीफिंग में मलेरिया से सुरक्षा, बचाव आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :विश्व मलेरिया दिवस का उद्देश्य जनसमुदाय को मलेरिया से सुरक्षा, बचाव के प्रति जागरूक करना एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनका व्यवहार परिवर्तन किया जाना है इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस का थीम मलेरिया एंड विथ यूज: सी रेइन्वेस्ट, रेइमेजिन, रेलग्निते है। इस थीम का उद्देशय मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में आवश्यक तथा तत्काल कार्रवाई के बारे में जागरूकता बढ़ाना है प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है।

इसी के निमित्त सिविल सर्जन सभागार में मीडिया ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। मीडिया ब्रीफिंग के जरिए विश्व मलेरिया दिवस के उद्देश्य, की गई तैयारियां, मलेरिया से सुरक्षा, बचाव आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिला परिषद सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2025 के अवसर पर जिला परिषद सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला में उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार, उपाध्यक्ष जिला परिषद फूल कुमारी देवी, विधायक प्रतिनिधि नाला परेश यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मी एवं अन्य उपस्थिति रहे। इस अवसर पर बिहार के मधुबनी जिला अंतर्गत लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सबने लाइव देखा एवं सुना।

आयोजित परिचर्चा में उप विकास आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि इस दिन को मनाने की शुरूआत 2010 में हुई थी। जबकि 73वां संविधान संशोधन 24 अप्रैल 1993 को लागू हुआ था। यह संशोधन पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देता है और ग्राम, ब्लॉक तथा जिला स्तर पर त्रिस्तरीय संरचना सुनिश्चित करता है। इस व्यवस्था के तहत महिलाओं, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को आरक्षण, नियमित चुनाव, वित्तीय स्वायत्तता और राज्य वित्त आयोग व चुनाव आयोग जैसी व्यवस्थाएं शामिल की गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था की नींव बलवंत राय मेहता ने रखी थी। उन्हें इस प्रणाली का जनक माना जाता है। उन्होंने त्रिस्तरीय व्यवस्था,ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद की परिकल्पना की थी, ताकि लोकतंत्र की जड़ें गांव तक मजबूत हों। भारत में 1992 में 73वां संविधान संशोधन लागू होने के बाद पंचायती राज संस्थाएं संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त हुईं।उक्त अवसर पर उप विकास आयुक्त ने सभी को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, श्रमदान करने, गंदगी न करने एवं अपने गावों एवं पंचायतों को स्वच्छ रखने के लिए सबों को शपथ दिलाया। इस मौके पर जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी कार्यालय कर्मी एवं अन्य उपस्थित रहे।

क्षत्रिय समाज ने मनाया वीर कुंवर सिंह की जयंती का विजय उत्सव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : क्षत्रिय समाज के महाराणा प्रताप चैरिटेबल ट्रस्ट मैथन द्वारा स्टेशन क्लब भवन में देशभक्त और देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महानायक देश की आजादी के लिए जान की आहुति देने वाले वीर कुंवर सिंह की जयंती विजय उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कश्मीर में निर्दोष सैलानियों पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को एवं समाज के सदस्य रितेश सिंह के निधन को लेकर शोक सभा का आयोजन किया गया। इसके लिए उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखा। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद झरिया से पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, जमुरिया के विधायक प्रतिनिधि प्रेम पाल सिंह,स्थानीय क्षत्रिय समाज के रुद्र प्रताप सिंह, क्षत्रिय समाज रूपनारायणपुर के राजेश कुमार सिंह, अविनाश सिंह,मुन्ना सिंह सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य महिला पुरुष भारी संख्या में मौजूद थे। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।उपस्थित जन समूह ने वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि क्षत्रियों का इतिहास रहा है कि समाज के लोगों को सुरक्षित सेवा प्रदान करना है। आज वक्त आ गया है। देश की जैसी स्थिति है कि देश के क्षत्रियों को अपने पौराणिक धर्म को निभाने के लिए अब जागना होगा। खुद के पुरुषार्थ को जागृत करना होगा। पहलगाम में हुए नरसंहार के मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह समस्त देश के लिए चिंता का विषय है। क्षत्रियों के वंशज प्रभु राम के जीवन चरित्र से हमें सीख लेना चाहिए कि उन्होंने मानव जगत के उत्थान और धर्म की रक्षा के लिए उचित समय पर उचित कदम उठाया। इसलिए उन्हें पूरी दुनिया मयार्दा पुरुषोत्तम के नाम से जानती है। इस मौके पर समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले समाज के बच्चों को सम्मानित भी किया गया।

विभागीय पदाधिकारी को ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में भू-अर्जन पथ,एनएचएआई रेलवे से संबंधित समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एनएचएआई के सभी परियोजना के लिए भू अर्जन की प्रक्रिया कार्य पूर्ण करते हुए सभी प्रकार के मुआवजा का भुगतान करें एवं निर्धारित समय सीमा में कार्य को पूर्ण करें। कहा कि प्राथमिकता के आधार योजनाओं के कार्य को पूर्ण करने का कार्य करें। भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाए जा रहे पथों के कार्य प्रगति समीक्षा में संबंधित विभागीय पदाधिकारी को स समय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। कई जगहों पर सड़क की मरामत्ती से संबंधित निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने रेलवे परियोजना अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारी को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस दौरान भू हस्तांतरण के मामले पर भी उचित निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भू अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

परीक्षा केन्द्र का उपायुक्त ने निरीक्षण किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय एवं मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय को एनटीए द्वारा आयोजित निट युजी परीक्षा केन्द्र का उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, डीएलओ ,जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं एनटीए सिटी कोर्डिनेटर उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में अधिष्ठापित सीसीटीवी, पेयजल,विद्युत, शौचालय एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं की जांच की गयी,साथ ही केन्द्राधीक्षक को निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में मोबाईल फोन परीक्षाकेन्द्र पर लाने की अनुमति नहीं दी जाये तथा परीक्षा के पूर्व एनटीए द्वारा परीक्षाकेन्द्र के लिए निर्गत गाईड लाईन के अनुरूप परीक्षा केन्द्र को दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

सीआईएसएफ जवान की हत्या से सनसनी

झारखंड-बंगाल सीमा पर डोमदाहा में खौफ का माहौल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के सालानपुर थाना क्षेत्र के डोमदाहा इलाके में बुधवार रात सीआईएसएफ के एक जवान की हत्या की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतक जवान मिहिजाम का निवासी था और ड्यूटी के दौरान वह डोमदाहा इलाके में तैनात था। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से पूरा क्षेत्र शोकाकुल है और आम लोगों के साथ सुरक्षा बलों में भी आक्रोश देखा जा रहा है।घटना की जानकारी मिलते ही मचा हड़कंप।बुधवार देर रात जब यह खबर फैली कि मिहिजाम निवासी सीआईएसएफ जवान की संदिग्ध हालात में हत्या कर दी गई है तो लोगों का हुजूम घटनास्थल

की ओर उमड़ पड़ा। मौके पर सालानपुर थाना पुलिस तुरंत पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेजा।गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जवान का शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय लोग, परिजन, और सीआईएसएफ के अधिकारी एवं जवान शामिल हुए।राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई।चूंकि मृतक सीआईएसएफ का जवान था, इसलिए अंतिम यात्रा राजकीय सम्मान के साथ निकाली गई। चित्तरंजन स्थित अजय नदी के बर्निंग घाट पर जवान का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। परिजनों की आंखों में आंसू और इलाके में मातम का माहौल किसी को भी झकझोर देने वाला था।जांच में जुटी पुलिस, संदिग्धों से पूछताछ जारी है।हत्या के कारणों को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। सालानपुर पुलिस ने गुरुवार सुबह घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वह हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है और कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार, यह घटना आपसी रंजिश, व्यक्तिगत दुश्मनी या किसी गुप्त मिशन से जुड़ी हो सकते हैं।सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही हत्यारों को पकड़ने का भरोसा जताया है।

इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है।इस घटना के बाद डोमदाहा सहित सालानपुर, मिहिजाम और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। लोग खासकर सुरक्षाकर्मी और उनके परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चैंबर ऑफ कॉमर्स का बरगंडा में अस्थायी प्याऊ का शुभारंभ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :शीतल जल, सत्तू शर्बत व चना गुड़ का वितरण भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज -गिरिडीह की ओर से बरगंडा स्थित वंडर वर्ल्ड के बाहर अस्थायी प्याऊ का शुभारंभ किया गया। गुरुवार सीसीआई के अध्यक्ष राहुल वर्मन, सचिव विकास गुप्ता व कार्यक्रम संयोजक अरविंद कुमार ने संयुक्त रूप सेफीता काटकर इस अस्थायी प्याऊ का शुभारंभ किया। इस मौके पर राहगीरों के बीच शीतल जल, सत्तू का शर्बत, चना-गुड़ आदि का वितरण शुरू किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह प्याऊ पूरे गर्मी लगातार लगभग 70 दिनों तक संचालित रहेगा। इस प्याऊ के उद्घाटन के साथ ही सैकड़ो लोगों ने यहां से शर्बत और शीतल जल पीकर अपनी प्यास बुझाई और इस व्यवस्था के लिए आयोजकों को बधाई दी। मौके पर कोषाध्यक्ष गोपाल दास भदानी, सबीर राहुल कुमार, रवि कुमार, प्रदीप मंडल, अरूण कुमार गुप्ता,सुबोदीप चटर्जी,संटू कुमार समेत कई लोग सेवा कार्य में जुटे रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग में यात्री शेड या शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं को परेशानी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

शिकारीपाड़ा : झारखंड की उप राजधानी दुमका को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क एनएच 114 ए है जो दुमका से शिकारीपाड़ा होते हुए रामपुरहाटऔर देव स्थल मलूटी तथा तारापीठ को जोड़ती है। प्रतिदिन इस मार्ग से होकर हजारों की संख्या में वाहन और यात्री गुजरते हैं जिसमें भारी संख्या में पर्यटक भी शामिल हैं

परंतु सुविधाओं के नाम पर यात्रियों को न्यूनतम सुविधा भी उपलब्ध नहीं। दुमका से शिकारी पाड़ा थाना क्षेत्र से गुजरती इस सड़क पर कहीं भी यात्री शेड नहीं बनाया गया है और जो बने भी हुए हैं वह बाबा आदम के जमाने के हैं जो इतनी जर्जर अवस्था में है कि उसके ढहने की संभावना 100 प्रतिशत है और जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना सामने आ सकती है। थाना क्षेत्र के पत्ताबाड़ी एवं बरमसिया स्थित यात्री शेड जिस पर अभी भी यात्री बैठते हैं, ऐसी स्थिति में है कि कभी भी यात्री सेड का छत और दीवार गिर सकता है। साथ ही इसमें कूड़ा करकट का अंबार लगा हुआ है । यही नहीं दुमका के प्रमुख प्रखंडों में शुमार शिकारी पाड़ा जो अब एक मिनी शहरी क्षेत्र का रूप लेता जा रहा है। यहां पर या बरमसिया और पत्ताबाड़ी जैसे प्रमुख चौक चौराहा पर भी शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे यात्रियों विशेष कर महिलाओं को घोर असुविधा का सामना करना पड़ता है। बताते चलें कि दुमका जिले का शिकारीपाड़ा प्रखंड माइनिंग एरिया के रूप में प्रसिद्ध है और इस क्षेत्र में सैकड़ो की संख्या में पत्थर खदानें एवं क्रेशर संचालित है जिससे प्रतिदिन सैकड़ो वाहन गिट्टी लेकर बिहार एवं अन्य प्रदेशों में जाते हैं। पत्थर खदान एवं क्रेशर से रॉयल्टी के रूप में सरकार को एक भारी रकम प्राप्त होती है तथापि डीएमएफटी फंड या फिर सीएसआर फंड से भी इस महत्वपूर्ण सड़क पर कहीं भी यात्रीशेड या शौचालय की व्यवस्था न होना विभाग और प्रशासन की उदासीनता को दशार्ता है।

रंगदारी नहीं देने पर शिक्षक के घर पर चलाया बुल्डोजर, दीवार और गेट तोड़ा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : नगर थाना क्षेत्र के डंगालपाड़ा मोहल्ले में रहने वाले से रंगदारी नहीं देने पर शिक्षक के नगर थाना क्षेत्र गुरु जी आवास के पीछे बने खिजुरिया स्थित मकान के शिक्षक का बने हुए मकान की दीवार पिलर उखाड़ देने और लोहे के गेट को जेसीबी मशीन से जबरन तोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़ित शिक्षक मोहम्मद रजी हसन ने इस संबंध में नगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में मोहम्मद रजी हसन ने बताया है कि उन्होंने जमाबंदी नंबर 56 नया 30 दाग नंबर 747 नया 836 के अंतर्गत फातिमा बीबी, रसिदा बीबी और जकीरण बीबी से जमीन लेकर

मकान का निर्माण कराया था। इस भूमि पर वे वर्षों से कब्जा में है लेकिन शनिवार 19 अप्रैल 2025 को लगभग आठ से दस लोगों का एक समूह जेसीबी मशीन लेकर उनके घर पहुंचा और जबरन दीवार पीलर और लोहे का गेट तोड़ दिया। शिक्षक ने आरोप लगाया कि आरोपी मोहमंद मौईन उर्फ सोनम पिता - सबिर उद्दीन,पता - लखिकुंडी थाना - मुफस्सिल, जिला - दुमका और मोहम्मद नेजाम मियां पिता - स्वर्गीय लालू मियां पता - खिजुरिया मस्जिद के पास,थाना-दुमका सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने रंगदारी के रूप में एक लाख बीस हजार रुपये की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और कई बार मारपीट भी की गई। पीड़ित का दावा है कि आरोपी लोग राजनीतिक दबाव का हवाला देकर धमकाते थे और कहते थे कि ₹जहां जाना है जाओ, विधायक और सरकार हमारे साथ है।₹डरे और सहमे शिक्षक ने पहले डर के कारण कहीं शिकायत नहीं की, लेकिन जब आरोपियों ने उनके मकान पर बुलडोजर चला दिया, तब उन्होंने नगर थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने अंचल अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को भी प्रतिलिपि भेजी है। पीड़िता ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए।

संपादकीय

पहलगाम के बाद

आतंकवाद से निपटना आज की आवश्कता

-संजय गोस्वामी-

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की ह्यगले की नसह्न बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शमिंर्दा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आर्तकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 की दोपहर करीब तीन बजे बड़ा आतंकी हमला हुआ। आर्तकियों ने पर्यटकों के ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। दर्जन भर से ज्यादा लोग इस हमले में घायल भी हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आर्तकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) की क्विक एक्शन टास्क फोर्स भी आर्तकियों की तलाश कर रही है। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर का दौरा किया है जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आर्तकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 28 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक यूएई और एक नेपाल का पर्यटक और 2 स्थानीय नागरिक शामिल हैं। बाकी पर्यटक यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं। पहलगाम में एक दिन पहले हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (23 अप्रैल, 2025) को प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। इस बीच, सरकार ने गुरुवार (24 अप्रैल, 2025) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) दोपहर को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में बैसरन घास के मैदानों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक में आतंकवादियों के एक समूह ने दो विदेशी पर्यटकों सहित कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी। लेकिन सवाल यह है कि ऐसा कब तक करेंगे देश सर्वोपरि है सेना को पूर्ण रूप से छूट जब तक नहीं होगा लोग मारे जाते रहेंगे। इस क्रूरता की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म या कोई नियम कानून नहीं होता वो केवल अपनी माँगों को पूरा करने के लिये सरकार के ऊपर दबाव बनाने के साथ ही आतंक को हर जगह फैलाने के लिये निर्दोष लोगों के समूह या समाज पर हमला करते हैं। उनकी माँगे बेहद खास होती हो, जो वो चाहते हैं केवल उसी को पूरा कराते हैं। ये मानव जाति के लिये एक बड़ा खतरा है। वो कभी-भी अपने दोस्त, परिवार, बच्चे, महिला या बूढ़े लोगों के लिये समझौता नहीं करते हैं। वो केवल लोगों की भीड़ पर बम गिराना चाहते हैं। वो लोगों पर गोलियाँ चलाते हैं, विमानों का अपहरण करते हैं और दूसरी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। कम से कम समय में अपने मुख्य क्षेत्रों या देशों में आतंक फैलाने के लिये आतंकवादी लक्ष्य बनाते हैं। पूर्व में, ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित थी लेकिन अब ये अपनी जड़ें देश के दूसरे क्षेत्रों में भी फैला रहा है। देश में अलग-अलग नामों के साथ कई सारे आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। अपने कार्य के अनुसार राजनीतिक और आपराधिक आतंकवाद के दो मुख्य प्रकार हैं। कुछ खास लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रशिक्षित लोगों का समूह है आतंकवाद। विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक से ज्यादा आतंकी समूह प्रशिक्षित किये जाते हैं। ये एक बीमारी की तरह है जो नियमित तौर पर फैल रही है और अब इसके लिये कुछ असरदार उपचार की जरुरत है। आतंकवादी कहे जाने वाले प्रशिक्षित लोगों के समूह के द्वारा अन्यायपूर्ण और हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया को आतंकवाद कहते हैं। वहाँ केवल एक मालिक होता है जो समूह को किसी भी खास कार्य को किसी भी तरीके से करने का सख्त आदेश देता है। अपने अन्यायी विचारों की पूर्ति के लिये उन्हें पैसा, ताकत और प्रचार की जरुरत होती है। ऐसी परिस्थिति में, ये मीडिया होती है जो किसी भी राष्ट्र के समाज में आतंकवाद के बारे में खबर फैलाने में वास्तव में मदद करती है। अपनी योजना, विचार और लक्ष्य के बारे में लोगों तक पहुँच बनाने के लिये आतंकवाद भी मीडिया का सहारा लेता है। अपने उद्देश्य और लक्ष्य के अनुसार विभिन्न आतंकी समूह का नाम पड़ता है। आतंकवाद की क्रिया मानव जाति को बड़े पैमाने पर प्रभावित करती है और लोगों को इतना डरा देती है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते हैं। वो सोचते हैं कि आतंक हर जगह है जैसे घर के बाहर रेलवे स्टेशन, मंदिर, सामाजिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय कार्यक्रमों आदि में जाने से घबराते हैं। लोगों के दिमाग पर राज करने के साथ ही अपने कुकृत्यों कों प्रचारित और प्रसारित करने के लिये अधिक जनसंख्या के खास क्षेत्रों के तहत आतंकवादी अपने आतंक को फैलाना चाहते हैं। आतंकवाद के कुछ हालिया उदाहरण 7 अक्टूबर को इजराइल में हमास का हमला, अमेरिका का 9/11 और भारत का 26/11 हमला है। इसने इंसानों के साथ ही बड़े पैमाने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुँचायी है। युद्ध द्वारा किसी राष्ट्र से आतंकवाद और आतंक के प्रभाव को खत्म करने के लिये, सरकार के आदेश पर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। वो सभी जगह जो किसी भी वजह से भीड़-भाड़ वाली जगह होती या बन जाती है जैसे सामाजिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मंदिर आदि को मजबूत सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। सभी को सुरक्षा नियमों का पालन करता पड़ता है और ऑटोमैटिक बॉडी स्कैनर मशीन से गुजरना पड़ता है। इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करने के द्वारा सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादी की मौजूदगी का पता लगाने में मदद मिलती है। इस तरह की कड़ी सुरक्षा प्रबंधन के बाद भी हम लोग अभी-भी आतंकवाद का खिलाफ प्रभावशाली रुप से नहीं खड़े हो पा रहें हैं, उससे लड़ने की आवश्यकता है, आतंकी समूह को खत्म करने के साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ने के लिये हर साल हमारा देश ढ़ेर सारे पैसे खर्च करता है। हालाँकि, ये अभी-भी एक बीमारी की तरह बढ़ रही है क्योंकि रोजाना नये आतंकवादी तैयार हो रहें हैं। वो हमारी तरह ही बहुत सामान्य लोग हैं लेकिन उन्हें अन्याय करने के लिये तैयार किया जाता है और अपने एक समाज, परिवार और देश के खिलाफ लड़ने के लिये दबाव बनाया जाता है। वो इस तरह से प्रशिक्षित होते हैं कि उन्हें अपने जीवन से भी प्यार नहीं होता, वो लड़ते समय हमेशा अपना कुर्बान होने के लिये तैयार रहते हैं। एक भारतीय नागरिक के रुप में, आतंकवाद को रोकने के लिये हम सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और ये तभी रुकेगा जब हम कुछ बुरे और परेशान लोगों की लालच भरी बातों में कभी नहीं आयेंगे। आज, आतंकवाद एक सामाजिक मुद्दा बन चुका है। इसका इस्तेमाल आम लोगों और सरकार को डराने-धमकाने के लिये हो रहा है। बहुत आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीतिज्ञ और व्यापारिक उद्योगों के द्वारा आतंकवाद का इस्तेमाल किया जा रहा है। : यहाँ सब अपने लिए ही सोचते हैं तभी तो गुरूगोविन्द सिंह ने खालसा पंथ बनाया जिसमें सर की मांग की और दूध का दूध पानी का पानी हो गया और सबको जिन्दा बाहर निकाला एकता का इससे सुन्दर परिचय क्या हो सकता है इस समय आतंकवादी हमले पर मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करें हमें उसपर तर्क या बयान देना उचित नहीं ऐ बर्बरतापूर्ण कार्य है जिसे कड़ी से कड़ी निंदा करता है ईश्वर सभी को हिम्मत दे व आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूँ बहुत दुःखद घटना है वो धर्म को निशाना बनाया गया जिससे समाज में नफरत पैदा हो लेकिन हमें भारत माता का शीश कभी झुकने नहीं देना है जब तक भारत को माता नहीं मानते हैं तो देश टूट जाता है आपस में ही लड़ने लगते हैं जो अब सब मिलकर आतंकवादी से निपटने की जरुरत है।

पहलगाम आतंकी हमला: पूरी दुनियाँ ने भारत के समर्थन में आतंकवाद के खिलाफ उठाई आवाज

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर हर देश के लिए आतंकवाद एक नासूर बन गया है, जिसका दंश अनेक बार अनेकों देश झेल चुके हैं और झेल भी रहे हैं, जिसका अधिक भुक्तभोगी भारत भी रहा है। आज हम फिर आतंकवाद पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि दिनांक 22 अप्रैल 2024 को शाम अनंतनाग जिले के पहलगाम की घाटियों में, जहां एक घासभरा मैदान है, वहां कुछ दूर पैदल जाकर ही पहुंचा जा सकता है, जहां रेस्टोरेंट वगैरा भी है अचानक कुछ आतंकवादियों का एक गुट आया और टूरिस्ट से उनका नाम जाति पूछ पूछ कर अंधाधुंध गोलियां दागी जिसमें निर्दोष लोग करीब 27 से अधिक टूरिस्टों की मौत होने व अनेकों घायल होने की जानकारी 22 अप्रैल शाम से डिजिटल तथा इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर लगातार चल रही है जो 23 अप्रैल 2025 तक अर्ली मॉर्निंग तक मैं खुद करीब 18 घंटों तक इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल संसाधनों से जुड़ा रहा। सभी चैनलों पर डिबेट, एक्सपर्ट की राय, व एनालिसिस को सुनकर, मैंने उसका विश्लेषण कर यह आर्टिकल तैयार किया हूं। बता दें पूरे विश्व में इस घटना को सीरियस एंगल से लिया गया है तथा तीव्र निषेध किया हैं। जहां एकओर हमारे गृहमंत्री तुरंत घटनास्थलपर रवाना होकर कश्मीर में एक हाई लेवल मीटिंग रात करीब 12-1 बजे तक लिए, जिसमें हमारे पीएम भी ऑनलाइन उपस्थित थे और फिर गृह मंत्री पहलगाम के लिए रवाना हुए, तो वही हमारे माननीय पीएम जो सऊदी अरब की यात्रा पर थे, यह घटना सुनकर आमंत्रित रात्रि भोज में भी ना जाकर, सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़कर व रात्रि कश्मीर में हुई, हाई प्रोफाइल मीटिंग में भी ऑनलाइन जुड़े रहे तथा अर्ली मॉर्निंग वापस आकर बुधवार दिनांक 23 अप्रैल 2025 को सुबह केबिनेट कमिटी ओंन सिक्योरिटी (सीसीएस) में भी मौजूद रहे व अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी वातार्लाप करने की जानकारी आई है। बता दें इस घटना की निंदा अमेरिका रूस इसराइल सऊदी अरब यूक्रेन ब्राजील सहित अनेक देशों ने ट्वीट करके की है, तथा मुश्किल की घड़ी में भारत के साथ होने की बात कही है। भारतीय पीएम दौरे पर सऊदी अरब हुए हैं। भारत में चार दिवसीय दौरे पर मौजूद अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने भी घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि नक्सलवाद मावोवाद को जिस तरह समाप्त करने की डेडलाइन 31 मार्च 2026 तक की गई है, अब इस तरह कश्मीर घाटी में आतंकवाद समाप्त करने की भी डेड लाइन घोषित करने की जरूरत है ताकि एक रणनीति के अनुसार आतंकवादियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना या फिर उन्हें कड़ी सजाका सामना करना पड़े। यानें आरोप लगने पर या पकड़े जाने पर उनकी सुनवाई, अन्य राज्यों में न्यायालयों मैं की जानी चाहिए तथा इसके पीछे स्लीपिंग आतंकी चेहरे या गुट उजगार करना आर्थिक, कमर तोड़ना, पोषण कराने वाले पड़ोसीमुल्क पर आर्थिक सामाजिक, नैतिक, अंतरराष्ट्रीय व जरूरत पड़ने पर हथियारों करना समय की मांग है, ताकि यह संदेश जाए कि अब भारत पहले वाली स्थिति में नहीं रहा, जब कि अब ईट का जवाब पत्थर से व तिल का जवाब पहाड़ से देने की स्थिति रखता है।

कुल मिलाकर मुझे ऐसा महसूस होता है कि आतंकवाद की उल्टी गिनती शुरू होने की संभावना बढ़ गई है, क्योंकि अब अति सख्त रणनीति बनाई जा सकती है। उधर आतंकवादी नरसंहार के विरोध में कश्मीर के बार काउंसिल, डोडा काउंसिल डोडा शिक्षा विभाग, अनेक लोकल संगठनों व संस्थाओं ने 23 अप्रैल 2025 को बंद का आह्वान किया है, क्योंकि नागरिक बहुत रोष में है, जहां जगह-जगह कैंडल मार्च में शांति मोर्चा निकाला जा रहा है, अभी अमरनाथ यात्रा जो कुछ दिनों में शुरू होने वाली है उसमें दहशत का माहौल बनाया जा रहा है, इसलिए अब इस घटना का जवाब देना जरूरी हो गया है। चूँकि पहलगाम टूरिस्टों पर आतंकी हमला, 27 से अधिक मृत, अनेकों घायल, अमेरिका रूस सहित पूरा विश्व संकट की घड़ी में, भारत के साथ खड़ा है पूरी दुनिया ने भारत के समर्थन में आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में नक्सलवाद माओवाद समाप्ति की डेड लाइन 31 मार्च 2026 की तरह जम्मू कश्मीर में भी आतंकवाद समाप्त होने की डेडलाइन पर सटीक निर्णय लेना समय की गंभीर मांग है।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों
एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है।

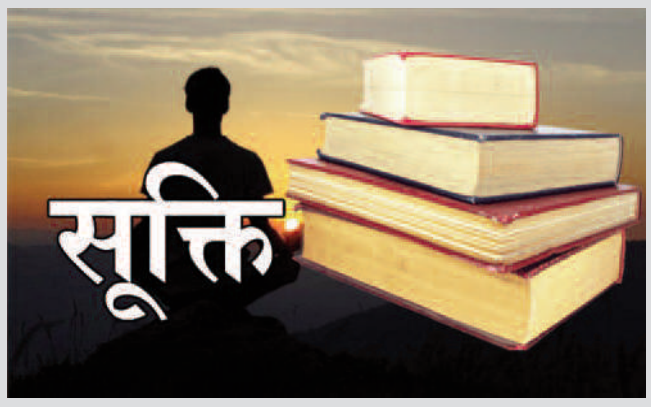

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी। - एबिगैल वैन ब्यूरेन

पहलगाम की गोलियाँ: धर्म पर नहीं, मानवता पर चली थीं

-प्रियंका सौरभ-

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सिर्फ एक गोलीबारी नहीं थी-यह एक ऐसा खौफनाक संदेश था जिसमें गोलियों ने धर्म की पहचान पूछकर चलना शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो आतंकियों ने पहले पर्यटकों से उनका धर्म पूछा, फिर उन्हें जबरन कलमा पढ़ने के लिए कहा, और इंकार करने पर गोली मार दी। यह न केवल एक घृणित धार्मिक कट्टरता का प्रदर्शन था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र भी था, जिसका उद्देश्य कश्मीर में पुनः स्थापित होती शांति और विश्वास को तार-तार करना था।

धर्म के नाम पर किया गया अमानवीय अपराध

जब किसी को गोली मारने से पहले उसका धर्म पूछा जाता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति की जान का अपमान है, बल्कि उस पूरे समाज का अपमान है जो 'सर्व धर्म समभाव' की बात करता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आतंकियों ने पहले 'हिंदू' पहचान की पुष्टि की, फिर 'गोली' को धर्म की रेखा पर खड़ा कर दिया। इससे बड़ा पाखंड क्या होगा कि किसी भी धर्म की आड़ में आतंक फैलाया जाए, जबकि हर धर्म की जड़ में 'मानवता' बसती है। इस हमले ने यह साबित कर दिया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन आतंकवादी अक्सर धर्म को ढाल बनाकर उसे इस्तेमाल करते हैं। जबरन किसी से कलमा पढ़वाना और न मानने पर जान ले लेना, यह इस्लाम के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है। पैगंबर मोहम्मद ने तो मक्का में भी अपने दुश्मनों को माफ किया था-यहाँ तो बेगुनाह पर्यटकों पर गोली चलाई गई।

साजिश सिर्फ जान लेने की नहीं, छवि बिगाड़ने की भी

यह हमला न केवल मानवता पर था, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी हमला था। पहलगाम, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से जाना जाता है, वहाँ इस तरह की घटना का होना वैश्विक स्तर पर कश्मीर को फिर एक बार 'संवेदनशील और अस्थिर' क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी-लोगों ने धीरे-धीरे डर के माहौल से बाहर निकलना शुरू किया था। लेकिन यह हमला उस विश्वास को तोड़ने की कोशिश है। पर्यटकों की वापसी का मतलब था स्थानीय लोगों की आजीविका का पुनर्जन्म। कश्मीरी दुकानदार, टैक्सी चालक, होटल कर्मचारी-सभी इस बढ़ते पर्यटन पर निर्भर थे। लेकिन अब, एक बार फिर सैकड़ों पर्यटक कश्मीर छोड़ने लगे हैं। कई बुकिंग्स रद्द हो रही हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा।

राजनीति की परछाईं: इस हमले के असली मकसद

'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ), जो कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा संगठन माना जाता है, ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सूत्रों का कहना है कि यह हमला पाकिस्तान से संचालित हो सकता है। यदि यह सच है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि यह केवल एक धार्मिक हिंसा नहीं थी, बल्कि भारत की आंतरिक शांति को अस्थिर करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश भी थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब भारत चुनावों की तैयारी में जुटा है। क्या यह हमला लोकतंत्र में भय और अविश्वास फैलाने की रणनीति नहीं हो सकती? क्या यह आतंकी ताकतों का एक संकेत नहीं है कि वे अब भी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर भारत को अस्थिर कर सकते हैं? पीड़िता की आँखों से देखें-राजनीति नहीं, पीड़ा दिखती है इस हमले में मारे गए पर्यटक की पत्नी के बयान ने पूरे देश को हिला दिया-मैंने उसे मरते देखा, लेकिन कुछ नहीं कर सकी। ह्न यह वाक्य किसी भी भाषण या नारे से कहीं ज्यादा असरदार है। एक महिला की चीख, एक बच्चे का रोना, एक पर्यटक का डर-ये किसी चुनावी भाषण या न्यूज चैनल की बहस से नहीं मिटते।

यह हमला न केवल गोली से मारे गए व्यक्ति का अंत था, बल्कि एक पूरे परिवार की स्थिरता का अंत था। यह उस महिला की नींद का अंत था, जो अब शायद जिंदगीभर अपने पति की लाश की छवि नहीं भूल पाएगी। और यह उस भरोसे का अंत था, जो उसने भारत की सुरक्षा पर किया था।

क्या भारत सरकार ने पर्याप्त कदम उठाए?

सरकार की ओर से इस हमले की निंदा की गई और सुरक्षा बलों को सतर्क किया गया। परंतु सवाल यह उठता है कि क्या निंदा पर्याप्त है? क्या हम उस स्तर पर इंटेलिजेंस नेटवर्क खड़ा कर पाए हैं कि ऐसे हमलों को रोका जा सके? कश्मीर में बार-बार ह्यअस्थिरता के बाद स्थिरता और फिर आतंकह्न का यह चक्र कब टूटेगा?

कश्मीरी मुसलमानों की भी चुप्पी नहीं, चिंता दिखी

यह ध्यान देने योग्य है कि कश्मीरी समाज के कई मुसलमानों ने इस घटना की खुलकर निंदा की। कुछ स्थानीय व्यापारियों ने पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इससे स्पष्ट होता है कि आतंकवाद को समर्थन स्थानीय नहीं, बाहरी है। कट्टरता कश्मीर की मिट्टी से नहीं, बाहर से आयात होती है।

अब आगे क्या?

हम सबको सोचना होगा कि ऐसे मामलों में केवल गुस्सा जाहिर करना काफी नहीं है। हमें नीतियों में बदलाव चाहिए। कश्मीर में स्थायी शांति तभी संभव है जबः

धार्मिक शिक्षा में सहिष्णुता को प्राथमिकता दी जाए।

स्थानीय युवाओं को रोजगार और भविष्य का भरोसा मिले।

कट्टरता के प्रचार पर तकनीकी सेंसरशिप लगे।

आतंकी नेटवर्क को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से अलग-थलग किया जाए।

निष्कर्ष यह लड़ाई ह्यधर्मह्न की नहीं, मानवता की है

इस लेख के माध्यम से मैं एक सवाल छोड़ना चाहती हूँ-क्या हम इतने असहाय हो गए हैं कि किसी का धर्म पूछकर उसे मारने वालों को केवल 'आतंकी' कहकर छोड़ दें? यह समय है जब हमें मिलकर कहना होगा कि जो धर्म के नाम पर जान ले, वह किसी धर्म का अनुयायी हो ही नहीं सकता। यह हमला केवल एक पर्यटक की हत्या नहीं है, यह हमारी आत्मा पर हमला है। हमें इस चुप्पी को तोड़ना होगा। हमें न केवल आतंकी संगठन ळफ्क्ष से सवाल करना चाहिए, बल्कि उन शक्तियों से भी जो इन्हें पनाह देती हैं, और उन राजनीतिक दलों से भी जो इस दुख का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। पहलगाम की घाटियों में बहती नदियों का पानी अब पहले जैसा नहीं रहा-वहाँ अब एक सवाल तैरता है: कब तक धर्म की पहचान मौत का पैमाना बनी रहेगी?

तितलियों का अनोखा संसार

- विश्व की सबसे तेज़ उड़ने वाली तितली मोनार्च है। मोनार्च एक घंटे में 17 मील की दूरी तय कर लेती है।
- कोस्टा रीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- दुनिया की सबसे बड़ी तितली जायंट बर्डविंग है, जो सोलमन द्वीपों पर पाई जाती है।
- जायंट बर्डविंग तितली के पंखों का फैलाव 12 इंच से ज्यादा होता है।

तितली कीट वर्ग का सामान्य रूप से हर जगह पाया जानेवाला प्राणी है। यह बहुत सुन्दर तथा आकर्षक होती है। दिन के समय जब यह एक फूल से दूसरे फूल पर उड़ती है और मधुपान करती है तब इसके रंग-बिरंगे पंख बाहर दिखाई पड़ते हैं। इसके शरीर के मुख्य तीन भाग हैं सिर, वक्ष तथा उदर। इनके दो जोड़ी पंख तथा तीन जोड़ी सन्धियुक्त पैर होते हैं अतः यह एक कीट है। इसके सिर पर एक जोड़ी संयुक्त आँख होती हैं तथा मुँह में घड़ी के स्प्रिंग की तरह प्रोवोसिस नामक खोखली लम्बी सूँड़नुमा जीभ होती है जिससे यह फूलों का रस (नेक्टर) चूसती है। ये एन्टिना की मदद से किसी वस्तु एवं उसकी गंध का पता लगाती है।

तितली एकलिंगी प्राणी हैं। मादा तितली अपने अण्डे पत्ती की निचली सतह पर देती है। अण्डे से कुछ दिनों बाद एक छोटा-सा कीट निकलता है जिसे कैटरपिलर लार्वा कहा जाता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनमें अद्भुत क्षमता होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहाँ इन्होंने अपना प्रारंभिक समय बिताया होता है। तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये ठोस भोजन नहीं खातीं, हालाँकि कुछ तितलियाँ फूलों का रस पीती हैं।

बगीचों और क्यारियों में फूलों पर मंडराने वाली रंग-बिरंगी और सुंदर पंखदार तितलियां देखने में तो आकर्षक होती ही हैं, वे परागण के माध्यम से नवीन पौधों के पनपने तथा बीजों के अंकुरण में भी सहायक हैं। तितलियों के जन्म तथा विकास की प्रक्रिया रोचक है। अंडे से वयस्क तितली बनने तक इस कीट को चार अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। वनस्पति विज्ञान की भाषा में इस प्रक्रिया को मेटाफार्मेसिस (कायान्तरण) कहा जाता है। इस परिवर्तन-प्रक्रिया के प्रत्येक पड़ाव में उसके आकार, रंग तथा जैविक संरचना में बदलाव आ जाता है। वृक्षों तथा लताओं की हरी पत्तियों पर रेंगने वाले शिशु को देख कर व्यक्ति अंदाजा भी नहीं कर सकता कि एक दिन यह सुंदर तितली की शक्ल में इंद्रधनुषी पंख फडफ़ड़ाते हुए फूल पर मंडराएगा। मादा तितली किसी ऐसे पौधे अथवा पेड़ पर अंडे देती है जिसकी पत्तियां उसके शिशु जिसे अंग्रेजी में 'कैटरपिलर' तथा हिंदी में 'इल्ली' कहा जाता है, के लिए बढिय़ा खुराक साबित हो। कुछ समय के बाद कैटरपिलर अंडों से बाहर आ जाते हैं तथा फिर शुरू होता है उसका जीवन चक्र। अंडों से बाहर आने वाला कैटरपिलर बहुत भुक्खड़ होता है तथा हरी पत्तियों से भोजन ग्रहण कर बहुत तेजी से बढ़ता है। इसकी शारीरिक वृद्धि इतनी तेजी से होती है कि मोटापे से कैटरपिलर की त्वचा फट जाती है। त्वचा फटने से उसकी जान को कोई खतरा नहीं होता। कुदरत ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि बाल्यावस्था की बाहरी त्वचा के नीचे छिपी नवीन त्वचा सामने आ जाती है जिसमें उसके बढ़ते शरीर का भार तथा विस्तार संभालने की अधिक क्षमता पाई जाती है। प्रत्येक 'कैटरपिलर' अपने चारों तरफ एक कठोर खोल जैसा बनाता है जिससे बॉटनी की शब्दावली में प्यूपा कहा जाता है। प्यूपा के अंदर इसका शरीर अर्द्धठोस अवस्था में बदल जाता है। प्यूपा अपने अंदर उसके शरीर को किसी मजबूत तिजोरी की तरह संभाले तथा बाह्य प्रभावों से बचाए रखता है ताकि इसमें होने वाले नवीन परिवर्तनों के दौरान वह किसी बाहरी नुक्सान और खतरों से पूरी तरह सुरक्षित रह सके।

प्यूपा के भीतर मौजूद कीट का अर्द्धठोस शरीर क्रमशः तितली के रूप में बदलने लगता है। जब प्यूपा के अंदर मौजूद तितली इसे तोड़कर बाहर निकलती है तो उसके पंख काफी नरम तथा सिकुड़े हुए होते हैं। सूरज की गर्मी में इसके पंख सूख कर फैल जाते हैं तथा मजबूत भी हो जाते हैं। इसके कुछ ही घंटों के बाद एक नन्ही-सी तितली बगीचे में डाल-डाल पर मंडराने तथा पुष्पों के मकरंद पान के लिए तैयार हो जाती है।

मादा तितली अपने संपूर्ण जीवन में 50 हजार से अधिक अंडे देती है। एक फूल से दूसरे फूल तक उड़-उड़ कर मकरंद पान करने वाली तितलियां परागण में सहायक होती हैं। ये फूलों का रस पान स्वाद के लिए नहीं करती। इससे उन्हें उडऩे के लिए आवश्यक शक्ति प्राप्त होती है। नन्ही-सी दिखने वाली तितली लम्बी दूरी की उड़ान भरने में चैम्पियन होती है। प्रति वर्ष सर्दी में अनुकूल मौसम तथा आहार की तलाश में मोनार्क बटर फ्लाई नामक तितली कनाडा से मैक्सिको तक लगभग 3500 किलोमीटर लम्बी यात्रा पर निकल जाती है।

वैसे तो तितली बहुत शरीफ तथा शांतिप्रिय जीव है लेकिन इसकी एक किस्म पीताकर बटर फ्लाई शिकारी चिडिय़ों में दहशत पैदा कर देती है। दरअसल जब कोई शिकारी चिडिय़ा इसे खाने की लालच में नजदीक आती है तो वह अपने पंख फैला देती है जो दो खतरनाक घूरने वाली आंखों की तरह दिखते हैं।

मगरमच्छों और चिड़ियों के करीबी रिश्तेदार हैं कछुए

वैज्ञानिकों ने पशुओं के विकास से जुड़ी सालों पुरानी एक पहेली सुलझाने का दावा किया है। ताजा शोध करने वाले वैज्ञानिकों का दावा है कि कछुए का छिपकलियों और सांपों से ज्यादा मगरमच्छों और चिडिय़ों से ज्यादा करीबी रिश्ता है। 20-30 करोड़ साल पहले कछुओं के पूर्वजों के विकास से इस बात लेकर काफी वैज्ञानिक विवाद पैदा हुए कि आखिर ये प्रजातियां किस परिवार से नाता रखती हैं। रॉयल सोसाइटी की पत्रिका 'बायोलॉजी लेटर्स' में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने लिखा, 'कछुओं के विकासवादी मूल ने हड्डियों से संबंधित विकास की समझ में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं जो अपने आप में अनोखा है।' ताजा अध्ययन तक कछुओं को छिपकलियों और सांपों का सबसे करीबी रिश्तेदार माना जाता था।

सफेद व्हेल से आती है इंसानों जैसी आवाज

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि सफेद व्हेल कुछ ऐसी आवाजें निकाल सकती है जो सुनने में बिल्कुल इंसानी बातचीत जैसी लगती हैं। इस जीव का श्रवण विश्लेषण करने पर कैलीफोर्निया के नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन ने पाया कि व्हेल की आवाज मानव की आवाज की नकल की तरह है। दिलचस्प बात यह है कि व्हेल में आवाज निकालने का तरीका इंसानों से बिल्कुल भिन्न है। नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के सैम रिग्वे ने कहा, ''हमारे निरीक्षणों के अनुसार व्हेल को बोलचाल जैसी आवाज निकालने के लिए अपने स्वर प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन करने पड़ते हैं।'' 1984 में रिग्वे और अन्य लोगों ने यह पाया था कि व्हेल और डॉल्फिन कुछ ऐसी आवाजें निकालती हैं मानो कुछ दूरी पर दो लोग आपस में बातचीत कर रहे हों। यह बातचीत ऐसी होती है जिसे समझना मुश्किल होता है। कुछ ऐसी ही आवाजें सफेद व्हेल से सुनने को मिली थीं। कुछ ही देर बाद गोताखोर ने अपने साथियों से पूछा ''क्या उसने मुझे बाहर जाने को कहा?'' शोधकर्ताओं ने इस व्हेल की पहचान एनओसी के रूप में की। यह डॉल्फिनों और सफेद मछलियों के अलावा कभी-कभी इंसानों के बीच भी रहती थी। वैसे तो व्हेल के इंसानों जैसी आवाजें निकालने की खबरें पहले भी आई हैं लेकिन रिग्वे की टीम कुछ सबूत जुटा लेना चाहती थी। इसलिए उन्होंने व्हेल की आवाजें रिकॉर्ड कर लीं। इन आवाजों की आवृत्ति उनकी सामान्य आवाज की आवृत्ति से कुछ कम थी। यह आवृत्ति इंसान की आवाज के काफी करीब थी। रिग्वे ने कहा, ''व्हेल की ये आवाजें इंसानी आवाज जैसी थीं लेकिन ये व्हेल की स्वाभाविक आवाज से भिन्न थी। हमने जो आवाजें सफेद व्हेल से सुनीं, वे ठीक ऐसी थीं मानों उसने उन्हें सीखा हो।''

आवाजें निकालने के लिए व्हेलें अपने नासिका तंत्र का इस्तेमाल करती हैं जबकि इंसान इसके लिए अपने कंठ का इस्तेमाल करता है। इंसान जैसी आवाजें निकालने के लिए एनओसी को कई मांसपेशियों की मदद से अपनी नासिका के दबाव के साथ-साथ कई अन्य बदलाव करने पड़ते थे। तीस साल तक नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के साथ रहने वाली एनओसी की मृत्यु पांच साल पहले हो चुकी है।

जानें कुछ रोचक जानकारी

हम आपको दुनियाभर में मशहूर कुछ अजायबघरों के बारे में बता रहे हैं। यह अजायबघर किसी ना किसी खास कारण ने जाने जाते हैं। ब्रिटेन के साउथवर्क सेंट थॉमस में एक ऐसा अजायबघर है जहां रोगी को बिना बेहोश किए चीर-फाड़ करने के तरीके दिखाए गए हैं। यहां पुराने जमाने की ऑपरेशन प्रक्रिया को सजीव मॉडलों से दिखाया गया है। यहां उस वक्त के अजीबोगरीब मेडिकल औजार भी यहां रखे गए हैं जो हैरत में डाल देने के लिए काफी है। यह ऑपरेशन कक्ष 1821 में क्रिसटोफर रेन द्वारा बनाई गई थी। लंदन के लैबेंथ पैलेस रोड पर फ्लोरेंस माइटेंगल नाम एक म्यूजियम है। इसमें उस स्थान के नर्सिंग संबंधी क्रांतिकारी सिद्धांत अंकित किए गए हैं। इस म्यूजियम की महत्वपूर्ण बात यह है कि जब इसमें रोगी दाखिल होते हैं तो उसे ज्यादा बीमार नहीं दिया जाता है। यहां यह भी सिखाया जाता है कि एक पलंग का दूसरे पलंग से कितना फासला हो। लंदन के रसोल स्ववायर में स्थित ब्रिटिश डेंटल एसोसिएशन अजायबघर में दंत चिकित्सा के इतिहास की मूसली और हथौरा भी शामिल हैं। यहां दंत परीक्षा में काम आनेवाली एक कुर्सी का भी नमूना रखा हुआ है। कहते हैं कि एडवर्ड सप्तम ने इसी कुर्सी का इस्तेमाल किया था। उत्तरी लंदन में स्थित महान मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड का घर भी अब अजायबघर में तब्दील कर दिया गया है। यहां मिस्त्र, यूनान, रोम और अन्य प्राचीन सभ्यताओं की पुरानी वस्तुएं भी देखने को मिल जाती हैं।

एक गांव ऐसा जहां इंसानों से अधिक हैं मोर

मध्य प्रदेश के नीमच जिले के बासनियां गांव की पहचान मोरों के गांव के तौर पर बन गई है। इस गांव में मोरों की संख्या यहां की आबादी से दो गुना है। अरावली पहाड़ी के नीचे बसे बासनियां गांव के लोगों को पशु-पक्षियों से बेहद लगाव है। यही कारण है कि यहां मोर जैसा पक्षी भी आसानी से विचरण करता नजर आ जाता है। गांव का हाल यह है कि हर तरफ मोर नजर आते हैं। खेत हो, खलिहान हो या फिर घरों की छत जहां भी नजर दौड़ाई जाए, वहां सिर्फ राष्ट्रीय पक्षी ही नजर आते हैं। इस गांव में मोर और इंसानो के बीच दोस्ताना रिश्ते हो गए हैं। आलम यह है कि इंसान को देखकर मोर भागते नहीं बल्कि उसकी ओर दौड़े चले आते हैं। मोर को इस बात का जरा भी डर नहीं होता है कि आदमी के पास जाने में उसे किसी तरह का खतरा हो सकता है। गांव के मदनलाल बताते हैं कि यहां के लोग पशु-पक्षियों से बहुत लगाव रखते है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस बात का ख्याल रखते हैं कि किसी पशु-पक्षी को किसी तरह की परेशानी न हो। मोरों की बढ़ती तादात के लिए वे यहां की हरियाली और वातावरण को श्रेय देते हैं। बासनियां गांव की आबादी लगभग 400 है लेकिन गांव के लोग मोरों की संख्या दो गुना यानी 800 से ज्यादा होने का दावा करते है। गांव में पक्षियों के प्रति बढ़े प्रेम से हर कोई प्रभावित है। गांव के लोग मानते हैं कि प्राकृतिक संतुलन के लिए इंसान वनस्पति के साथ पशु-पक्षियों की संख्या में इजाफा जरूरी है। गांव के ही तुलसीराम का कहना है कि मोरों को यहां सुरक्षा तो मिलती ही है साथ में उन्हें दाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। इस गांव में लगभग सभी किसान जैविक खाद का इस्तेमाल करते हैं और अपने खेतों में कीट नाशकों का उपयोग नहीं करते। लिहाजा यहां का दाना मोरों को ज्यादा भाता है। मोरों के गांव के तौर पर पहचान बना चुके बासनियां गांव के लोग सभी पशु-पक्षियों की हिफाजत के प्रति सजग है। वे चाहते हैं कि उनका गांव पशु-पक्षियों के संरक्षण के मामले में आदर्श गांव बन जाए।

60 आंखों वाला फ्लैटवर्म

ब्रिटेन में वैज्ञानिकों ने फ्लैटवर्म की एक नयी प्रजाति की खोज की है जिसके 12 मिलिमीटर लंबे शरीर पर 60 आंखें हैं। इस जीव को कैंब्रिज के पास घास के मैदान में ढूंढ़ा गया। 'नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम' के वैज्ञानिक डॉ. ह्यूग जोंस का कहना है कि उन्होंने अप्रैल में इसी तरह के एक जीव को नीदरलैंड में ढूंढ़ा था। इस 60 आंखों वाले जीव को 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट फॉर बेडफोर्डशायर, कैंब्रिजशायर और नॉर्थम्पटनशायर' के मुख्य कार्यपालक ब्रायन एवरशाम ने ढूंढ़ा है।

किसी जासूस से कम नहीं हैं डॉल्फिन

डॉल्फिनें हर पल इतनी चौकस रहती हैं कि उन्हें किसी जासूस से कम नहीं माना जा सकता। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि डॉल्फिनों के सोते समय उनके मस्तिष्क का सिर्फ आधा हिस्सा ही सोता है जबकि शेष आधा हिस्सा सचेत अवस्था में रहता है। ऐसा वे लगातार 15 दिन तक कर सकती हैं। नेशनल मरीन मैमल फाउंडेशन के शोधकर्ता ब्रियान ब्रैनस्टेटर ने पाया कि डॉल्फिनें लगातार 15 दिन तक अपने आसपास के वातावरण के बारे में जागरूक रह सकती हैं। ये अपने लक्ष्यों को पहचान सकती हैं और अपने पर्यावरण पर नजर रख सकती हैं। शोधकर्ताओं ने दो डॉल्फिनों का अध्ययन किया था। इनमें एक नर और एक मादा थी। उन्होंने पाया कि पांच दिनों तक ये दोनों बिना किसी थकान के इस काम को कर रहे थे। मादा डॉल्फिन 15 दिन तक अतिरिक्त कार्य कर सकी। हालांकि इस बात का अध्ययन नहीं किया गया कि वे कितने लंबे समय तक यह कर सकी। ऐसा माना जा रहा है कि आधे मस्तिष्क के साथ सोने की प्रकृति डॉल्फिनों में विकसित हुई होगी ताकि वे सोने के दौरान भी पानी की सतह पर सांस ले सकें। इस शोध का यह भी मानना है कि सतर्क रहने की जरूरत के चलते इस तरह के सोने के व्यवहार का विकास हुआ होगा। यह शोध पत्रिका 'प्लोस वन' में प्रकाशित हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

नेस्ले इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी) :नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है।

स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि कंपनी की उत्पादों की बिक्री से आय जनवरी-मार्च तिमाही में 3.67 फीसदी बढ़कर 5,447.64 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,254.43 करोड़ रुपये थी। कंपनी का मार्च तिमाही में कुल खर्च 4,307.76 करोड़ रुपये रहा। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 4.24 फीसदी बढ़कर 5,234.98 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,021.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ह्यह्यजनवरी-मार्च तिमाही में पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी में दहाई अंक की वृद्धि हुई है। हमारी घरेलू बिक्री 5,235 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, जो किसी भी तिमाही में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।

एलआईसी ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए रियायतों का किया ऐलान

नई दिल्ली,(एजेंसी) : सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी में हुई निर्दोष लोगों की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एलआईसी ने मृतक व्यक्तियों के लिए मृत्यु दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए विशेष विंडो की घोषणा की है। एलआईसी ने पीड़ितों के मृत्यु दावे को जल्द से जल्द निपटाने के लिए विशेष रियायतों की घोषणा भी की है। मृत व्यक्तियों के आश्रितों को वित्तीय राहत प्रदान करने और दावों के निपटान में तेजी लाई जाएगी।

एलआईसी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि एलआईसी ऑफ इंडिया इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। सिद्धार्थ मोहंती ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की। उन्होंने कहा क मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले केंद्र या राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

एलआईसी ने कहा कि नॉमिनी को पता होना चाहिए कि मृत्यु दावा दायर करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन है। होम ब्रांच से संपर्क करने से पहले मृत्यु दावा दायर करने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज अपने पास रख लेने चाहिए, जहां से पॉलिसी जारी की गई थी। बीमा कंपनी ने कहा क यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि प्रभावित परिवारों के दावों का शीघ्रता से निपटान किया जाए। आगे की सहायता के लिए दावेदार निकटतम एलआईसी शाखा/मंडल/ग्राहक क्षेत्रों से संपर्क कर सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप शुक्रवार को बंद रहेंगे दिल्ली के बाजार

नई दिल्ली, (एजेंसी) :जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी में पर्यटकों पर आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने पर व्यापारियों में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। इस दुखद घटना के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं सरकार को समर्थन देने के लिए दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने 25 अप्रैल, शुक्रवार को दिल्ली व्यापार बंद करने का आह्वान किया है।कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस आह्वान को पूर्ण समर्थन देते हुए दिल्ली के समस्त व्यापारियों से अपील की है कि वे शुक्रवार, 25 अप्रैल को अपने प्रतिष्ठान को स्वेच्छा से बंद रखें और शांतिपूर्ण तरीके से बंद का पालन करें। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी में कई व्यापारी संगठनों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए विरोध-प्रदर्शन भी किया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह बंद कोई विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक श्रद्धांजलि और राष्ट्र के प्रति एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापारियों से अपील करते हैं कि वे अपने-अपने बाजारों में सुरक्षा के सभी आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाएं और सुनिश्चित करें कि बंद के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इसके साथ ही कैट ने दिल्ली पुलिस और प्रशासन से भी अनुरोध किया है कि वे इस बंद के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखें और सभी बाजारों में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करें।

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के घायल लोगों के लिए रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।पहलगाम आतंकी हमले पर मुकेश अंबानी ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में निर्दोष भारतीयों की मौत पर रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ शोक व्यक्त करता हूं। हम हमले में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

शेयर बाजार में 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार में पिछले 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचे, लेकिन थोड़ी देर में ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 84 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,086 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,922 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,013 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,541 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें से 1,210 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,331 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 58.06 अंक फिसल कर 80,058.43 अंक के स्तर पर खुला।कारोबार की शुरूआत होने के कुछ देर बाद यह सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर हरे निशान में 80,173.92 अंक के स्तर तक पहुंचा। बाजार की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। थोड़ी ही देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे तक यह सूचकांक 391.94 अंक टूट कर 79,724.55 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 75 अंक की रिकवरी करके 315.06 अंक की कमजोरी के साथ 79,801.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 51.05 अंक की गिरावट के साथ 24,277.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 18.90 अंक की तेजी के साथ 24,347.85 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले यह सूचकांक 112.80 अंक टूट कर 24,216.15 अंक के स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 30 अंक की रिकवरी करके 82.25 अंक की कमजोरी के साथ 24,246.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक 3.22 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.76 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.62 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.28 प्रतिशत और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।हिंदुस्तान यूनिलीवर 4.06 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.91 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.56 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.52 प्रतिशत और एटरनल 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

नेपाल में ओली का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री बर्खास्त, नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति

काठमांडू, (एजेंसी) : नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने एक निर्णय का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही हाल ही में शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई के इस्तीफे को मंजूर करते हुए उनके स्थान पर रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से तमांग को पदमुक्त किए जाने की जानकारी गुरुवार को दी गई है।

प्रधानमंत्री ओली ने बुधवार देर शाम ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त करने की राष्ट्रपति से सिफारिश की थी। ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग प्रधानमंत्री की कार्यशैली का खुलकर विरोध करते आ रहे थे। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऊर्जा राज्य मंत्री ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री ओली की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उनके फैसलों

का विरोध किया था। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग को पद से बर्खास्त करने के सरकार के फैसले का ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग ने विरोध किया था। उन्होंने न सिर्फ कैबिनेट बैठक में बल्कि पत्रकार सम्मेलन कर ही प्रधानमंत्री पर गलत कदम उठाने का आरोप लगाया।

तमांग की बर्खास्तगी ऐसे समय हुई है, जब नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष सिंगापुर के भ्रमण पर है तथा उनकी पत्नी और नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बैंकाक के दौरे पर हैं। ओली के इस फैसले का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया है।

अपनी बर्खास्तगी की खबर के बाद तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली भ्रष्टाचारियों का संरक्षण करते हैं और अच्छा काम करने वाले सरकारी अधिकारियों को पद से हटाते रहते हैं। उन्होंने ओली पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने और अपनी मनमानी चलाने का भी आरोप लगाया है।

आज ही प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्री के पद पर अपनी पार्टी के सांसद रघुजी पंत को नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई ने प्रधानमंत्री के साथ अनबन के कारण पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को उनका इस्तीफा मंजूर करते हुए पंत को भट्टराई के स्थान पर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। उनका शपथग्रहण आज शाम को 4 बजे होना तय हुआ है। नवनियुक्त शिक्षा मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती 23 दिनों से चले आ रहे शिक्षक आंदोलन को खत्म

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेपाली युवक सुदीप न्यौपाने का त्रिवेणी घाट पर अंतिम संस्कार

काठमांडू, (एजेंसी) : भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए सुदीप न्यौपाने का शुक्रवार को त्रिवेणी घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। मंगलवार को मारे गए सुदीप को आज सुबह ही भारत से रूपन्देही के बुटवल स्थित उनके घर लाया गया। अंतिम संस्कार में शहर के सैकड़ों लोग शामिल हुए। दिवंगत सुदीप को उसके चाचा कपिलदेव न्यौपाने ने मुखाग्नि दी।उनके पड़ोसी थानेश्वर पौडेल ने बताया कि अपने इकलौते बेटे की मौत से सुदीप के पिता बार बार मूर्छित हो रहे हैं, इसलिए उसके पिता के बजाय उसके चाचा ने मुखाग्नि दी। आज सुबह ही सुदीप का पार्थिव शरीर श्रीनगर से हवाई मार्ग से दिल्ली होते हुए लखनऊ लाया गया। वहां से उन्हें एम्बुलेंस से नेपाल-भारत सीमा सुनौली के रास्ते बुटवल लाया गया था। कुछ देर तक आवास पर रखने के बाद अंतिम संस्कार के लिए पार्थिव शरीर को त्रिवेणी घाट ले जाया गया। सुदीप अपनी मां, बहन और बहनोई के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कश्मीर गए थे, जब आर्तकियों ने अन्य लोगों के साथ उनकी भी हत्या कर दी।

रूस ने यूक्रेन पर किया हवाई हमला, नौ की मौत

कीव, (एजेंसी) :यूक्रेन की राजधानी कीव के साथ आसपास के कई जिलों और आवासीय क्षेत्रों पर रात हुए रूसी हमले में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने आज कहा कि रूस ने पूरी रात क्रूज मिसाइल, ड्रोन, बैलिस्टिक हथियारों से बड़ा हमला किया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया का हर व्यक्ति देखे और समझे कि वास्तव में क्या हो रहा है। बैलिस्टिक सहित लगभग 70 मिसाइलें। और लगभग 150 हमलावर ड्रोन। जेलेंस्की इस समय दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस हमले में हुए नुकसान का विवरण अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को पूर्ण युद्ध विराम और हमलों पर रोक लगाने पर सहमति जताए 44 दिन हो चुके हैं। यह प्रस्ताव संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से था। बावजूद इसके रूस लगातार हमले कर रहा है।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया, राजनयिकों की संख्या में कटौती और वाघा सीमा बंद की

इस्लामाबाद(एजेंसी) : भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर नई दिल्ली के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से तिलमिलाए पाकिस्तान ने आज अपने अन्य उपायों के साथ वाघा सीमा को बंद करने की घोषणा की। यह घोषणा राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद की गई। बैठक में कहा गया कि अगर भारत, पाकिस्तान के स्वामित्व वाले पानी के प्रवाह को रोकता या मोड़ता है, तो इसे युद्ध की घोषणा माना जाएगा। संघीय सरकार ने 30 अप्रैल से इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के राजनयिक कर्मचारियों की अधिकतम संख्या 30 तक सीमित करने और तत्काल प्रभाव से सभी भारतीय स्वामित्व वाली य संचालित उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा

की।

डॉन अखबार और जियो न्यूज की खबर के अनुसार, यह बैठक भारत के आक्रामक कदमों के जवाब में बुलाई गई। पहलगाम में मंगलवार को इस हमले में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि बैठक में पाकिस्तान की आंतरिक और बाहरी स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले पर भी चर्चा की गई। बैठक में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर भी मौजूद रहे। बैठक शुरू होने से पहले उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और कुछ अन्य मंत्री इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक आवास पहुंचे।राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने चेतावनी दी है कि भारत के पाकिस्तान के स्वामित्व वाले जल के प्रवाह को मोड़ने के किसी भी कदम को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। समिति ने कहा कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने का भारत का फैसला एकतरफा है। सिंधु जल संधि 240 मिलियन पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा है। पाकिस्तान हर हाल में अपने जल अधिकारों की रक्षा करेगा।

पाकिस्तान ने 30 अप्रैल से इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के राजनयिक कर्मचारियों की अधिकतम संख्या 30 तक सीमित करने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान ने तत्काल प्रभाव से सभी भारतीय स्वामित्व वाली या संचालित उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है।

भारत के सिंधु जल संधि स्थगित करने से पाकिस्तान भड़का, पहलगाम आतंकी हमले को झूठा अभियान ठहराया

इस्लामाबाद, (एजेंसी) :भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के जवाब में नई दिल्ली के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से पाकिस्तान भड़क गया है। वह भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने के फैसले से सबसे ज्यादा आगबबूला है। इस संबंध में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ का ताजा बयान भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है।

'एआरवाई न्यूज' चैनल ने रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान जारी किया है। बयान से ऐसा लगता है कि आसिफ को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला महज भारत का झूठा अभियान लगता है। अपने पूर्ववर्ती की तरह वह भी यह मानकर चल रहे हैं कि भारत ने जम्मू-कश्मीर में अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने बयान में कहा कि पाकिस्तान ने भारत के झूठे अभियान की आड़ में किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई है। पाकिस्तान अपने पड़ोसी के शत्रुतापूर्ण स्वभाव के कारण हमेशा हाई अलर्ट पर रहता है। आसिफ ने आरोप लगाया है कि भारत लंबे समय से सिंधु जल संधि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करता है तो पाकिस्तान जवाब देने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में सबसे ऊपर होगा। पाकिस्तान इस मसले में एकजुट है। देश की सशस्त्र सेना, जिसमें वायुसेना भी शामिल है, के पास पूरी रक्षात्मक क्षमता है।

ख्वाजा आसिफ ने कुछ नरम होते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य संबंध चाहता है, लेकिन साथ ही उकसाए जाने पर कड़ा जवाब देने के लिए भी तैयार है। भारत के दुस्साहस का उसी तरह जवाब दिया जाएगा, जैसा अभिनंदन प्रकरण के दौरान किया था। ख्वाजा आसिफ ने बयान में भारत पर एक और आरोप मढ़ा। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद के पीछे भारत का हाथ है।

जापान के ओकिनावा द्वीप पर महिला से दुष्कर्म, अमेरिकी नौसनिकों पर संदेह

टोक्यो, (एजेंसी) : जापान के ओकिनावा द्वीप में स्थानीय महिला के साथ हुए दुष्कर्म से हड़कंप मच गया है। जापान पुलिस को दो अमेरिकी नौसैनिकों पर संदेह है। ओकिनावा द्वीप पर लगभग 54,000 अमेरिकी सैन्यकर्मी तैनात हैं। यह द्वीप ताइवान के पूर्व और जापान के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है।जापान टुडे की खबर के अनुसार पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि 20 वर्षीय एक अमेरिकी नौसैनिक और उसके साथी पर पिछले महीने ओकिनावा में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे के शौचालय में स्थानीय महिला के साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने सहित कई आपराधिक आरोप हैं। ओकिनावा प्रीफेक्चरल पुलिस ने सात अप्रैल को मामले को अभियोजकों के पास भेजा। संदिग्ध पर एक अन्य महिला को घायल करने का भी आरोप है। पीड़िता ओकिनावा की निवासी और बेस पर एक नागरिक कर्मचारी थी।पुलिस का कहना है कि अमेरिकी पक्ष के सहयोग से जांच शुरू की गई है। इस बारे में आरोपित नौसैनिक से पूछताछ की गई है। पिछले साल जून से अब तक ओकिनावा में तीन अमेरिकी सेवा के सदस्यों पर यौन हिंसा के कई कथित मामलों में अभियोग दर्ज हो चुके हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित,अनामुल हक की तीन साल बाद वापसी

ढाका, (एजेंसी) : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)ने बुधवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम में दो बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ी वापसी अनामुल हक की है, जो करीब तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं।

अनामुल हक इस समय ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में वह मान्यता प्राप्त क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने हैं। 32 वर्षीय अनामुल ने पिछली बार साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। टीम से बाहर किए गए जाकिर हसन को पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला था, और अब उन्हें पूरी तरह से ड्रॉप कर दिया गया है।

टीम में दूसरा बदलाव तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह हुआ है, जिन्हें पीएसएल में पेशावर जल्मी की ओर से खेलने की संभावना है। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को शामिल किया गया है, जो अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है:

नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक बिजॉय, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकन, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, सैयद खालेद अहमद, तंजीम हसन शाकिब।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने नई एमएलसी फ्रेंचाइजी के साथ की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

वेलिंगटन, (एजेंसी) न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की एक आगामी टीम के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह टीम वर्ष 2027 में अपना पदार्पण करेगी और इसका स्वामित्व 'टू नॉर्थ स्पोर्ट्स वेंचर्स' नामक समूह के पास है, जिसका संचालन एमएलसी के सह-संस्थापक समीर मेहता और विजय श्रीनिवासन कर रहे हैं। इस समूह में अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) की टीम 'सैन फ्रांसिस्को 49र्स' की निवेश शाखा भी भागीदार होगी।

क्रिकेट संचालन की ज़िम्मेदारी एनजेडसी के पास

इस समझौते के अंतर्गत एनजेडसी न केवल टीम में अंशधारक बनेगा, बल्कि उसके क्रिकेट संचालन, खिलाड़ियों के विकास और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी संभालेगा। इसके लिए प्रशिक्षकों, अनुबंधित खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट प्रणाली का समन्वय किया जाएगा।

एनजेडसी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनींक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी से हमें सेवाएं देने के लिए भुगतान प्राप्त होगा और अमेरिकी क्रिकेट के साथ-साथ हमारे अपने क्रिकेट ढांचे में निवेश का अवसर मिलेगा।

टीम के सह-मालिक समीर मेहता ने बताया कि एक प्रसिद्ध फिल्मी सितारे के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने एनजेडसी को उच्च प्रदर्शन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्था बताया और कहा कि अमेरिका जैसे सीमित प्रतिभा वाले क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत लाभदायक होगी। इसके साथ ही 49र्स की व्यावसायिक विशेषज्ञता से ब्रांड प्रचार, प्रायोजन और व्यापारिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी सहायता मिलेगी।

एनजेडसी ने इस समझौते को अपनी पांच-वर्षीय रणनीति का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य आय के स्रोतों को विविध बनाना है। सुपर स्मैश प्रतियोगिता की गुणवत्ता के बावजूद न्यूजीलैंड का सीमित बाजार और अनुकूल प्रसारण समय की कमी इसके राजस्व को सीमित रखती है। इसलिए एमएलसी में भागीदारी को एक स्वतंत्र आर्थिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

यह समझौता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक नई पहल को जन्म देगा, जहां पहली बार कोई राष्ट्रीय क्रिकेट संस्था किसी अन्य देश की व्यावसायिक लीग में भागीदार बनेगी। एनजेडसी की यह दूरदर्शी पहल अमेरिकी क्रिकेट को सशक्त करने के साथ-साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट को भी आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं,अब सरकार खुद देगी इनाम : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में डिजीलॉकर के माध्यम से खेल प्रमाणपत्र जारी करने के पहल की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च का भी उद्घाटन किया।डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर खेल पहल खिलाड़ी-केंद्रित है। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024, नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2024 और एज फ्रॉड के खिलाफ नेशनल कोड 2025 जैसे कदम सरकार की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मांडविया ने ऐलान किया कि डिजीलॉकर से जुड़े खेल प्रमाणपत्र जल्द ही नेशनल स्पोर्ट्स रिपॉजिटरी सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सरकार द्वारा मिलने वाली नकद पुरस्कार राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ी को सरकार से इनाम पाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जब पूरी दुनिया ने देखा है कि उसने पदक जीता है, तो फिर प्रमाण देने की जरूरत क्यों? मांडविया ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी के रोडमैप का जिक्र किया और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी में भी रुचि दिखाई। उन्होंने 'वन स्पोर्टझ्वन कॉरपोरेट' नीति की घोषणा करते हुए बताया कि इससे खेल महासंघों को कॉरपोरेट सहयोग मिलेगा और पीपीपी मॉडल के तहत उच्च प्राथमिकता वाले खेलों के लिए ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए घोषित किया 54 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (हि.स.)। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आगामी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 खिलाड़ियों के संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 25 अप्रैल से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में शुरू होगा।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के झांसी में संपन्न हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह कैंप 25 से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद प्रदर्शन के आधार पर इस ग्रुप को घटाकर 40 खिलाड़ियों तक कर दिया जाएगा। चयनित 40 खिलाड़ी 1 मई से 25 मई 2025 तक कैंप के अगले चरण में भाग लेंगे। इस 54 सदस्यीय दल में से 38 खिलाड़ी पहले से ही कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जबकि शेष खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर बुलाया गया

है। इन नए चेहरों में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी पंजाब, यूपी हॉकी, हॉकी बंगाल और मणिपुर हॉकी से खिलाड़ी शामिल हैं।

पहले से कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ियों के नाम

कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन, मोहित होन्नेनहल्लि शशिकुमार, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, जुगराज सिंह, नीलम संजीव जेस, अमनदीप लाकड़ा, हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, संजय, यशदीप सिवाच, मोहम्मद रहील मौसिन, राज कुमार पाल, नीलकंता शर्मा, हार्दिक सिंह, सुमित, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, पूवन्ना चंदूरा बोबी, राजिंदर सिंह, विष्णु कांत सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, आदित्य अर्जुन लालगे, बोबी सिंह धामी, सेल्वम कार्ति, सुनील जोजो, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह।

नए खिलाड़ी

संजय बी, अंकित मलिक, प्रताप लाकड़ा, परमोद, धनवड़े मयूर, अली अहमद, आकिब रहीम, अर्जुन शर्मा, यूसुफ अफ्फान, लैश्राम दीपु सिंह, वेंकटेश केंचे, गुरसाहिबजीत सिंह, प्रदीप सिंह, रवि, उत्तम सिंह और मनिंदर सिंह।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ह्लइस कैंप का मुख्य उद्देश्य है खिलाड़ियों को फिर से मैदान और जिम में लाकर उनकी मूलभूत तैयारियों को मजबूत करना। हम सीनियर खिलाड़ियों, रिर्जव और कुछ युवा चेहरों का मेल लेकर चल रहे हैं। यह कैंप नए खिलाड़ियों को आजमाने का एक अच्छा मौका है, साथ ही यह भी देखने का कि सीनियर खिलाड़ी किस स्तर पर हैं। उन्होंने आगे कहा, ह्लजून में होने वाली प्रो लीग के आखिरी चरण को ध्यान में रखते हुए फिटनेस इस कैंप का एक बड़ा फोकस रहेगा। यह कैंप हर स्तर पर–फिजिकल, गेम प्लान और मेंटल फिटनेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

फेडरेशन कप 2025: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

कोच्चि, 24 अप्रैल (हि.स.)।तमिलनाडु की 26 वर्षीय ओलंपियन विथ्या रामराज ने बुधवार को 28वीं राष्ट्रीय फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में नया मीट रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 56.04 सेकंड का समय निकालते हुए पिछले 6 वर्षों से कायम रिकॉर्ड को तोड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं अनु राघवन से 2 सेकंड से अधिक का अंतर रखा।

विथ्या ने एशियन गेम्स में पी.टी. उषा के 41 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी (55.42 सेकंड) की थी और अब वह इसे तोड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। उनका कहना है, ह्लअगर रेस एक दिन बाद होती तो मैं 54 सेकंड के भीतर दौड़ जाती। मेरा लक्ष्य है इस साल 54 सेकंड का समय निकालना।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में यशस की बेस्ट परफॉर्मेंस

कर्नाटक के पी. यशस ने पुरुषों

की 400 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 49.32 सेकंड के साथ जीत दर्ज की, लेकिन एशियन चैंपियनशिप के लिए तय 49.19 सेकंड के क्वालिफिकेशन मार्क से चूक गए।

ट्रिपल जंप में निहारिका वशिष्ठ का गोल्डन कमबैक

महाराजा स्टेडियम के एक अन्य कोने में, पंजाब की नेशनल गेम्स चैंपियन निहारिका वशिष्ठ ने आखिरी राउंड में 13.49 मीटर की शानदार छलांग लगाकर केरल की सैंड्रा बाबू को मात्र 1 सेमी से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता।

इंस्टाग्राम पर 2.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स वाली निहारिका ने दो साल के डोपिंग बैन के बाद फरवरी 2022 में वापसी की थी और अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिख रही हैं। उन्होंने एक साल में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 40 सेमी से अधिक का सुधार किया है।

अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के न्यौते को ठुकराया, एशियन चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे

नई दिल्ली, (एजेंसी) :पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के जेवलिन इवेंट 'एनसी क्लासिक' में भाग लेने से इनकार कर दिया है। यह फैसला उन्होंने आगामी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी को प्राथमिकता देते हुए लिया है। हालांकि, उन्होंने नीरज के निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया है।

24 मई को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में अरशद नदीम की गैरमौजूदगी रहेगी।

नदीम ने बुधवार को एक बयान में कहा, ह्लएनसी क्लासिक इवेंट 20 से 24 मई के बीच है, जबकि मैं 22 मई को कोरिया रवाना हो रहा हूं।ह्व वे 27 से 31 मई तक कोरिया के गुमी शहर में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं।नीरज ने भेजा था व्यक्तिगत निमंत्रणइससे पहले सोमवार को नीरज चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने अर्शद को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है।नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा था। उन्होंने कहा था कि कोच से बात कर के जवाब देंगे।स्टार एथलीट्स से सजा रहेगा एनसी क्लासिक'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के पहले संस्करण में कई दिग्गज एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर, केन्या के 2016 रियो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के करंट सीजन लीडर कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर) की भागीदारी तय है।वर्ल्ड एथलेटिक्स से मिला कैटेगरी ए का दर्जा।इस प्रतिष्ठित इवेंट को वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से कैटेगरी ह्यएह्ल का दर्जा मिला है। इसे नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, बोकारो
बाई पास रोड, चास (वैभव होटल के पीछे) बोकारो–827013

शुद्धि पत्र
(Corrigendum)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिले के सभी कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं झारखण्ड बालिका अवासीय विद्यालय में वित्तीय 2025–26 हेतु आवश्यक सामग्री की आपूर्ति हेतु कुल 04 पैकेज के लिए प्रकाशित निविदा संख्या PR 350192 दिनांक 12.04.2025 के अंतर्गत निविदा की शर्त संख्या 07 में वित्तीय वर्ष 2021–22, 2022–23 एवं 2023–24 का औसत वार्षिक टर्न ओवर हेतु पैकेज 01 के लिए 50 लाख एवं अन्य तीन पैकेजों के लिए 25 लाख या इससे अधिक रखा गया था। शर्त संख्या 07 में आंशिक संशोधन करते हुए पैकेज 01 के लिए 25 लाख एवं अन्य 03 पैकेजों के लिए 10 लाख या इससे अधिक रखने का निर्णय लिया गया है। दाखिल रिटर्न (GST & GSTR 3B) मार्च 2025 का स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति संलग्न किया जाना है। निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.04.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं भरा हुआ निविदा दिनांक 30.04.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक जमा लिया जाएगा। पैकेज–1 तकनीकी निविदा लिफाफा दिनांक 02.05.2025 पैकेज– 02 दिनांक 03.05.2025 को एवं पैकेज 03 एवं 04 दिनांक 05.05.2025 को वित्तीय बिड़ दिनांक 06.05.2025 को खोला जाएगा। शेष नियम एवं भार्ते यथावत् रहेंगे।

इसे इस हद तक संशोधित समझा जाय।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, बोकारो ।

PR.NO.350995 Health Med Edu and Family Welfare(25-26):D

Office of the Medical Superintendent, SNMMCH, Dhanbad, Jharkhand

Notice Inviting Tender
RFP FOR
Supply & Installation of Medical Equipment & Other Essential Items in SNMMCH Dhanbad Under District Mineral Fund, Office of the Deputy Commissioner-cum-Chairman, Dhanbad, Govt. of Jharkhand

RFP No: 01/SNMMCH **Date: 24/04/2025**
Issue Date: 24/04/2025 **Last Date of Submission of Bids: 19.05.2025**

The Office of the Medical Superintendent, SNMMCH, Dhanbad, invites Request for Proposal (RFP) for Supply & Installation of Medical Equipment & Other Essential Items in SNMMCH, Dhanbad Under District Mineral Fund, Office of the Deputy Commissioner-cum-Chairman, Dhanbad, Govt. of Jharkhand.

The Bid document can be downloaded from the website (https://dhanbad.nic.in/) and the responses for this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have done after careful study and examination of this document and full understanding of its modalities, process of execution and items to be delivered. The bids are to be submitted as hard copy by hand or by post (Registered/Speed) or by courier on or before the closing date in the address mentioned in the document. Technical bids submitted by the bidder will be opened in the presence of the Tender Committee Members.

Medical Superintendent,
SNMMCH, Dhanbad

PR 350999 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT
GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell
Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/02/2025-26

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	Provision of Industrial Wiring, L.E.D highbay light in the Workshop and M/C and Computer Wiring in the Tailoring & Electronics Workshops at Admn. Bld. of ITI Mangrodih, Giridih.	31,03,371.00	5000.00	62500.00	30 days
2	Provision of M/C and Computer Wiring in the Faish desine & computer wiring Workshops at Admn. Bld, Two nos high mast in campus and security light on Roof, Roof of Admn. Bld, Hostel, Workshop of ITI Mangarodih, Giridih.	22,44,969.00	5000.00	45000.00	30 days
3	Provision of Industrial Wiring and L.E.D highbay light in the Workshops and M/C and Computer Wiring in the Tailoring & Electronics Workshops at Admn. Bld. of ITI Nawadih, Bokaro .	30,68,047.00	5000.00	61500.00	30 days
4	Provision of Two nos high mast in campus and security light on Roof at ITI Nawadih Bokaro.	17,85,002.00	5000.00	36000.00	30 days
5	Date of Publication of tender on website	05.05.2025			
6	Online bid submission period	From 06.05.2025 at 10:30 am to 13.05.2025 at 2:00 pm			
7	Technical Bid Opening Date	14.05.2025 at 3:00 pm			
8	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad			
9	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
10	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad.

PR 351008 (Energy)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा
Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन पुर्ननिविदा ई0–निविदा आमंत्रण संख्या–RDD/SD/JAMTARA/RE5/09/2024-25/Gr.No.-04

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्रुप नं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	4	जामताड़ा जिला अन्तर्गत प्रखण्ड नारायणपुर के पंचायत–सबनपुर में मंझलाडीह दाडंगडीह और आहारडीह के बीच जोरिया में पुल निर्माण।	21687200.00	434000.00	10000.00	15 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–दिनांक–26.04.2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :–दिनांक–26.04.2025 से दिनांक–05.05.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थानः–e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय :–दिनांक–07.05.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या :–9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेंगा तथा निविदादाता को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नहीं होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.पद एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR.NO.350991 Rural Development(25-26):D

कार्यालय:– जिला सहकारिता पदाधिकारी,बोकारो

कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना
पैक्सों (MPCS) में सदस्यता वृद्धि अभियान प्रारंभ

निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के निदेशानुसार दिनांक– 25.04.2025 से दिनांक– 24.05.2025 तक जिला अन्तर्गत सभी पैक्सों (बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति लि0) में सदस्यता वृद्धि अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः अनुरोध है कि अपने नजदीकी पैक्स (MPCS) में जाकर पैक्स की सदस्यता नियमानुसार ग्रहण करें।

पैक्सों (MPCS) की सदस्यता हेतु अर्हत्ता

- प्रत्येक परिवार से केवल एक ही पुरूष अथवा महिला सदस्य बन सकते हैं।
- सदस्यता शुल्क 10/– रू0
- शेयर मनी– (1) 100/– रू0
- आधारकार्ड की छायाप्रति
- पैक्स (MPCS) की उपविधि के अनुसार पैक्स (MPCS) की सदस्यता प्राप्त करने हेतु अन्य अर्हत्ता आवश्यक

पैक्सों (MPCS) द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ

- उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता।
- न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान अधिप्राप्ति संबंधी सुविधा।
- पैक्सों (MPCS) द्वारा सी0एस0सी0 सेंटर के रूप में कार्य करना।
- जमावृद्धि योजना का संचालन।
- प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- जन औषधि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- कई पैक्सों (MPCS) द्वारा व्यवसायिक गतिविधि का संचालन।
- सभी पैक्सों (MPCS) को कम्प्यूट्रीकृत किया जा रहा है।
- अन्य सुविधाएँ।

➢आपके नजदीकी पैक्स (MPCS) में सदस्यता फार्म निःशुल्क उपलब्ध हैं।

किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर अपने प्रखण्ड के पैक्स (MPCS) अध्यक्ष/प्रबंधक/प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/सहायक निबंधक, स0स0, चास अंचल, चास/बेरमो अंचल, तेनुघाट से सम्पर्क किया जा सकता हैं।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी,बोकारो

PR 350938 Co-opretive(25-26).D

संक्षिप्त खबरें

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मुंबई में सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई,(एजेंसी): जम्मू कश्मीर के पहलगांव में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के महत्वपूर्ण ठिकानों पर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही भीड़भाड़ भरे इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और वाहनों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पहलगांव में आतंकी हमले के बाद मुंबई पुलिस के आला अधिकारियों की आपातकालीन बैठक के बाद शहर के महत्वपूर्ण स्थानों, धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ पूरे मुंबई के चप्पे-चप्पे पर पुलिस नजर रखे हुए हैं। भीड़ भाड़ भरे इलाकों में सादे वेश में पुलिस का पहरा है। इसकी पुष्टि करते हुए मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी जोन अलर्ट पर हैं। गश्त बढ़ा दी गई है। औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं।

पहलगांव आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये आर्थिक सहयोग की घोषणा की गई है। साथ ही इस घटना में घायलों को इलाज के ५० हजार रुपये आर्थिक मदद की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रयास से आज रात जम्मू कश्मीर में फंसे पर्यटकों को दो विशेष विमानों से मुंबई लाया गया है। अन्य फंसे पर्यटकों को वापस लाने का प्रयास जारी है। जम्मू कश्मीर में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों जम्मू में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मंत्री गिरीष महाजन हर तरह की सुविधा मुहैया कराने का प्रयास कर रहे हैं।

पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश, दिल्ली के पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली, (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश के लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ काफी रोष है। दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लोगों ने गुरुवार को जमकर नारे बाजी की। दिल्ली के कोने-कोने से लोग यहां पहुंचे थे और प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जाहिर किया।इस बीच आतंकवाद विरोधी कार्य मंच और भाजपा के कार्यकताओं ने भी प्रदर्शन किया और पाकिस्तान के नाम के प्लेकार्ड को जलाकर अपना विरोध प्रकट किया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। महिलाओं के हाथों में पाकिस्तान मुदार्बाद के पोस्टर भी देखे गए। इस मौके पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन, भाजपा के कई विधायक भी मौजूद थे।डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमारी मांग है कि पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित किया जाए। दिल्ली में भाजपा आज भारत के 140 करोड़ लोगों के दिलों में जो भावनाएं हैं, उन्हें व्यक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान को बताना चाहते हैं कि अब वह सीमा पार आतंकवाद को जारी नहीं रख सकता। भारत सरकार और हमारी सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी।

मुख्यमंत्री साय का मुंबई दौरा रद्द, दिनेश मिरानिया की अंत्येष्टि में हुए शामिल

रायपुर(एजेंसी): मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दो दिनों का मुंबई दौरा बीच में छोड़कर आज सुबह रायपुर पहुंचे।। मुख्यमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए रायपुर के दिनेश मिरानिया की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए अपना मुंबई दौरा रद्द किया है। साय आज सुबह रायपुर आने के बाद मिरानिया की अंत्येष्टि में शामिल और उनकी अर्थी को कंधा दिया ।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री साय 23 अप्रैल को मुंबई में निवेशकों को छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति और निवेश आकर्षित करने मुंबई गए थे। उनका आज निवेशकों के साथ बैठक और मुलाकात का कार्यक्रम था। इसी दौरान कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए रायपुर के व्यावसायी दिनेश मिरानिया की आज अंत्येष्टि की सूचना पर वापस रायपुर आ गए।

टाटा भारतीय विज्ञान संस्थान में स्थापित होगा एकीकृत चिकित्सा विभाग, जारी होगा श्वेत पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी): टाटा भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) मेडिकल स्कूल में एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना को लेकर गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से आयोजित इस बैठक में शीर्ष स्वास्थ्य और शैक्षणिक नेता शामिल हुए, जिनमें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अध्यक्ष डॉ बी.एन. गंगाधर, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (एनसीआईएसएम) के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी और आईआईएससी बेंगलुरु के प्रोफेसर स्वामीनाथन शामिल थे।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में इनामी नक्सली दंपति का आत्मसमर्पण, सात लाख का है इनाम

कवर्धा/रायपुर,(एजेंसी):सश स्त्र बलों की आक्रामक नीति का नक्सल प्रभावित जिलों में प्रभाव दिखना शुरू हो गया है।नक्सली बैकफुट पर हैं और नक्सल प्रभावित विभिन्न जिलों में नक्सली लगातार आत्मसमर्पण कर रहे हैं। इसी कड़ी में इनामी नक्सली रमेश उर्फ आटम गुड्डू और उसकी पत्नी सविता उर्फ लच्छी पोयम ने कबीरधाम पुलिस (कवर्धा) के समक्ष आज गुरुवार को आत्मसमर्पण किया है। दोनों पति -पत्नी पर सात लाख रुपये का इनाम घोषित था।

राजनांदगांव रेंज आईजी अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि कवर्धा पुलिस के प्रयास से यह आत्मसमर्पण हुआ है । उन्होंने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में वापसी करने और सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाने की अपील की थी। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सली 29 वर्षीय रमेश प्लाटून नंबर 01, एमएमसी जोन, जीआरबी डिवीजन कमेटी का सक्रिय सदस्य था। जबकि उसकी पत्नी 21 वर्ष सविता टांडा एरिया कमेटी में कार्यरत थी। दोनों पिछले 8 वर्षों से नक्सली गतिविधियों में शामिल थे। वर्ष 2019 में थाना भोरमदेव क्षेत्र के बकोदा जंगल में मुठभेड़ के दौरान रमेश घायल भी हुआ था। संगठन में रहते हुए रमेश के पास 12 बोर बंदूक और सविता के पास 8 एमएम रायफल थी। आत्मसमर्पण के बाद दोनों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सभी सुविधाएं दी जाएंगी। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के अंतर्गत यह सफलता मिली है। इस अभियान में ए एसपी पुष्पेंद्र बघेल, पंकज पटेल, डीएसपी नक्सली ऑप्स संजय ध्रुव तथा कृष्ण कुमार चंद्राकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की भागीदारी की उम्मीद जताई

नई दिल्ली,(एजेंसी): कांग्रेस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के संबंध में सर्वदलीय बैठक को लेकर उम्मीद जताई है कि प्रधानमंत्री इस बैठक में शामिल होंगे, जिससे देश की सुरक्षा और एकता को मजबूती मिलेगी।कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस संबंध में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ₹पहलगाम में हुआ आतंकी हमला देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता पर सीधा प्रहार है। आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में इस हमले के तमाम पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक जारी है, जिसमें पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी सांसद राहुल गांधी, पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य कांग्रेस नेता शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में हाल के पहलगाम हमले जैसे मुद्दों पर चर्चा की जा रही है, जिससे पार्टी की रणनीति और दिशा को निर्धारित किया जा सके। अकबर रोड में पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में खेड़ा ने कहा कि सर्वदलीय बैठक का आयोजन महत्वपूर्ण है और इससे सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर इस गंभीर मुद्दे पर विचार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए बैठक बुलाई है, जो सभी के लिए एक सकारात्मक कदम है।

पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि, कलकत्ता हाईकोर्ट में रखा गया दो मिनट का मौन

पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने की इस पहल की सराहना

कोलकाता, (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार दोपहर 12 बजे कलकत्ता हाईकोर्ट सहित राज्य की सभी अदालतों में दो मिनट का मौन रखा गया। यह निर्णय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम के निर्देश पर लिया गया।

कलकत्ता हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा इस आशय की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें न्यायपालिका के सभी स्तरों को इस मौन में भाग लेने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट की जलपाईगुड़ी और पोर्ट ब्लेयर स्थित सर्किट बेंचों में भी इसी के अनुरूप मौन रखा गया। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल के सभी जिला व उप-मंडलीय न्यायालयों तथा न्यायिक अकादमी में भी मौन रखकर कर श्रद्धांजलि दी गई।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं कलकत्ता हाईकोर्ट के इस महान निर्णय को सलाम करता हूं। पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले वीर नागरिकों को यह एक सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने मीडिया से कहा कि वे हमले में मारे गए बितन अधिकारी के तीन वर्षीय पुत्र हृदान की पूरी जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। बितन अधिकारी को मंगलवार को हुए हमले में अन्य 25 हिन्दू पुरुषों के साथ निशाना बनाकर मार डाला गया था।

दिवंगत बितन अधिकारी कोलकाता के दक्षिणी उपनगर पटुली के निवासी थे और अपने परिवार के साथ नौकरी के सिलसिले में अमेरिका के फ्लोरिडा में रहते थे। उनकी पत्नी सोहिनी अधिकारी भी वहीं कार्यरत हैं। यह परिवार आठ अप्रैल को कोलकाता लौटा था और 16 अप्रैल को छुट्टियों के लिए कश्मीर गया था। उन्हें अगले सप्ताह वापस लौटना था। आतंकियों ने बितन अधिकारी को उनकी पत्नी और छोटे बेटे के सामने गोली मार दी गई। उनकी पत्नी और बेटा बुधवार शाम को कोलकाता लौट आए। यह घटना न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे देश को झकझोर देने वाली है।

पापा कहां हैं, पहलगाम हमले में पिता को खो चुके मासूम के सवाल ने झकझोरा दिल

कोलकाता, (एजेंसी): पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता ने एक मासूम की जिंदगी को ऐसी टीस दी है, जिसकी गूंज अब पूरे देश में सुनाई दे रही है। हर बार जब तीन साल का हृदान नींद से जागता है तो कांपती आवाज में वही सवाल दोहराता है- ह्लपापा कहां हैं, क्या वो कहीं चले गए हैंह्व, लेकिन उसकी मां के पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं। सिर्फ आंसुओं में भीगती चुप्पी है।

हृदान के पिता, बितन अधिकारी जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और पिछले कुछ वर्षों से परिवार सहित अमेरिका के फ्लोरिडा में रहते थे। वह बीते दिनों कश्मीर यात्रा के दौरान आतंकवादियों के हाथों मारे गए। फ्लोरिडा से छुट्टियां मनाने आया परिवार आठ अप्रैल को कोलकाता पहुंचा था और 16 अप्रैल को कश्मीर रवाना हुआ था। बितन की पत्नी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आतंकियों ने हमें अलग किया, फिर पूछा हम कहां से हैं। फिर मर्दों को अलग किया और धर्म पूछा। एक-एक कर सबको गोली मार दी। मेरे पति को मेरे बेटे के सामने मार डाला गया। मैं उसे कैसे समझाऊं कि अब उसके पिता कभी नहीं लौटेंगे?

बितन अधिकारी न केवल एक समर्पित पति और पिता थे, बल्कि कोलकाता में रह रहे अपने बुजुर्ग और बीमार माता-पिता की आर्थिक जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। 87 वर्षीय पिता बीरेश्वर अधिकारी और 75 वर्षीय मां माया अधिकारी की दवाइयों और इलाज की व्यवस्था वे अमेरिका से ही करते थे।परिजनों के मुताबिक वो भले ही विदेश में रहते थे, लेकिन कभी ऐसा नहीं लगने दिया कि वो दूर हैं। मां-बाबा के हर इलाज की जिम्मेदारी उन्होंने उठाई थी। अब उनके बाद कौन देखभाल करेगा?

परिजनों को दिलाया जाए नयायः कुणाल घोष

तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने भी बितन अधिकारी के परिजनों के लिए न्याय की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सरकार से अपील की है कि मुआवजे की पूरी राशि सिर्फ मृतक की पत्नी को ही न दी जाए, बल्कि बुजुर्ग माता-पिता को भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। बितन अधिकारी के माता-पिता पूरी तरह से असहाय हैं। उनका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। अगर कभी भविष्य में वे न रहें, तो स्वाभाविक रूप से पूरी राशि पत्नी और बेटे को मिलेगी, लेकिन अभी उनके लिए स्वतंत्र आर्थिक सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस अपील पर गंभीरता से विचार करेगी और केंद्र सरकार को भी इसी दिशा में कदम उठाना चाहिए।

नौसेना ने युद्धपोत सूरत से अरब सागर में दागी मिसाइल, सीधे लक्ष्य पर लगा निशाना

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने गुरुवार सुबह युद्धपोत आईएनएस सूरत से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) सफलतापूर्वक दागी। इससे जहाज रोधी मिसाइलों को संलग्न करने की क्षमता प्रमाणित हुई है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में किया गया। मिसाइल ने हवाई लक्ष्यों को रोक दिया और दोनों सीमाओं पर सीधे हिट करते हुए उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस सूरत ने आज अरब सागर में स्थित एक लक्ष्य पर 70 किलोमीटर की अवरोधन सीमा वाली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। हवाई रक्षा के लिए एमआरएसएएम हर मौसम में 360 डिग्री पर काम करने वाली हवाई रक्षा प्रणाली है, जो किसी भी संघर्ष क्षेत्र में विविध तरह के खतरों के खिलाफ संवेदनशील क्षेत्रों की हवाई सुरक्षा करेगी। इस प्रणाली को डीआरडीओ और इजरायली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना ने स्वदेशी युद्धपोत क्षमताओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में स्थित एक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक हमला किया है, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह क्षमता स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दशार्ती है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह उपलब्धि देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

एमआरएसएएम का वजन करीब 275 किलोग्राम, लंबाई 4.5 मीटर और व्यास 0.45 मीटर है। इस मिसाइल पर 60 किलोग्राम तक हथियार लोड किए जा सकते हैं। यह मिसाइल दो स्टेज की है, जो लॉन्च होने के बाद कम धुआं छोड़ती है। एमआरएसएएम एक बार लॉन्च होने के बाद 70 किलोमीटर के दायरे में आने वाली किसी भी मिसाइल, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और निगरानी विमानों को मार गिराने में पूरी तरह से सक्षम है। यह 2469.6 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दुश्मनों पर प्रहार और हमला कर सकती है। भारत डायनामिक्स लिमिटेड में निर्मित एमआरएसएएम से नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई है।

भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी। मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली बराक-8 मिसाइल प्रणाली (एमआरएसएएम) को भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। यह आकाश के बाद दूसरा मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है।

पहलगाम मुद्दे पर कांग्रेस ने की सीडब्ल्यूसी की बैठक, भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी): कांग्रेस ने पहलगाम हमले के मद्देनजर अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में बैठक की। बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में आतंकी हमले की निंदा करते हुए शांति की अपील की गई। पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधा और जम्मू-कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमले के असर पर चिंता जाहिर की। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह इस गंभीर त्रासदी का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस ने अपने प्रस्ताव में कहा, ह्लयह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि भाजपा इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है, जबकि इस समय सबसे अधिक आवश्यकता एकता और एकजुटता की है।ह्व पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेता मौजूद रहे। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बैठक के बाद पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे पर दुख जताते हुए समिति की बैठक में मौन रखा गया।

सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव में कहा कि यह कायराना और पूर्व नियोजित आतंकी हमला है। कांग्रेस मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती है। समिति ने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता जताई और कहा कि वे इस कठिन समय में उनके साथ हैं। पार्टी ने विशेष तौर पर स्थानीय पोनीवाला (खच्चर से ले जाने वालों) और टूरिस्ट गाइडों को श्रद्धांजलि दी, जिनमें से एक ने पर्यटकों की रक्षा करते हुए जान गंवा दी।

सीडब्ल्यूसी ने सुरक्षा व्यवस्था की कमी को मुद्दा बनाया और कहा कि इन सवालों को व्यापक जनहित में उठाना आवश्यक है। पीड़ित परिवारों के साथ न्याय होते हुए देखने का यही एकमात्र रास्ता है। पार्टी ने कहा कि पहलगाम अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। यहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। केंद्रशासित प्रदेश होने के नाते कानून-व्यवस्था सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। हमले को अंजाम देने में हुई खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की व्यापक और गहन जांच की जानी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड कार्यालय में पंचायती राज दिवस मनाया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रखंड सभागार में गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में पंचायतों को किस तरह विकास किया जाएगा, लोगों को योजना का लाभ देने संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री आवास पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संवाद को सूना। मौके पर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास, बीईईओ रीना कुमारी, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, शैलेन मंडल, पंसस हीरालाल मोदक, लक्ष्मीनारायण महतो, तपन रजक, शीला देवी, रंजीत रजवार, निर्मला महतो आदि मौजूद थे।

बलियापुर प्रखंड कार्यालय में रुआर कार्यक्रम आयोजित

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को रूआर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास, बीईईओ रीना कुमारी ने किया। पोषक क्षेत्र के सभी बच्चों का स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कहा कि ड्रॉप आउट नहीं होना चाहिए। शिक्षा के गुणात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर शिक्षक नेता आदित्य प्रसाद मिर्धा, शैलेन मंडल, तपन रजक, हीरालाल मोदक, स्वपन कुमार महतो, दीपक मंडल, आनंदमान स्वर्णकार आदि मौजूद थे।

प्रखंड प्रमुख कार्यालय में आयोजित, दो मिनट का मौन रखा

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमलें की घटना को लेकर गुरुवार को प्रखंड प्रमुख कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। निर्दोष लोगों की मौत पर दो मिनट का मौन रखा गया। श्रद्धांजलि सभा में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने कहा कि पहलगाम में घटित आतंकी घटना निंदनीय है। केंद्र सरकार को एक्शन लेकर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करें। सभा में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, मुखिया राजाराम रजक, पंसस हीरालाल मोदक, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, जिप सदस्य प्रतिनिधि राजू महतो, शैलेन मंडल, तपन रजक, धनंजय मंडल, शीला देवी, रंजीत रजवार, निर्मला महतो, लक्ष्मी नारायण महतो आदि मौजूद रहे।

बलियापुर में पेट्रोल पंप के पास मिला अज्ञात शव, पुलिस जांच में जुटी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : बलियापुर पुलिस ने गुरुवार को पेट्रोल पंप के समीप बेंग जोड़ियां आखद्वारा पंचायत के बरमुड़ी श्मशान घाट में पानी में तैरता हुआ अज्ञात शव 45 वर्ष बरामद किया। ग्रामीणों ने तैरता हुआ शव देखकर दूधिया पंचायत के मुखिया उत्तम चौबे एवं आंखद्वारा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि तीर्थ सिंह को जानकारी दी। सूचना की खबर मिलते हैं बलियापुर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को बरामद किया। शव निर्वस्त्र था। देखने से प्रतीत हो रहा था कुछ दिन पहले ही मौत हो गई है। शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। घटनास्थल पर धनंजय मंडल, जितेन दे, विश्वनाथ गोराई आदि ग्रामीण शव मिलने की सूचना पर पहुंचे।

बलियापुर सीओ ने आंचल कर्मियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : बलियापुर सीओ ने अंचल कार्यालय में गुरुवार को अंचल कर्मियों के साथ सप्ताहिक समीक्षा बैठक किया। सीओ ने कहा कि अपने कार्यो की सही तरह से निष्पादन करें। अंचल कर्मी कार्यालय में ससमय उपस्थित नहीं रहने पर आम लोगों की जमीन संबंधी समस्याओं का निदान नहीं होने से लोग परेशान रहते हैं। बैठक में लंबित नामांतरण बाद, लोक शिकायत, जमीन मापी मामले एवं न्यायलय में लंबित मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में हल्का कर्मचारी को सकोज किया। फटकार लगाते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही पाई गई तो न्याय संगत विरुद्ध कार्रवाई कर उच्च अधिकारी को सूचना दी जाएगी।

रागिनी सिंह ने लोदना जीएम को सौंपा ज्ञापन

जयरामपुर कोलियरी का कोयला जीनागोरा साइडिंग में गिराने की मांग की

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : जनता श्रमिक संघ की महामंत्री और झरिया विधायक रागिनी सिंह ने गुरुवार को लोदना क्षेत्रीय कार्यालय में लोदना महाप्रबंधक निखिल बी त्रिवेदी को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में उन्होंने लोदना क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को उठाया। उन्होंने मांग की है कि एकीकृत जयरामपुर कोलियरी का कोयला जीनागोरा साइडिंग में गिराया जाए।जयरामपुर और बागडिगी कोलियरी क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए रोजगार की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि एरिया नंबर 10 के लोगों को जबरन करमाटांड़ में विस्थापित करने की कोशिश की जा रही है, बिना विधायक को सूचित किए।

विस्थापितों को मात्र 20,000 रुपये मुआवजा राशि देने की बात कही जा रही है, जो नहीं दी जा रही है। एरिया नंबर 10 के विस्थापन पर रोक लगाना, और दलालों के माध्यम से जबरन भूमि खाली कराने पर रोक लगाना शामिल है।

बैठक के बाद महाप्रबंधक ने सभी मांगों पर सहमति जताई और जल्द ही इनका निवारण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह इन मुद्दों को गंभीरता से लेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे। मौके पर जनता श्रमिक संघ के संतोष सिंह, के डी पांडेय, प्रदीप कुमार सिन्हा, मुंद्रिका पासवान, प्रतिमा देवी, पार्वती देवी, मेवालाल रजक, बबलू भगत, बबलू रजक, मोहन पांडेय, रामाधार सिंह व अधिकारियों में एजेंट एके पांडेय,संजीव कश्यप,एके विश्वकर्मा,एस मालवीय आदि थे।

भौरा में दरार वाली सड़क को भरने का काम शुरू, कोयला उत्पादन व परिवहन भी बहाल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : भौरा जहाजटांड़ जाने वाली मुख्य सड़क पर दरार को भरने का काम पूर्वी झरिया क्षेत्र प्रबंधन और भौरा प्रभारी रंजीत राम की देखरेख में भारी पुलिस बल की उपस्थिति में शुरू हो गया है। साथ ही, भौरा फोर ए पैच में कोयला उत्पादन और ओवरबर्डन (ओबी) निकासी के साथ कोयला परिवहन भी फिर से शुरू हो गया है। भौरा ओपी प्रभारी रंजीत राम भारी पुलिस बल के साथ विधि व्यवस्था बनाए रखने के प्रति सजग हैं। मंगलवार रात और बुधवार सुबह धारा 163 लगे रहने के बावजूद ग्रामीण भारी संख्या में एकत्रित होकर आउटसोर्सिंग और कोल डिस्पैच बंद करा दिया और कर्मियों पर पथराव भी किया। इसके बाद स्थानीय प्रबंधन ने करीब आधा दर्जन ग्रामीणों के खिलाफ भौरा ओपी में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। 15 अप्रैल और 22 अप्रैल को भौरा फोर ए पैच के समीप मुख्य मार्ग पर दरार आ गई थी। सड़क मार्ग सुरक्षित करने, पानी, लाइट, गार्ड वॉल और जमीन के एवज में मुआवजा भुगतान करने की मांग। ग्रामीणों ने काम बंद करा दिया और कर्मियों पर पथराव किया। स्थानीय प्रबंधन ने करीब आधा दर्जन ग्रामीणों के खिलाफ भौरा ओपी में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। काम बंद होने से राज्य सरकार को प्रति दिन 50 लाख और कंपनी को करीब एक करोड़ पचास लाख का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क काफी खतरनाक हो चुकी है, सड़क पर पड़ी दरार और चौड़ी होने के साथ पेंच भी झुक रही है। कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, प्रबंधन सड़क को सुरक्षित करे साथ ही ग्रामीणों के जमीन के एवज में बकाया मुआवजा भुगतान करे तो ही पैच चालू होगी अन्यथा आन्दोलन चलता रहेगा।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार पर जबरदस्त आक्रोश, भाजपाइयों ने निकाला मशाल जुलूस

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार की शाम को पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में मशाल जुलूस निकाला। झरिया विधायक रागिनी सिंह हाथ में तख्ती लिये जुलुस में शामिल हुई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को धर्म के नाम पर निशाना बनाकर किए गए कायराना आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इसी क्रूरता और विभाजनकारी मानसिकता के खिलाफ झरिया में भी जन आक्रोश फूटा।मशाल जुलूस आतंक के खिलाफ संघर्ष की चेतना बनकर निकला और सैकड़ों की संख्या में मौजूद कार्यकताओं और नागरिकों ने अपने हाथों में जलती मशालों के साथ आतंकवाद और उसके पोषकों के खिलाफ आक्रोशपूर्ण नारे लगाए। भारत माता की जय तथा पाकिस्तान और आतंकवाद के विरोध से गलियां गूंज उठी। कार्यक्रम के दौरान पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन इस प्रकार के योजनाबद्ध हमले देश को तोड़ने की साजिश हैं। ऐसे कायराना हमलों का जवाब एकजुटता और राष्ट्रभक्ति से दिया जाएगा। भाजपा और देश की जनता ऐसे कृत्यों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। यह हमला केवल पर्यटकों पर नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सहिष्णु परंपरा पर हमला है। ऐसे समय में हर राष्ट्रभक्त का मौन भी अपराध बन जाता है। कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे। जब तक देश में एक भी देशद्रोही सांस ले रहे हैं, तब तक भाजपा का हर कार्यकर्ता मशाल बनकर खड़ा रहेगा।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को अंबेडकर युवा विचार मंच ने दी श्रद्धांजलि

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए अंबेडकर युवा विचार मंच सिंदरी द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया। सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच ने भारत सरकार से मांग की कि इस कायरतापूर्ण हमले के दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, ताकि देश की एकता और शांति को कायम रखा जा सके वक्ताओं ने कहा कि यह हमला केवल कुछ व्यक्तियों पर नहीं, बल्कि भारत की अखंडता और संप्रभुता पर किया गया हमला है। मौके पर अध्यक्ष बुधन राम,सचिव रवींद्र प्रसाद,उपाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा,उप सचिव सुभाष बावरी,सलाहकार शिवपूजन राम, राजेश पासवान,सदस्यगण में राजन कुमार, चंचल, संजय राम, विक्की कुमार, पिंटू कुमार, नित्य कुमार, इत्यादि उपस्थित थें।

डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में पंचायती राज दिवस का आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : डीएवी पब्लिक स्कूल में पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने पंचायती राज व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। शालवी सिंह, श्यामली, आदित्य नारायण और अन्य छात्रों ने पंचायती राज के महत्व पर अपने विचार रखे। कक्षा छठी के बच्चों को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना। विद्यार्थियों को अपने ग्राम और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना। आयोजन विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा। सामाजिक विज्ञान शिक्षक ए के मोहन ने कार्यक्रम का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया।

इलेक्ट्रोस्टील में सिंदरी के मजदूर की मौत, दिन भर हंगामा के बाद नियोजन व मुआवजे पर बनी सहमति

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : बोकारो के चंदनकियारी स्थित वेदांता इलेक्ट्रोस्टील में बलियापुर के रांगामाटी के मजदूर महेश्वर सोरेन उर्फ महेश सोरेन की ड्यूटी के दौरान मौत के बाद मुआवजा की मांग को लेकर इलेक्ट्रोस्टील के समक्ष विधायक चंद्रदेव महतो के नेतृत्व में परिजन व ग्रामीणों ने बुधवार को काफी हंगामा किया। वे मृतक के आश्रित को मुआवजा एवं नियोजन की मांग कर रहे थे। दिन भर चले आंदोलन के बाद बुधवार आधी रात के बाद प्रबंधन के समक्ष वार्ता हुई, जिसमें मृतक के आश्रित को 15 लाख रुपये मुआवजे एवं नियोजन देने पर सहमति बनी।

उसके बाद लोग शांत हुए। समझौता के दौरान प्रबंधन ने मृतक की पत्नी अनीता सोरेन को तत्काल दाह संस्कार के लिए 50 हजार नगद एवं दो लाख का चेक प्रदान किया। मुआवजा का शेष राशि आश्रित के बैंक खाते में भेज देने की सहमति बनी। आंदोलन का नेतृत्व विधायक चंद्रदेव महतो, झामुमो धनबाद जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, बोकारो जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी आदि कर रहे थे।

बलियापुर के प्रखंड सचिव निर्मल रजवार, विजय महतो, लगेन हेंब्रम, नुनुलाल टुडू के अलावा बलियापुर एवं चंदनकियारी क्षेत्र के सैकड़ों झामुमो व माले कार्यकर्ता शामिल थे।

घर में अकेले रहने वाले 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौंरा : भौरा ओपी क्षेत्र के भौरा जहाजटांड़ बस्ती में एक बंद घर से लगातार दुर्गंध आने से पूरे बस्ती में हड़कंप मच गया। पुलिस ने छानबीन के बाद घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां एक शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान राम लाल सोरेन (55 वर्ष) के रूप में हुई है, जो एक गाड़ी में खलासी का काम करता था और घर में अकेले ही रहता था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए झरिया में प्याऊ खोलने की मांग

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : झरिया नगर कांग्रेस कमिटी ओबीसी के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में झरिया के अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में भीषण गर्मी को देखते हुए झरिया शहर के विभिन्न स्थानों पर प्याऊ खोलने की मांग की गई है। इन स्थानों में बाटा मोड़, कतरास मोड़, इंदिरा चौक, बिहार टॉकीज और लक्ष्मीनिया मोड़ शामिल हैं। भीषण गर्मी में गरीब लोगों और राहगीरों को प्यास बुझाने के लिए प्याऊ खोलने की मांग की गई है। झरिया नगर कांग्रेस कमिटी ओबीसी के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। झरिया नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्व में झरिया अंचल कार्यालय में जिला प्रशासन के साथ बैठक हुई थी, लेकिन दीपक यादव द्वारा ज्ञापन सौंपने की विशिष्ट जानकारी के लिए और विवरण की आवश्यकता हो सकती है। मौके पर प्रीतम रवानी, रत्नेश यादव, अशोक सिंह चंद्रवंशी, पार्षद निरंजन कुमार, राजेश सिंह, कुंदन कुमार मोदक, महेश यादव, संजीव सिंह, मंटू प्रसाद सहित दर्जनों कांग्रेसी उपस्थित थे।

वरुथिनी एकादशी पर श्रीश्याम मंदिर झरिया धाम में धूमधाम से निकाली 141 निशान शोभा यात्रा

बाबा को निशान अर्पित कर भक्तों ने लिया आशीर्वाद

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : वरुथिनी एकादशी के अवसर पर श्री श्याम मंदिर झरिया धाम में धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर 141 निशान शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जिसमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। ये भक्त निशान को झरिया शहर में भ्रमण कराते हुए पुनः मंदिर में अर्पण किया। श्री श्याम मंदिर झरिया धाम प्रांगण में पूजा-अर्चना की गई। बड़ी संख्या में भक्तों ने इस आयोजन में भाग लिया और गाजे-बाजे के साथ जयकारे लगाए।वरुथिनी एकादशी के महत्व पर भक्त का कहना है कि यह एकादशी भगवान की कृपा और समृद्धि का प्रतीक है। कृष्ण पक्ष की यह एकादशी बहुत ही शुभ फलदाई होती है, जिससे भगवान धन और जन की रक्षा करते हैं। इस एकादशी का पालन करने से परिवार में खुशियाँ बनी रहती हैं और भगवान की कृपा बनी रहती है। भक्त ज्योत्स्ना कुमारी ने बताया कि वरुथिनी एकादशी का महत्व बहुत अधिक है और इसका पालन करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है। श्री श्याम मंदिर झरिया धाम में वरुथिनी एकादशी के अवसर पर आयोजित निशान शोभा यात्रा के दौरान भक्तों ने बाबा को निशान अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान भक्तों में काफी उत्साह और श्रद्धा देखी गई। मौके पर रघुवीर गोयल, शिवकुमार अग्रवाल, नवीन पोद्दार, अभिषेक अग्रवाल, विवेक सिंगल,आयुष जालान, संदीप कथूरिया आदि थे।

प्रखंड संसाधन केंद्र झरिया में रुआर कार्यक्रम व शिक्षक आवश्यकता आकलन का आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : प्रखंड संसाधन केंद्र झरिया द्वारा गुरुवार को सभागार में रुआर कार्यक्रम के प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही, झरिया एकेडमी में पांच दिवसीय शिक्षक आवश्यकता आकलन कार्यक्रम के प्रथम दिन 86 शिक्षकों के लिए ऑनलाइन मूल्यांकन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की क्षमताओं का आकलन करना और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना है, ताकि वे अपने शिक्षण कार्य में और भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। प्रखंड संसाधन केंद्र झरिया द्वारा आयोजित कार्यशाला में 5-18 वर्ष के अनामांकित एवं छीजित बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इस दौरान विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, नव नामांकित बच्चों का स्वागत, विशेष भोजन, विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित प्रधानाध्यापकों से अनुरोध किया गया कि कार्यक्रम समाप्ति तक पोषक क्षेत्र के शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालय में हो जाना चाहिए।बच्चों को अध्यापन हेतु शिक्षकों की आवश्यकताओं के आंकड़े इकट्ठे किए जाएंगे। पहले दिन 86 शिक्षकों का ऑनलाइन मूल्यांकन किया गया, जबकि अगले चार दिनों में शेष 4189 शिक्षकों का आकलन किया जाएगा।कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी श्यामा कांत झा और सुनील कुमार सिंह ने प्रतिदिन के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

Page 12_Page 3.qxd 4/24/2025 10:54 PM Page 1

डुमरा में स्कूल वैन में लगी आग, बाल- बाल बचे स्कूली बच्चे

लोगों की तत्परता से वैन जलने से बचा, बच्चें सुरक्षित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : डीएवी पब्लिक स्कूल बरोरा में संचालित निजी स्कूल वैन मे गुरूवार को डुमरा - बाघमारा रोड़ पर अचानक आग लगने से अफरा- तफरी मच गया. वही बच्चे झुलसने से बाल-बाल बच गये. चालक और लोगों की तत्परता से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया. गनीमत थी घटना के तुरंत बाद लोग पहुंच गये, वरना एक बड़ी घटना घट जाती. चालक गाड़ी से धुंआ उठते देख तुरंत बच्चे को गाड़ी से उतारा और आग बुझाने में जुट गये. वैन में दर्जन भर बच्चे थे. बताया जा रहा है कि छुट्टी होने के बाद चालक स्कूल से बच्चों को लेकर बाघमारा उनके घर तक छोड़ने जा रहा था. इसी दौरान डुमरा दक्षिण सचिवालय के समीप वैन में अचानक आग गयी. आग लगने का कारण शर्ट सर्किट बताया जा रहा है. स्थानीय लोग की सूझबूझ से बच्चे सुरक्षित है. जलने से वैन भी बच गयो. गाड़ी पर ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है.आग पुरी तरह बुझाने के बाद चालक बच्चों को सुरक्षित उनके घर तक छोड़ा. वहीं अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन भाड़े पर चलने वाहनों की फिटनेस नही रखने का आरोप लगया हैं.

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट यूजी-2025) के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित

निष्पक्ष व सफल आयोजन हेतु दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट यूजी-2025) के सफल आयोजन हेतु आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया.नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट यूजी-2025) हेतु जारी

अधिसूचना के मुताबिक नीट यूजी 2025 परीक्षा का आयोजन पेन एवं पेपर मोड में 4 मई 2025 को करवायी जायेगी. परीक्षा केवल एक शिफ्ट एवं एक दिन में संपन्न होगा.परीक्षा के लिए शिफ्ट दोपहर 2 बजे से लेकर 5 बजे तक रहेगी.

बैठक के दौरान परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ सफल आयोजन हेतु चर्चा की गई. बैठक के दौरान सभी क्लास रूम में सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन करने का निर्देश दिया गया. इसके अलावा परीक्षा सामग्री को परीक्षा केंद्र पहुंचाने हेतु सशस्त्र बल एवं मजिस्ट्रेट नियुक्त रहेंगे. उन्होंने एनटीए कॉर्डिनेटर को सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी, बिजली, पानी, शौचालय, पावर बैकअप, की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उपायुक्त ने परीक्षा के सुचारू और निष्पक्ष संचालन के लिए जरूरी व्यवस्थाओं यथा परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता, परीक्षा सामग्री की आपूर्ति, और परीक्षा के दौरान सुरक्षा उपायों पर ध्यान केंद्रित किया.

साथ ही साथ उन्होंने परीक्षा के निष्पक्ष संचालन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया, ताकि किसी भी छात्र को असुविधा न हो. उन्होंने कहा कि फोर्स एवं मजिस्ट्रेट की नियुक्ति परीक्षा सेंटरों में आवश्यकता अनुसार सही संख्या में सुनिश्चित करें.इसके अलावा छात्रों की प्रवेश एवं निकास द्वार पर विशेष निगरानी रखें.छात्रों के प्रवेश के दौरान अच्छे से सघन तालाशी करें, जो भी गाइडलाइन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी किए गए हैं उसका अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित करें.परीक्षा को निष्पक्ष तरीके से कराने हेतु सभी परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी कंट्रोल रूम बनाए एवं सीसीटीवी के जरिए उसकी निगरानी भी सुनिश्चित करें.किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाह फैलाने आदि पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी.मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दनन, एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, एसडीएम राजेश कुमार, शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक कुमार झा, एनटीए कॉर्डिनेटर मौजूद रहें.

पुलिस ने पहले कोयला लदी ट्रैक्टर को पकड़ा, कुछ घंटे बाद मोटी रकम लेकर ट्रैक्टर को जाने दिया

महुदा थानेदार ने कहा कि इस मामले की मुझे जानकारी नहीं

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : धनबाद -बोकारो फोरलेन मार्ग के तेलमच्चो पुल के समीप महुदा पुलिस ने गुरूवार प्रातः अवैध कोयला लदे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त किया. जब्त ट्रैक्टर को तेलमच्चो चेक पोस्ट पर रखा गया. बाद में सेटिंग गेटिंग के बाद पुलिस ने वाहन को छोड़ दिया. बताया जाता है कि पूर्व में भी ऐसे ही दो मामलों में अवैध कोयला ढोते वाहनों को पकड़ने के बाद पुलिस ने अवैध वसूली कर वाहन को मुक्त कर दिया था. उस वक्त भी अखबारों में ये खबर छपी थी,जो सुर्खियां बटोरी थी.बताया जाता है कि उक्त कोयला एक अवैध कोयला तस्कर महुदा क्षेत्र के अंधारी, जमडीहा में अवैध उत्खनन से निकालने के बाद लोहापट्टी स्थित एक अवैध डीपो में जमा करने के लिए ले जा रहा था. उसी दौरान पुलिस से किसी बात पर बहस हुई और कोयला लदे ट्रैक्टर को तेलमच्चो चेकपोस्ट ले जाया गया. दिन में पुलिस से सेटिंग होने के बाद ट्रैक्टर को कोयला सहित छोड़ दिया गया. उक्त अवैध कोयला तस्कर जिले के एक बड़े नेता का काफी समय से करीबी रहा है.पिछले विधानसभा चुनाव में उसने एक निर्दलीय प्रत्याशी के पक्ष में खुलकर काम किया था.इस संबंध में थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद से पुछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है,जानकारी मिलने पर कार्रवाई किया जायेगी.

पहलगाम आतंकी हमले का मजदूरों ने किया विरोध, मारे गये लोगों को दी श्रद्धांजलि

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आंतकी हमला व निर्दोष पर्यटकों की हत्या से मजदूरों में उबाल है. गुरूवार को ब्लॉक दो ओसीपी के 14 नंबर हाजिरी घर परे मजदूरों एवं अधिकारियों ने हमले की निंदो एवं विरोध किया. मारे गये लोगों के प्रति मौन धारणे कर श्रद्धांजलि देते हुए आत्मा की शांति के लिऐ ईश्वर से प्रार्थना की गयी. वक्ताओं ने कहो आतंकवादियों ने पर्यटकों का नाम पूछकर हृदय विदारक घटना को अंजाम दिया,यह भीषण तो है ही कायराना हमला भी है, जिसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते है. मौके पर परियोजना पदाधिकारी टीएस चौहान , मैनेजरे रणविजय सिंह, इंजीनियर इंचार्ज एसपी सिंह, सेक्शन इंचार्ज पीएस राजू, तुलसी साव ,गोपाल चन्द्र गोपे , पालचंद महतो, अरशद हुसैन , मुरारी पांडेय, अमित सिंह ,कमलेश पांडेय , भरत महतो , रवींद्र सिंह, अजय कुमार महतो , अविनाश दुबे, संतोष दास, वृजमोहन पांडेय, आलोक कुमार, सपन कुमार दास, इंदल सिंह, विजय चौहान, सुनील पांडेय आदि मौजूद थे.

जिला युवा कांग्रेस ने पुलवामा के शहीद पर्यटकों के याद में शहर में निकाला कैंडल मार्च, दी श्रद्धांजलि

पाक आतंकवादियों के पुतला दहन कर जताया गया रोष,पीएम मोदी के प्रति जतायी नाराजगी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : जिला युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कुमार गौरव के नेतृत्व में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों के याद में कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि दी गई. यह मार्च पुराना कांग्रेस भवन से शुरू होकर सिटी सेंटर महात्मा गांधी स्मारक तक गई. साथ ही मोदी सरकार के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की गई. साथ ही दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित दिया गया. पर्यटन स्थल पर आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, इनमें से ज्यादातर पर्यटक है. यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा घातक हमला है. जिसकी युवा कांग्रेस कड़ी निंदा करता है एवं दिवंगत परिवार के प्रति हम विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं. आतंकवादियों के इस कायराना हमले के विरोध से हम बेहद आहत है, आतंकवाद के इस क्रूर कृत्य की हम कड़ी निंदा करते हैं. यह हमला देश की मोदी सरकार और खुफिया एजेंसियों की विफलता को पूर्ण रूप उजागर करता है उनके इंटेलिजेंस फैलियर का यह नतीजा है. धनबाद युवा कांग्रेस निर्दोष पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करता है. युवा जिला अध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि पहलगाम पर आतंकी हमले से पूरा देश शोक संतप्त है.निर्दोष पर्यटकों पर हमला देश की सुरक्षा पर बहुत बड़ी चूक है. धनबाद जिला युवा कांग्रेस चाहती है कि तत्काल कार्यवाही करते हुए सारे आतंकी और उनके सहयोग में जो भी नाम सामने आए तत्काल उन सभी को मृत्युदंड दिया जाए.कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज, प्रदेश महासचिव रविन्द्र वर्मा, धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष सिंह, योगेन्द्र सिंह जोगी, पप्पू पासवान, मंटू दास, साही सिन्हा, महेश शर्मा, कामता पासवान, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष तबरेज खान, जिला महासचिव विक्की कुमार, सोनू यादव, खुर्शीद अंसारी, कुमार सौरव, गुलाम मुक्तक, नीरज दास, अनवर अंसारी, कैलाश दास, मजहर आलम, विधानसभा अध्यक्ष दीपक यादव, टिंकू अंसारी, विशाल महतो, सूरज पासवान, युसुफ अंसारी, कायदे आजम, रिंकू श्रीवास्तव, इत्यादि सैकड़ो युवा उपस्थित थे.

फुलवारटांड स्टेशन में दुरगामी ट्रेनों का होगा ठहराव, लोगों में हर्ष

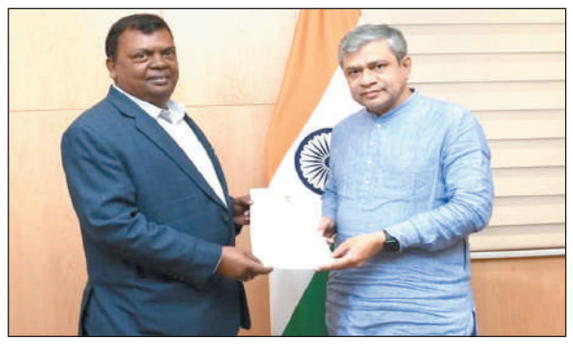

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : पूर्व मध्य रेलवे के फुलवारटांड, भंडारीदाह, बोकारो थर्मल में शक्तिपूंज और धनबाद रांची इंटरसिटी, वनांचल, रांची गोड्डा एक्सप्रेस, धनबाद लोकमान्य तिलक, मंदार एक्सप्रेस का ठहराव होगा. उक्त जानकारी डीआरयूसीसी मेंबर विजय शर्मा ने दी . उन्होंने बताया कि रेल संबंधी अन्य मांगों को भी जल्द पूरी होगी. गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष इन ट्रेनों के ठहराव के लिए मिल कर बाघमारा, डुमरी और बेरमो विधानसभा के लोगों को बहुत बड़ी सुविधा पहुंचाई हैं. इन ट्रेनों के ठहराव के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी को बधाई देते हुए फुलवारीटांड़ के मुखिया दिलीप विश्वकर्मा, गंगा रवानी,रामशंकर तिवारी,गौतम गोप, सोनु कुम्हार, आशीष तिवारी, गोपाल महतो, पिंकू पाण्डेय, अमृत मांझी, नंदगोपाल रॉय, लगनदेव यादव, बैजनाथ यादव, जितेंद्र झा, प्रेम कुमार, चन्दन मिश्रा, संतोष महतो, दीपक महतो, नरेश महतो, नवीन महतो बीसी मंडल, सुजीत रॉय, सोमनाथ पांडेय, तेजप्रकाश पांडेय एंव गोलू शर्मा भूरि - भूरि प्रशंसा की और सांसद को धन्यवाद भी दिया, इन ट्रेनों के ठहराव होने से तीनों विधानसभा की जनता को बहुत लाभ मिलेगा.

डीजीएमएस कॉलोनी में बाइक सवार अपराधी ने महिला से चेन छीनकर हुए फरार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : शहर में गुरुवार की सुबह चेन स्नैचर बाइकर्स गैंग ने छिनतई की घटना को अंजाम दिए जाने से लोगों में गहरा आक्रोश देखा गया.आज सुबह बाइकर्स गैंग ने सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस लाइन और डीजीएमएस कॉलोनी में एक से अधिक घटनाओं को अंजाम देकर सनसनी मचा दिया है. भुक्तभोगी महिला उमादेवी बनर्जी ने बताया कि आज सुबह जब बच्चे को स्कूल पहुंचाकर वापस घर लौट रही थी तो बाइक पर सवार दो अपराधियों ने उनके गले से चेन झपट ली. भुक्तभोगी महिला ने बताया कि राहत वाली बात यह रही कि अपराधियों ने उनके गले से जो चेन छीनी वह नकली था. जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान नहीं हुआ. महिला ने बताया कि उन्होंने कान में सोने के गहने पहन रखे थे, जो बच गए. जिन्हें अपराधी नहीं ले जा सके. वहीं पुलिस लाइन के समीप एक वृद्ध महिला से अधिकारी बनकर उनकी गहने उतरवा लिया और झांसा देते हुए फरार हो गए. शहर में पुलिस की गश्ती कम अपराधियों की चहलकदमी ज्यादा बढ़ जाने से जिलेवासी परेशान हैं.

निरसा में पुलिस ने छापेमारी कर भट्ठा से लोड ट्रक सहित अवैध कोयला लोड दो स्कूटर को किया जब्त

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर खास निरसा स्थित जय मां काली भट्ठा में छापेमारी कर कोयला लदा एक ट्रक, दो स्कूटर व लगभग 25 टन कोयला जब्त किया. इस संबंध में भट्ठा संचालक व मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. जानकारी के अनुसार वरीय पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि उक्त भट्ठा में चोरी छिपे स्टीम कोयला ट्रक में लोड किया जा रहा है. साथ ही चोरी का कोयला स्कूटर एवं साइकिल के माध्यम से भट्ठा में खपाया जा रहा है. सूचना के आधार पर एसडीपीओ ने टीम गठित कर उक्त भट्टे में छापेमारी की.छापेमारी होते ही भट्ठा में कार्यरत कर्मचारी व मजदूर चारदीवारी फांदकर भाग गए.

भट्ठा में कांटा लगाकर स्कूटर एवं साइकिल से कोयला को वजन कर लिया जा रहा था. एसडीपीओ रजत मलिक बाखला -के नेतृत्व में की गई कार्रवाई बता दे कि पूर्व में भी भट्ठा में हो चुकी है छापेमारी ओर यह भट्ठा किसी मुन्ना नामक कोयला तस्कर का बताया जा रहा है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.इसके पूर्व में भी उक्त भट्ठा में छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा में कोयला जब्त किया था. इसके बावजूद भट्ठा संचालक चोरी का कोयले लेने से बाज नहीं आ रहे हैं. बताते चले कि पंडरा रोड स्थित रिफैक्टरी में रात के अंधेरे और सुबह 5 बजे से लंबी कतार से साइकिल और स्कूटर द्वारा कोयला लिया जाता है.सारी कोयला मुगमा स्थित कपासरा बंद पड़े ओसीपी से पंडरा रोड़ नीलकुटी स्थित रिफैक्टियों में खपाया जाता है.पुलिस प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए या कार्य डंके की चोट पर किया जाता है.

पत्रकार पर हुए हमले के विरोध में जिले भर के पत्रकारों ने दिया धरना प्रदर्शन , एसडीओ कार्यालय को घेरा

शुक्रवार तक आरोपियों की नहीं हुई गिरफ्तारी तो शनिवार को पत्रकार देंगे उपायुक्त कार्यालय पर धरना

एक स्वर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की उठी मांग

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के पत्रकार समुदाय पर 16 अप्रैल को हुए हमलाकांड के विरोध में रणधीर वर्मा चौक पर हाथों में तख्तियां लिए धरना प्रदर्शन किया.इस दौरान पत्रकारों ने पैदल मार्च कर एसडीएम कार्यालय को घेरा एवं एसडीओ से मुलाकात किया और उनके माध्यम से धनबाद उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा. मामले में जल्द कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहां की 25 अप्रैल शुक्रवार तक अगर हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो 26 अप्रैल शनिवार को पत्रकार बाध्य होकर उपायुक्त कार्यालय का घेराबंदी करेंगे. घटना के मुख्य बिंदुः 16 अप्रैल को गांधी सेवा सदन के समक्ष कांग्रेस पार्टी के दो गुटों में आपसी मारपीट की घटना के दौरान पत्रकारों ने कवरेज करना शुरू किया, उसी दौरान कांग्रेस पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष रशीद राजा अंसारी के भाइयों और बेटों ने पत्रकारों पर लोहे के पाइप एंगल एवं रॉड से हमला किया और उनके मोबाइल छीन लिए.इस घटना को लेकर पत्रकारों ने धनबाद थाने में प्राथमिकी भी दर्ज करवाया, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है. इस संदर्भ में गुरुवार को पुनः धनबाद प्रेस क्लब, कोयलांचल पत्रकार संघ, झरिया प्रेस क्लब, निरसा चिरकुंडा पत्रकार संघ कतरास प्रेस क्लब, जेजेए धनबाद के सदस्य पत्रकारों समेत जिले भर के पत्रकारों ने रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन शुरू किया और मामले में जल्द कार्रवाई करने की मांग की.साथ ही सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की. धरना प्रदर्शन के द्वारा

दौरान पहलगाम में आतंकियों द्वारा मारे गए निर्दोष पर्यटकों के आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई. प्रधानमंत्री से आतंकवादियों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया. पत्रकारों ने एसडीएम से मुलाकात के दौरान उन्हें मामले से अवगत कराया. एसडीएम ने आश्वासन दिया कि वह धनबाद के उपायुक्त और धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक, डीएसपी लॉ एंड आर्डर नौशाद आलम से बात करके गिरफ्तारी का सुनिश्चित करवाएंगे.

अगर अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होती है, तो पत्रकारों ने इस आंदोलन उग्र करने की चेतावनी दी है।अब देखना यह सभी पत्रकार और एक स्वर में कहा की गिरफ्तारी नहीं होगी तो समाहरणालय के समक्ष शनिवार 26 अप्रैल को धरना प्रदर्शन किया जाएगा. वहां भी अगर मांगी पूरी नहीं होगी तो रांची कुच करके मुख्यमंत्री को इससे अवगत कराया जाएगा.

धरना प्रदर्शन के तुरंत बाद धनबाद के डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम के द्वारा धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारी को फोन कर-के बुलाया गया. धनबाद प्रेस क्लब का एक डेलीगेट डीएसपी से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे.जहां डीएसपी ला एंड आर्डर ने गिरफ्तारी के लिए सोमवार तक का समय मांगा है इस पर धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने उन्हें जवाब दिया कि इस मामले को लेकर धनबाद प्रेस क्लब कमेटी बैठक कर निर्णय लेगी उसके बाद ही उपायुक्त कार्यालय पर धरना देने के दिए गए समय में बदलाव करने की कोई गुंजाइश हो सकती है.

गोवंशियों व प्रतिबंधित मांगुर मछली की तस्करी पर पुलिस रोक के लिए कारगर कदम उठाएगीः निरसा एसडीपीओ

मैथन स्थित सीडीपीओ कार्यालय में पुलिस पदाधिकारी की हुई समीक्षा बैठक

एसडीपीओ ने लंबित कांडों पर, थानेदारों को त्वरित कार्रवाई का दिया निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : मैथन एसडीपीओ कार्यालय में निरसा पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के तमाम थानों में लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित किया गया.बैठक में एसडीपीओ रजत मणिक बाखला ने सभी थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करें और थाना में आने वाले फरियादियों का फरियाद सुना जाए. जिससे कि लोगों की समस्या का समाधान समय रहते किया जा सके. इस दौरान एसडीपीओ ने कहा कि गोवंशियों की तस्करी एवं प्रतिबंधित मांगुर मछली की तस्करी पर रोक के लिए पुलिस समय-समय पर छापेमारी करती है और इसमें सफलता भी मिला है.आगे भी इसे रोकथाम के लिए पुलिस मुस्तैदी से कार्य करेगी. उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में लॉटरी एवं साइबर क्राइम जैसे घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.